बालाघाट
बुधवार 11 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 49
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### अब माइक्रोसॉफ्ट बनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने एनवीडिया को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा हासिल किया। मंगलवार को जब यह रिकॉर्ड बदला तो यह जून 2025 के बाद पहला मौका था, जब एनवीडिया किसी कंपनी से पिछड़ रही हो। गत दिनों एनवीडिया सीईओ जेनसेन हुआंग का हनीट्रेप प्रकरण सामने आया था। चीनी जासूस एजेंसिस के साथ सीईओ हुआंग अफेयर की खबरों के बाद चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एनवीडिया को लेकर नकारात्मक माहौल बना और कंपनी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भविष्य को लेकर अनिश्चितता इसका एक कारण थी। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग को लेकर एक जांच भी चल रही है। यह जांच एक विदेशी खुफिया प्रयास से जुड़ी है कि क्या यह इसका निशाना थे। माइक्रोसॉफ्ट के शेयर 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 543.25 डॉलर पर बंद हुए। वहीं, एनवीडिया के शेयरों में 6 फीसदी से अधिक की हानि हुई। वे लगभग 167.11 डॉलर पर रहे।

### ऑस्कर की रेस में पहुंची रणबीर कपूर की 'रामायण'

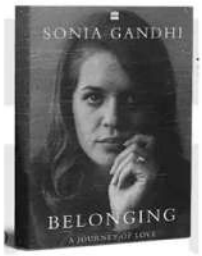
नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। रणबीर कपूर और यश स्टार फिल्म 'रामायण' अब ऑस्कर की रेस में शामिल होने की तैयारी में है। फिल्म के निर्माताओं ने इसे 99वें अकादमी अवॉर्ड्स में विचार के लिए जमा कराया है। एनडीटीवी की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म को ऑस्कर में शामिल करने की प्रक्रिया के तहत यह आवेदन किया गया है। हालांकि, फिल्म का विचार के लिए जमा होना ऑस्कर नामांकन या पुरस्कार मिलने की पुष्टि नहीं है। खास बात यह है कि इस साल मराठी फिल्म 'शिंदळ' को भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए आधिकारिक प्रविष्टि चुना गया है। लेकिन भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के अलावा दूसरी भारतीय फिल्में भी ऑस्कर की अन्य श्रेणियों में स्वतंत्र रूप से आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए उन्हें अकादमी के निर्धारित नियमों और पात्रता शर्तों को पूरा करना होता है। ऑस्कर की सामान्य श्रेणियों में जगह बनाने के लिए फिल्म को अमेरिका के किसी निर्धारित महानगरीय क्षेत्र में लगातार कम से कम सात दिनों तक सिनेमाघरों में प्रदर्शित होना जरूरी है। निर्देशक नितेश तिवारी की इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका में हैं। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा हैं। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के छठे दिन तक फिल्म ने भारत में 403.95 करोड़ रुपये और दुनियाभर में करीब 673.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

## सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव में खोले परिवार के राज

# मुझे सबसे ज्यादा डर इंदिरा गांधी के गुस्से से लगता था

नई दिल्ली। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' बाजार में आ चुकी है। इसके साथ ही सामने आ रही हैं, उनके जीवन से जुड़ी कुछ ऐसी घटनाएं, जो कम ही लोगों को पता हैं। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में अपनी सास इंदिरा गांधी के बारे में भी लिखा है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा कि‌मुझे सबसे ज्यादा डर अपनी सास के कभी-कभार अचानक गुस्से में आ जाने से लगता था। उनके गुस्से से कर्मचारी इस कदर सहम जाते थे कि कुछ बोल ही नहीं पाते थे। एक बार एक कर्मचारी उन्हें किसी महत्वपूर्ण मुलाकात के बारे में याद दिलाना भूल गया था। पहले भी वह ऐसी ही गलती कर चुका था। उसे कमरे के एक कोने में खड़े रहने को कहा गया। वहीं, अन्य कर्मचारी इस स्थिति से असहज महसूस कर रहे थे और वे वहां से जल्दी-जल्दी निकल गए।

कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष ने एक अन्य घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि उन्होंने एक बार कुर्ता-धोती पहने एक व्यक्ति को कमरे के कोने में दीवार की ओर मुंह करके खड़े देखा जो बिल्कुल हिल नहीं रहा था। उन्होंने लिखा कि उस समय मैं राजनीति की प्रमुख हस्तियों को अच्छी तरह नहीं पहचानती थी, लेकिन वह व्यक्ति हमारे घर के निजी हिस्से में था, इसलिए मुझे लगा कि वह कांग्रेस का कोई वरिष्ठ नेता होगा। मैं करीब आधे घंटे तक एमी आंटी के साथ रही। जब मैं वापस लौटी, तब भी सफेद कपड़े पहना वह व्यक्ति दीवार की ओर मुंह करके खड़ा था। बाद में मुझे पता चला कि मेरी सास ने उसे ऐसा करने का आदेश दिया था। एमी कृष्णा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के स्टाफ में वरिष्ठ सदस्य थीं।




### अगर संजय गांधी को नियंत्रण में रखा गया होता तो...

सोनिया गांधी ने 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल को गलती बताया है। उन्होंने किताब में लिखा कि उनका मानना है कि बाद में इंदिरा गांधी को भी ऐसा महसूस हुआ था। सोनिया गांधी ने यह भी लिखा कि अगर संजय गांधी को नियंत्रित रखा गया होता, तो आपातकाल के बाद हुए काफी नुकसान को रोका जा सकता था। हालांकि, उनके इन विचारों पर बीजेपी ने सवाल उठाए हैं।

### नाराज होने पर नजरअंदाज करना शुरू कर देती थीं इंदिरा

सोनिया गांधी ने लिखा कि कई बार इंदिरा गांधी किसी से नाराज होने पर उससे बात करना बंद कर देती थीं और उसे नजरअंदाज करती थीं जिससे वह व्यक्ति कई दिनों तक असमंजस में रहता था। उन्होंने लिखा कि संसद में विशेष रूप से विपक्ष के साथ तीखी नोकझोंक होने पर इंदिरा गांधी कभी-कभी भोजन के दौरान भी गुस्से में आ जाती थीं। ऐसे ही एक मौके पर उन्होंने अपनी थाली गुस्से में खाने की लंबी मेज के दूसरे छोर की ओर धकेल दी थी। सोनिया ने लिखा कि उनके इस तरह गुस्सा होने से मैं घबरा जाती थी। मुझे अपने पिता के गुस्से की याद आ जाती थी। मैं परेशान हो जाती थी और सहम जाती थी जबकि राजीव और संजय उस अप्रिय स्थिति के समाप्त होने का चुपचाप इंतजार करते थे।

### इंदिरा को गुस्सा शांत होने पर होता था पछतावा

सोनिया गांधी ने लिखा कि मैं जब तक उन्हें अच्छी तरह नहीं जानने लगी, तब तक मैं उनके गुस्से से कांप उठती थी। उन्हें आमतौर पर गुस्सा शांत होने के बाद अपने व्यवहार पर पछतावा होता था और वह अपने तरीके से उस व्यक्ति के सामने अफसोस भी जताती थीं, जिससे वह नाराज हो जाती थीं। लेकिन यदि कोई सहयोगी उनका भरोसा तोड़ देता था तो वह उसे माफ नहीं करती थीं। वह उससे दूरी बना लेती थीं और फिर कभी उसके साथ काम नहीं करती थीं। सोनिया ने लिखा कि इंदिरा गांधी को घर के कुछ काम करने से सुकून मिलता था और वह कभी-कभी एमी कृष्णा से पुरानी तस्वीरों के बक्से मंगवाती थीं और फिर उन तस्वीरों की तारीख के हिसाब से अलग-अलग करती थीं। उन्होंने लिखा कि या फिर वह अपनी साड़ियां निकालती थीं और हमारी मदद से उन्हें इस हिसाब से व्यवस्थित करती थीं कि वे कहां से आई थीं। वह साड़ियों के हर गट्ठर पर एक पर्ची लगाती थीं, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें आसानी से निकाला जा सके। वह कुछ ऐसी साड़ियां भी अलग रखती थीं, जिन्हें उन्होंने कभी-कभार ही पहना था और जो अब भी अच्छी हालत में थीं। फिर वह हमसे अलग-अलग रिश्तेदारों के लिए उन साड़ियों के अलग-अलग गट्ठर बनाने को कहती थीं।

## धुंध, धुआं, हवा में घुला जहर...दिल्ली-भोपाल में एक्यूआई 400 पार; तमिलनाडु में बारिश, यूपी के 4 शहरों की हवा खराब

# दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के

नई दिल्ली। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं। एक्यूआईक्यूएन के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार सुबह 9:54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां एक्यूआई 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा सिर्फ पाकिस्तान का लाहौर शामिल था। लाहौर 430 एक्यूआई के साथ 14वें स्थान पर रहा। वहीं, दिवाली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में मंगलवार सुबह 6 बजे चांदनी चौक का एक्यूआई 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया। देश में हर साल लगभग 17 लाख से लेकर 20 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो जाती है। मध्य प्रदेश के भोपाल, उज्जैन और हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। यूपी के नोएडा में एक्यूआई 332, बुलंदशहर में 331, गाजियाबाद में 324 दर्ज किया गया। एमपी में रात का तापमान 11 डिग्री और यूपी में 15 डिग्री तक गिर गया है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 201 से 300 तक होने पर हवा खराब मानी जाती है। 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी होती है। गंभीर प्रदूषण का असर स्वस्थ लोगों पर भी पड़ सकता है। तमिलनाडु के थूथुकुडी समेत कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज बारिश की संभावना है। आंध्र प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में तेज हवाएं चलने की संभावना है।

### सुप्रीम कोर्ट ने 4 राज्यों से गाड़ियों के प्रदूषण पर जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस पर तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकारों के साथ एमसीडी और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाली गाड़ियों की एंड्री और उनके चलने पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही, ऐसी गाड़ियों की पहचान और जांच की व्यवस्था की जानकारी भी मांगी है। इसमें पीयूसी सर्टिफिकेट की अनिवार्यता लागू कराने के कदम शामिल हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची व वी. मोहना की बेंच ने कमिशंयल और निजी गाड़ियों के लिए लागू नियमों और उन्हें लागू करने की व्यवस्था का ब्योरा मांगा है।

## हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 के तहत सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

# दादा की संपत्ति पर पोते का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति पर सीधे तौर पर पोते का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है। पहले संपत्ति प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारियों को ट्रांसफर होने और उनके बीच उसका बंटवारा होने के बाद (दादा के बेटे यानी पोते के पिता) उसके पिता को आबंटित हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बनेगी। ऐसे में दादा की संपत्ति पर पोते का जन्मसिद्ध कोई अधिकार नहीं है।

जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने यह फैसला एक पुत्र की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए सुनाया, जिसने उस जमीन में आधा हिस्सा मांगा था जो उसके पिता को दादा की संपत्ति के बंटवारे में मिली थी, जिसे पिता ने बाद में बेच दिया था। अपील में मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि वादी यानी अपीलकर्ता को उस संपत्ति में जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त नहीं हुआ है जो उसके दादा की मृत्यु के बाद विभाजन द्वारा उसके पिता के हाथ में आई थी इसलिए वह संपत्ति के विभाजन की मांग करने का हकदार नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले से असंतुष्ट होकर अपीलकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसने पाया कि 1994 के समझौता डिक्री या उक्त विक्रय विलेखों को कोई चुनौती नहीं दी गई है और केवल विभाजन के तहत आधे हिस्से का कब्जा मांगा गया है।

अनुसूची के प्रथम श्रेणी के तहत पोता उत्तराधिकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल को परिभाषित किया कि क्या अपीलकर्ता अपने जीवित पिता की संपत्ति में आधे हिस्से का हकदार है और क्या वह इस आधार पर विभाजन का आदेश मांग सकता है कि विचाराधीन संपत्ति पैतृक/संयुक्त परिवार की संपत्ति है? सुप्रीम कोर्ट के सामने अपीलकर्ता ने हिंदू उत्तराधिकार (तमिलनाडु संशोधन) अधिनियम, 1989 की धारा 29ए का हवाला देते हुए तर्क दिया कि समझौता आदेश ने पिता के हिस्से को स्व-अर्जित संपत्ति में परिवर्तित नहीं किया है और पिता ने इसे सहदायिक संपत्ति के कर्ता के रूप में धारण किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुसूची के प्रथम श्रेणी के तहत पोते (बेटे के बेटे) का उत्तराधिकारी के रूप में उल्लेख नहीं है इसलिए इस प्रावधान के तहत उसे अपने दादा की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं मिल सकता। हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 (जो हिंदू कानून को संहिताबद्ध करता है) के तहत दादा की संपत्ति में पोते का वह अधिकार, जो 1956 के अधिनियम से पहले लागू व्यक्तिगत हिंदू कानून के तहत मौजूद था।

## तमिलनाडु में साइबर ठगों का बड़ा हमला, बैंक खातों से 22.10 करोड़ रुपये गायब

चेन्नई। तमिलनाडु में साइबर अपराधियों ने बैंक खातों से 22.10 करोड़ की कथित हेराफेरी कर बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देकर बताया कि फिलहाल ठगी की रकम के लेन-देन और उसके अंतिम ठिकाने का पता लगा रहे हैं। इस घटना के पीछे नाइजीरिया के एक अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का हाथ होने का संदेह जाहिर किया गया है।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धोखाधड़ी में लोकल बैंक कर्मचारियों की कोई भूमिका थी या फिर बैंक खातों से जुड़ी गोपनीय जानकारियों का गलत इस्तेमाल हुआ। इसके अलावा सरकारी भुगतान प्रणालियों में सेंधमारी की आशंका को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विनोज पी.सेल्वम ने राज्य की मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की हेराफेरी ने सरकार की प्रशासनिक निगरानी, जवाबदेही और साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

बीजेपी नेता सेल्वम ने सवाल उठाया कि ग्रामीण विकास, जनकल्याण और जरूरी सेवाओं के लिए निर्धारित इतनी बड़ी रकम सरकारी भुगतान प्रणालियों से कैसे गायब हुई। उन्होंने पूछा कि वित्तीय नियंत्रण और सुरक्षा जांच की व्यवस्था कहां थी। भाजपा नेता ने टीवीके सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड कराना और राज्य का प्रशासन चलाना दो अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने सरकार से मामले में पारदर्शी जवाब देने और सार्वजनिक धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच में जुटी है।

## सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में तेज वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त कर तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा की सरकारों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्धारित समय सीमा पार कर चुके वाहनों के प्रवेश और संचालन को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी देने का कह दिया है। शीर्ष न्यायालय ने संबंधित प्राधिकरणों से पूछा है कि वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और बिगड़ती वायु गुणवत्ता में इसके योगदान को कम करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्तर पर कौन से नए उपाय प्रस्तावित हैं या किन पर विचार हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) संबंधी आवश्यकताओं का पालन सुनिश्चित करने सहित निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करने वाले वाहनों की पहचान, निगरानी और नियंत्रण के लिए मौजूदा कदमों की जानकारी भी मांगी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दिल्ली और एनसीआर में वाणिज्यिक एवं गैर-वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश और आवाजाही को नियंत्रित करने वाले मौजूदा नियामक ढांचे और नियमों को लागू करने की व्यवस्था के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया।

## सिंगरौली में गिरा कच्चा मकान, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, पांच घायल

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के धाना क्षेत्र के बरहपन गांव में सो रहे एक परिवार पर मकान गिर गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हुए हैं। सोमवार रात को यह घटना घटी है। रात को खाना खाने के बाद परिवार सो गया था। घर गिरने से परिवार के आठ लोग मलबे में दब गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान अरुण विश्वकर्मा (36), उनकी मां संतुलिया (65) और उनकी दो साल की बेटी के रूप में हुई है। महिलाओं और बच्चों समेत पांच घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल और एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों में बेलामती, सुदर्शन विश्वकर्मा, रोशनी, दीपक और अजय विश्वकर्मा शामिल हैं।

मौडिया रिपोर्ट के मुताबिक गांववालों और एक प्रशासनिक टीम ने लोगों के शव और घायलों को निकाला गया। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक जब कच्चा घर गिरा तो परिवार अंदर सो रहा था। उन्होंने कहा कि एक दीवार में पहले ही दरार आ गई थी। घर की एक दीवार में दरारें आने से परिवार को आने वाले खतरे का अंदाजा हो गया था। लेकिन अगले दिन जब तक वे इसे ठीक कर पाते, पूरा स्ट्रक्चर गिर गया। परिवार की एक महिला सदस्य, जिसकी पहचान बेलामती के तौर पर हुई, चार बच्चों के साथ मलबे में दब गई, पड़ोसियों ने उन्हें किसी तरह बाहर निकाला। उनके पति, अरुण, परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ अंदर फंसे हुए थे वह बाहर नहीं आ सके।

## पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया। दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है। फिल्मी डेब्यू के एक साल बाद ही पवन कल्याण की शादी उनके परिवार ने नंदिनी से करा दी थी। एक इंटरव्यू में पवन कल्याण ने कहा था, परिवार के कहने पर मैंने रिश्ते को अपना लिया था। कुछ समय हमारे बीच चीजें खराब होने लगीं। हर रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं चलता, इसलिए ये अच्छा है कि एक दूसरे से अलग हो जाएं। नंदिनी से तलाक से लेने से पहले पवन अपनी को-स्टार रेनू देसाई के साथ लिव इन में रहने लगे थे। 2004 में रेनू ने बेटे अकिरा नंदन को जन्म दिया।



## कुछ ना कहना




## विधानसभा चुनाव से पहले आचार संहिता को लेकर चुनाव आयोग का फैसला, सेवानिवृत्त अधिकारियों पर भी लागू होंगी आचार संहिता की पाबंदियां

# अब किसी भी पार्टी के लिए वोट नहीं मांग सकेंगे रिटायर अधिकारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव से पहले आचार संहिता को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब सरकारी कर्मचारियों पर लागू होने वाले चुनावी नियम और पाबंदियां रिटायर्ड सरकारी अधिकारियों और राज्य सरकारों की ओर से नियुक्त किए गए दूसरे लोगों पर भी लागू होंगी। आयोग ने साफ कर दिया है कि सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद भी अगर कोई व्यक्ति सरकार के लिए काम कर रहा है, तो उसे चुनाव के दौरान राजनीतिक रूप से निष्पक्ष रहना होगा।




चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से नियुक्त किए गए रिटायर्ड अधिकारी या दूसरे लोग किसी भी राजनीतिक दल के चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। वे न तो किसी उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार कर पाएंगे और न ही वोट मांगने जैसी गतिविधियों में शामिल हो सकेंगे। आयोग का कहना है कि ऐसे लोगों को अपनी जिम्मेदारियां निभाते समय पूरी निष्पक्षता बरतनी होगी।

### पांच राज्यों के अधिकारियों को भेजा पत्र

इस संबंध में चुनाव आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेजा है। इन पांचों राज्यों में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने राज्यों में इन नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं।

### रिटायरमेंट के बाद भी नहीं मिलेगी छूट

आयोग के इस फैसले का मकसद चुनाव के दौरान सरकारी व्यवस्था को निष्पक्षता बनाए रखना है। अब केवल नौकरी कर रहे सरकारी कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि सरकार से जुड़े कामों में लगाए गए रिटायर्ड अधिकारियों और अन्य लोगों को भी आचार संहिता के दायरे में रहना होगा। यानी सरकारी जिम्मेदारी निभाने वाला कोई भी व्यक्ति चुनाव में किसी राजनीतिक दल या उम्मीदवार के पक्ष में माहौल बनाने का काम नहीं कर सकेगा।

विनोद उपाध्याय /10 नवम्बर, 2026

## कोरोना का नया वेरिएंट दे रहा दस्तक

### सामान्य फ्लू जैसे लक्षणों से बढ़ सकती है पहचान की मुश्किल

नई दिल्ली। कोरोना के साल 2020 में कहर बरपाने के बाद इसके कई वेरिएंट सामने आ चुके हैं। हाल ही में एक और नया वेरिएंट चर्चा में बना हुआ है जिसका नाम है पीजे.2.1। इस नए वेरिएंट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दिया है कि यह बिल्कुल सामान्य फ्लू जैसा है, जिसकी वजह से यह जांच कर पाना बहुत मुश्किल हो जाएगा कि यह नॉमिल फ्लू है या कोविड-19। कोविड-19 में लगातार हो रहे म्यूटेशन के बाद अब वेरिएंट पीजे.2.1 विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रहा है। एसएआरएस-सीओवी-2 वायरस के दूसरे वेरिएंट्स की तरह यह भी सांस से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है। हालांकि, इसकी गंभीरता और क्लिनिकल प्रभाव के लिए अभी जोनोमिक निगरानी की जरूरत है। पर इसे लेकर दावा है कि इस पीजे.2.1 वेरिएंट से संक्रमित होने पर गले में तेज दर्द ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक थकान रह सकती है। वहीं, इसकी जांच के लिए डायग्नोस्टिक टेस्ट करवाना भी बहुत जरूरी है।

## शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री के कपाट

उत्तरकाशी। चारधामों में प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अक्षकूट पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। अमृत बेला और अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर कपाटबंदी की प्रक्रिया संपन्न हुई। इसके बाद मां गंगा की उत्सव डोली ढोल-दमाऊं की थाप और सेना बैंड की धुनों के बीच जयकारों के साथ शीतकालीन प्रवास मुखबा (मुखीमठ) के लिए रवाना हुई। डोली यात्रा में तीर्थ पुरोहितों के साथ सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। बुधवार को भैयादूज के पर्व पर मां गंगा की डोली मुखबा पहुंचेगी, जहां उत्सव प्रतिमा को शीतकाल के लिए गंगा मंदिर में विराजमान किया जाएगा। गंगोत्री धाम के कपाट शीघ्रकाल में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर खोले जाते हैं, जबकि दीपावली के बाद अक्षकूट पर्व पर शीतकाल के लिए बंद करने की परंपरा है।

# जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्याएं

## 24 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, वारासिवनी के बीईओ एवं बीआरसी को नोटिस जारी करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 10 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 24 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला डोंगरगांव संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मेंढकी के सेवानिवृत्त शिक्षक नंदलाल बोकडे एरिया की द्वितीय किश्त का भुगतान नही करने संबंधी शिकायत लेकर आए थे। सेवानिवृत्त शिक्षक नंदलाल बोकडे का कहना था कि वे 31 जनवरी 2022 को सेवानिवृत्त हो गए हैं। शासन के आदेशानुसार उन्हें प्रथम नियुक्ति से पूर्ण वेतनमान का एरियर्स दो किस्तों में दिया जाना था। उन्हें 01 लाख 28 हजार 140 रुपए की प्रथम किश्त का भुगतान कर दिया गया है लेकिन 01 लाख 71 हजार 450 रुपए की द्वितीय किश्त का भुगतान 02 वर्ष 10 माह बीत जाने के बाद भी नही किया गया है। इस प्रकरण में कलेक्टर



सिंह ने वारासिवनी के बीईओ एवं बीआरसी को नोटिस जारी कर जवाब तलब करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही द्वितीय किश्त का शीघ्र भुगतान करने कहा गया है।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा निवासी भवानी तिवारी अपनी निजी भूमि पर बिना अनुमति गेट एवं बैनर लगाए जाने और आवागमन बाधित किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि सलीम खान, जावेद खान, शानू खान एवं उनके साथियों ने उनकी निजी भूमि पर बिना अनुमति गेट और बैनर लगा दिए हैं, जिससे उन्हें अपनी ही जमीन पर आने-जाने में परेशानी हो रही है। भवानी ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में तहसीलदार किरनापुर को लिखित शिकायत देने के साथ जनसुनवाई में भी आवेदन किया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस प्रकरण में एसडीएम किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोली के डामेंद्र कुमार धानेश्वर शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के लोक सूचना अधिकारी पर तीन आरटीआई आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में जवाब नहीं दिये जाने की शिकायत लेकर आये थे। डामेंद्र ने बताया कि उनके द्वारा 27, 29 एवं 30 सितंबर 2026 को भेजे गए तीनों आवेदनों की डिलीवरी होने के बावजूद 10 नवंबर तक कोई सूचना अधिकारी द्वारा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। अतः उन्होंने मामले की जांच कर संबंधित लोक सूचना अधिकारी पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस प्रकरण में अपर कलेक्टर को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

ग्राम अमोली के ही डामेंद्र कुमार द्वारा त्यौहारों के समय भोपाल-इंदौर से बालाघाट चलने वाली बसों का किराया बहुत अधिक बढ़ा दिये जाने की शिकायत की गई और इस पर रोक लगाने की मांग की गई। इस पर जिला परिवहन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

# पटाखों की सुरक्षा पर प्रशासन की नजर, लेकिन कीमतों पर किसका नियंत्रण?

**दीपावली में मनमाने दामों पर बिक रहे पटाखे, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से लेकर ग्रामीण अंचलों तक पटाखों की बिक्री के लिए निर्धारित रेट लिस्ट का अभाव, व्यापारी अपनी मर्जी से वसूल रहे कीमतें**



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व पर घरों में दीप जलाने और पूजा-अर्चना के साथ आतिशबाजी का भी खास उत्साह रहता है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक युवा और बच्चे पटाखों की खरीदारी करते हैं। इस दौरान जिला प्रशासन पटाखा दुकानों के संचालन, सुरक्षा इंतजामों और विस्फोटक सामग्री के विक्रय पर निगरानी रखता है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। लेकिन पटाखों की बिक्री के दौरान वसूली जा रही कीमतों को लेकर प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। आम लोगों का कहना है कि प्रशासन दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था और पटाखों के विक्रय पर तो नजर रखता है, लेकिन इनकी कीमतों को नियंत्रित करने और ग्राहकों को उचित दर पर सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में कोई ठोस व्यवस्था दिखाई नहीं देती। नतीजतन दीपावली के अवसर पर पटाखा कारोबारियों द्वारा मनमाने दाम वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिसका सीधा आर्थिक बोझ आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

इस मुद्दे को लेकर सजल मस्की ने पद्मेश न्यूज को फोन कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया। उनका कहना है कि जिला प्रशासन खाद्यान्न सामग्री सहित रोजमर्रा की कई वस्तुओं के भंडारण और वितरण से जुड़े आंकड़ों पर नजर रखता है, लेकिन बड़ी मात्रा में बिकने वाले पटाखों के कारोबार और उनकी कीमतों को लेकर ऐसी व्यवस्था दिखाई नहीं देती। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में लगी पटाखा दुकानों के साथ शहर के आसपास फुटकर दुकानदारों और ग्रामीण क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री हो रही है, लेकिन ग्राहकों को उपलब्ध कराई जा रही सामग्री की कोई सार्वजनिक रेट लिस्ट नजर नहीं आती। ऐसे में खरीदारों को दुकानदार द्वारा बताई गई कीमत पर ही पटाखे खरीदने पड़ते हैं और उनके पास यह जानने का कोई स्पष्ट आधार नहीं होता कि उससे वसूली जा रही रकम उचित है या नहीं। सजल मस्की ने सवाल उठाया कि जब दीपावली के दौरान बड़ी मात्रा में पटाखों की बिक्री होती है और हर साल हजारों लोग इसकी खरीदारी करते हैं, तो फिर कीमतों को लेकर पारदर्शी व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जाती? उनका कहना है कि पटाखा दुकानदारों द्वारा अलग-अलग कीमतें बताने की स्थिति में ग्राहक असमंजस में रहते हैं। कई बार एक ही तरह के उत्पाद के लिए अलग-अलग दुकानों पर अलग-अलग दाम सामने आते हैं। यदि प्रशासन की ओर से कीमतों की निगरानी और दरों की सार्वजनिक करने की व्यवस्था हो, तो उपभोक्ताओं को मनमानी वसूली से राहत मिल सकती है। हालांकि अलग-अलग कंपनियों, ब्रांड, पैकिंग और उत्पादों की गुणवत्ता के कारण कीमतों में अंतर संभव है, लेकिन ग्राहकों को सही जानकारी उपलब्ध कराना भी जरूरी है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि पटाखों की बिक्री को लेकर केवल सुरक्षा इंतजामों तक ही निगरानी सीमित न रखी जाए, बल्कि उनकी कीमतों और कारोबार में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी पहल की जाए। इसके लिए पटाखा व्यापारियों से उत्पादों की सूची और उनके अधिकतम खुदरा मूल्य की जानकारी लेकर दुकानों पर रेट लिस्ट प्रदर्शित कराने की व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ग्राहकों से पैकेट पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक राशि न वसूली जाए। सजल मस्की का कहना है कि यह व्यवस्था केवल इस वर्ष तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आने वाले प्रत्येक दीपावली पर्व पर प्रशासन को पहले से तैयारी कर पटाखों की कीमतों को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश और निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ आम जनता की जेब से जुड़े इस मुद्दे पर भी कोई पहल करता है या पटाखों की कीमतों को लेकर उपभोक्ता इसी तरह दुकानदारों के भरोसे बने रहेंगे।

# साइकिल से घर लौट रहे 58 वर्षीय व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम नेवर गांव और पाथरी के बीच एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 58 वर्षीय व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक मोहनलाल पिता तुकाराम मेश्राम, ग्राम पाथरी थाना वारासिवनी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलाल मेश्राम पुश्तैनी व्यवसाय के साथ मजदूरी भी करते थे। उनके परिवार में पत्नी उषा मेश्राम और एक विवाहित बेटा वीरेंद्र मेश्राम है। बताया गया कि 9 नवंबर को वीरेंद्र रिश्तेदारी में ग्राम टेकाड़ी मिरगपुर गया हुआ था। इसी दौरान शाम को मोहनलाल किसी काम से साइकिल लेकर ग्राम नेवर गांव गए थे। रात में वे साइकिल से अपने गांव पाथरी लौट रहे थे। इसी दौरान नेवरगांव और पाथरी के बीच स्थित पुलिया के पास अचानक वे साइकिल सहित गिर पड़े। हादसे में उनके चेहरे और नाक पर गंभीर चोट आई तथा चोट की गंभीरता के चलते उनकी हालत बिगड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए वारासिवनी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 10 नवंबर की सुबह मोहनलाल मेश्राम ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। मामले की आगे की कार्रवाई के लिए मर्ग डायरी घटनास्थल से संबंधित वारासिवनी थाना भेज दी गई है।

# बस स्टैंड मे दीनदहाड़े युवक को चाकू मारकर किये घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के बस स्टैंड स्थित शौचालय के सामने दीनदहाड़े एक युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। घायल युवक सुजल पिता शंकर राऊत 19 वर्ष वार्ड नंबर 13 गंगानगर बालाघाट निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान लेकर मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को भिजवा दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुजल राऊत जिला अस्पताल बालाघाट में काम करता है। 10 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे बस स्टैंड स्थित खिलिया मुटिया में गोवारी समाज के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुजल आया हुआ था कार्यक्रम के दौरान बस स्टैंड स्थित शौचालय के पास उसे चार-पांच लड़कों ने रोक लिया और गालियां देना शुरू कर दिया। सुजल ने उसका विरोध किया तो इसी दौरान किसी एक लड़के ने उसके बाएं पैर की जांघ में चाकू से वार कर दिया।चाकू लगने से सुजल घायल होकर वहीं गिर पड़ा और खून निकलने लगा। मौके पर मौजूद उसके साथियों ने तुरंत उसे उठाया और जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सुजल का बयान लिया। बयान के बाद पुलिस ने इस मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली भिजवा दिया है।

# बंजर नदी पानी लेने गई महिला रहस्यमय ढंग से लापता, अपहरण की आशंका

## मलाजखंड पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया मामला- तलाश में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम चिचरेगपुर भीमा में बंजर नदी से पानी लेने गई एक महिला रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला के काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने नदी, गांव और आसपास के क्षेत्रों सहित रिश्तेदारों के यहां तलाश की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पति ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी पत्नी का अपहरण कर उसे किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखा है। शिकायत के आधार पर मलाजखंड पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### बंजर नदी पानी लेने गई थी महिला- फिर नहीं लौटी घर

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चिचरेगपुर निवासी रमेश परते मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी छोटी बाई परते, चार बच्चे और उनकी मां हैं। बताया गया कि 8 नवंबर की शाम करीब 4 बजे छोटी बाई पानी लाने के लिए गंजी लेकर बंजर नदी गई थी। लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी वह पानी लेकर घर नहीं लौटी। पत्नी के वापस नहीं आने पर रमेश परते ने पहले बंजर नदी और उसके आसपास खोजबीन की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

### रिश्तेदारों के गांवों में भी की तलाश

इसके बाद रमेश ने गांव और आसपास के इलाकों में लोगों से पूछताछ की। पत्नी का पता नहीं चलने पर उन्होंने रिश्तेदारी के गांव मोवाला, टेकाड़ी, कलेगांव, सरेखा और कुआदेही सहित अन्य स्थानों पर भी तलाश की,लेकिन छोटी बाई का कहीं पता नहीं चला। 9 नवंबर तक लगातार खोजबीन के बावजूद पत्नी की कोई जानकारी नहीं मिलने पर पति ने अपहरण की आशंका जताई।

### यह है लापता महिला का हुलिया

लापता छोटी बाई परते का रंग सांवला, शरीर दुबला-पतला और चेहरा लंबा है। घटना के समय उसने आसमानी नीले रंग की साड़ी पहनी हुई थी। उसके गले में बाजारू मंगलसूत्र, कानों में बाजारू बालियां और पैरों में बाजारू पायल हैं। महिला के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर पुलिस या परिजनों को सूचित करने की अपील की गई है।

### पुलिस ने दर्ज किया मामला

पत्नी की तलाश में परेशान रमेश परते अपनी सास रमई बाई मरकाम, साढ़ू भाई कमल मरकाम और गांव के कोटवार जानदेव रावतकर के साथ मलाजखंड थाना पहुंचा और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस लापता महिला की तलाश और मामले की जांच में जुटी हुई है।

# कैट प्रतिनिधि मंडल ने एसपी से की मुलाकात, विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक (एसपी) को कैट (कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के पदाधिकारियों एवं व्यापारी प्रतिनिधियों ने जिले का पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक का स्वागत करते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और व्यापारियों की सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर कैट जिला प्रभारी एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, कैट जिला अध्यक्ष भवानी शंकर टंकोडिवाल, जिला महामंत्री गणेश अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री एवं भाजपा जिला व्यापारी संघ के जिला अध्यक्ष दिलीप कारड़ा, कोषाध्यक्ष सुभाष छाबड़ा, जिला उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, जिला प्रचार सचिव मनोज श्रीसागर, जिला सहसचिव कपिल जैन एवं दीपक जैन, जिला सदस्य प्रमोद अग्रवाल, विनोद सवदेवा, वस्त्र चौधे एवं विजय रुसिया उपस्थित रहे।प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को विश्वास दिलाया कि जिले के व्यापारी पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे।तथा जिले में शांति, सुरक्षा एवं बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने में हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे।



# सांप पकड़ने गए 55 वर्षीय मजदूर की सर्पदंश से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गायखुरी में वैनगंगा नदी किनारे स्थित मोक्षधाम के कंडा गोदाम में सांप पकड़ने गए, एक 55 वर्षीय व्यक्ति की सर्पदंश से मौत हो गई। मृतक दिलीप पिता हीरालाल उइके वार्ड नंबर 5 सरेखा बालाघाट निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप उइके मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी, मां, दो बेटियाँ और एक बेटा है। इनमें से एक बेटा और एक बेटी का विवाह हो चुका है। बताया जाता है कि दिलीप कभी-कभी सांप भी पकड़ लिया करता था।10 नवंबर को ग्राम गायखुरी स्थित वैनगंगा नदी किनारे मोक्षधाम के कंडा गोदाम में सांप निकलने की जानकारी मिलने पर अनिल पांचे, दिलीप उइके को सांप पकड़ने के लिए वहां ले गया था। सुबह करीब 11 बजे कंडा गोदाम में सांप पकड़ने के दौरान सांप ने दिलीप के दोनों हाथों के पंजों में काट लिया। इसके बाद अनिल पांचे उसे उसके घर छोड़कर चला गया।



घटना की जानकारी मिलने पर दिलीप को उसके बेटे अभिषेक उइके ठुठ्ठे मोटरसाइकिल से उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचा लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो चुकी थी।घटना के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की तथा पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले को अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया है।

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम

चुनमुनिया

आकर्षक झांकियों के साथ

गायक - दामाद बाबू

राजनांदगांव के द्वारा प्रस्तुत

7440787959

8085493332

# छह साल पुराने हत्या के प्रयास के मामले में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी पुलिस ने अपराधों में फरार आरोपियों एवं स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हत्या के प्रयास के करीब छह साल पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी उमेन्द्र पिता ओमकार लिल्हारे 25.वर्ष को न्यायालय वारासिवनी में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना खैरलांजी में वर्ष 2020 में अपराध क्रमांक 241/2020 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के अंतर्गत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में ग्राम सावरी निवासी उमेंद्र लिल्हारे 25 वर्ष आरोपी है। मामले की न्यायिक प्रक्रिया के दौरान आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ।जिसके चलते न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध स्थाई वारंट जारी किया गया था।

स्थाई वारंट जारी होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी लेकिन वह गिरफ्तारी से



बचने के लिए लगातार छिपता फिर रहा था। इसी बीच पुलिस को आरोपी के ग्राम सावरी में होने की जानकारी मिली। सूचना के आधार पर खैरलांजी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और फरार स्थाई वारंटी उमेंद्र लिहारे को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी को 9 नवंबर को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की और उसी दिन शाम करीब 4 बजे न्यायालय वारासिवनी में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

### थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी की यह कार्रवाई थाना प्रभारी शशांक राणा के नेतृत्व में की गई। खैरलांजी पुलिस द्वारा पुराने मामलों में फरार आरोपियों और न्यायालय से जारी वारंटियों की तलाश कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से लंबे समय से लंबित प्रकरण में आगे की न्यायिक प्रक्रिया को गति मिलेगी।

## कार्यालय जनपद पंचायत वारासिवनी जिला बालाघाट (म.प्र.)

### प्रेस विज्ञप्ति

**वारासिवनी:-** रामपायली मेला वर्ष 2026 (24 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक) हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रण की जाती है-

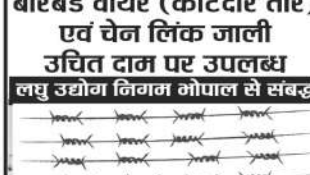
1. **सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियो के लिए भोजन व्यवस्था बाबद्।**
2. **उभरे फूलो द्वारा मॉदर परिसर डेकोरेशन व्यवस्था बाबद् ।**
3. **टीपूर प्रज्वलन के समय आतिशबाजी व्यवस्था बाबद् ।**

उपरोक्त कार्य हेतु निविदा पृथक-पृथक बंद लिफाफे मे दिनांक 13.11.2026 को समय दोप. 01:00 बजे तक जनपद पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है। प्राप्त निविदायें उसी दिन दोप. 02:00 बजे सामान्य प्रशासन की बैठक मे खोली जावेगी। अन्य शर्तें कार्यालयीन दिनों में कार्यालयीन नोटिस बोर्ड पर देखी एवं पढ़ी जा सकती हैं।

**मुख्य कार्यपालन अधिकारी**
**जनपद पंचायत वारासिवनी**
**जिला बालाघाट(म.प्र.)**

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध



निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

## सरनेम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ज्योति राऊत पति शिव प्रसाद राऊत निवासी ग्राम गोंगलई वार्ड नं 20 तह. जिला-बालाघाट (म.प्र.) कि निवासी हूँ।

मैं शपथ पूर्वक कथन करती है कि मेरा विवाह पूर्व नाम व पता ज्योति यादव पिता श्री राजकुमार यादव वार्ड नं. 20 ग्राम गोंगलई तह. जिला बालाघाट (म.प्र.) है। उक्त नाम व पता दोनों मेरे से ही संबंधित है तथा उपरोक्त दोनो नाम एक ही है अर्थात मेरे स्वयं के है।

अतः मैं विवाह पूर्व के सरनेम के स्थान पर विवाहोपरांत का सरनेम एवं पिता के स्थान पर पति का नाम दर्ज करना चाहती है।

**शपथकर्ता**
**ज्योति राऊत**
**पति श्री शिव प्रसाद राऊत**
**वार्ड न. 20, ग्राम गोंगलई**
**तह.व जिला बालाघाट(म.प्र.)**

बालाघाट
बुधवार 11 नवम्बर 2026

# बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## कंट्रोल रूम में आयोजन की सूचना जारी, लेकिन एसपी कार्यालय में हुई सुनवाई

### कंट्रोल रूम में आयोजन की सूचना जारी, लेकिन एसपी कार्यालय में हुई सुनवाई

### फरियादियों ने अपनी समस्याओं के साथ पुलिसकर्मी पर गंभीर आरोप लगाए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में आम नागरिकों की पुलिस संबंधी शिकायतों के निराकरण और पुलिस-जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मंगलवार 10 नवंबर को पहली बार पुलिस जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से बताया गया था कि जनसुनवाई पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित होगी। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में भी इसी स्थान की जानकारी प्रसारित हुई। लेकिन जब शिकायतकर्ता अपनी समस्याएं लेकर पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे तो उन्हें पता चला कि जनसुनवाई वहां नहीं, बल्कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित की जा रही है। ऐसे में पहले से मिली सूचना के आधार पर पहुंचे फरियादियों को बिना सुनवाई के एक स्थान से दूसरे स्थान तक भटकना पड़ा। पहली ही जनसुनवाई में स्थान को लेकर बनी इस असमंजस की स्थिति ने पुलिस विभाग की सूचना व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए।



दरअसल, पुलिस ने आम नागरिकों को अपनी शिकायत और समस्याएं सीधे पुलिस अधीक्षक के सामने रखने का अवसर देने के लिए 10 नवंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित करने की जानकारी दी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता निर्धारित समय पर पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचने लगे, लेकिन वहां जनसुनवाई नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्हें एसपी कार्यालय का रुख करना पड़ा। पुलिस कंट्रोल रूम और एसपी कार्यालय के बीच स्थान परिवर्तन की जानकारी समय रहते सार्वजनिक नहीं किए जाने से लोगों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ी। सवाल यह है कि जब जनसुनवाई का स्थान बदल दिया गया था तो इसकी सूचना शिकायतकर्ताओं तक पहुंचाने की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? आम नागरिक अपनी समस्या लेकर पुलिस के पास पहुंचता है, ऐसे में कम से कम उसे सही स्थान और समय की जानकारी देना भी विभाग की जिम्मेदारी है। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस कक्ष में एसपी मलय जैन ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निलेश भार्गव और निहित उपाध्याय के साथ लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान करीब 15 से 20 आवेदन और शिकायतें सामने आईं। इनमें अधिकांश मामले पारिवारिक विवाद, आपसी शिकायतों और पुलिसकर्मियों अथवा पुलिस कार्यवाई से संबंधित रहे। एसपी ने शिकायतकर्ताओं की बात सुनी और संबंधित मामलों को लेकर जानकारी प्राप्त की। पहली जनसुनवाई होने के कारण लोगों में यह उम्मीद भी दिखाई दी कि अब उन्हें अपनी शिकायत लेकर अलग-अलग थानों और कार्यालयों के चक्कर काटने के बजाय सीधे पुलिस अधीक्षक के सामने पक्ष रखने का अवसर मिलेगा। जनसुनवाई में रजेगांव निवासी प्रकाश पैंदारीकर ने किरनापुर थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी सुनील बिसेने के खिलाफ शिकायत रखी। प्रकाश का आरोप है कि संबंधित पुलिसकर्मी ने एक अन्य आवेदक के साथ मिलकर उनके विरुद्ध झूठी शिकायत दर्ज कराई है। उनका यह भी आरोप है कि उनसे पांच हजार रुपये की मांग की जा रही है और राशि नहीं देने पर किसी अन्य प्रकरण में फंसाने की धमकी दी जा रही है। प्रकाश ने शिकायत में कहा कि लगातार परेशान किए जाने से वे मानसिक रूप से परेशान हैं और उन्हें न्याय की अपेक्षा है। हालांकि ये आरोप शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए हैं, जिनकी स्वतंत्र जांच होना बाकी है। इस मामले में किरनापुर थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी ने बताया कि प्रकाश पैंदारीकर के विरुद्ध थाने में अपराध दर्ज है और उसकी जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रकाश की ओर से पुलिसकर्मी के संबंध में कोई शिकायत की गई है तो उसकी भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है या नहीं और पुलिसकर्मी की भूमिका को लेकर वास्तविक स्थिति सामने आती है या नहीं।

## मार्डीकल गली में चल रहा था जुए का फड़, कोतवाली पुलिस की दबिश में सात जुआरी गिरफ्तार



पद्मेश न्यूज।बालाघाट। शहर में अवैध गतिविधियों और जुए के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है। मार्डीकल गली स्थित वार्ड क्रमांक 25 में एक मकान के पीछे में संचालित जुए के फड़ पर पुलिस ने दबिश देकर सात लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे और जुए के फड़ से कुल 1 लाख 56 हजार रुपए नकद तथा ताश के पत्ते जब्त किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई से जुआ खेलने वालों में हड़कंप मच गया। शहर के बीच मकान के पीछे में जुए का फड़ संचालित होने की सूचना ने एक बार फिर इस बात को सामने ला दिया है कि अवैध गतिविधियां किस तरह रिहायशी इलाकों तक पहुंच रही हैं।

पुलिस के अनुसार सोमवार को सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 25 में गुरमीत सिंह के मकान की छत पर बने पीछे में जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अजय गुर्जर को अवगत कराया गया। उन्होंने मामले की गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुए के फड़ पर दबिश दी। अचानक पुलिस को सामने देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पुलिस ने मौके से सात लोगों को पकड़ लिया। तलाशी और कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 82 हजार 100 रुपए तथा जुए के फड़ से 73 हजार 900 रुपए बरामद किए गए। इस तरह कुल 1 लाख 56 हजार रुपए की नकदी जब्त की गई। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों में तीन छिंदवाड़ा जिले के निवासी हैं। इनमें वसीम इमाम उम्र 38 वर्ष, चंगेज शमशेर खान उम्र 42 वर्ष और अमित चौरसिया उम्र 45 वर्ष शामिल हैं। इनके अलावा बालाघाट निवासी दीपक सोमानी उम्र 39 वर्ष, गुरमीत जुनेजा उम्र 52 वर्ष और गोविंदा वाधवानी तथा वारासिवनी निवासी धीरज रूसिया उम्र 50 वर्ष को भी जुआ खेलते पकड़ा गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, रामकिशोर पटले, आरक्षक प्रियांक श्रीवास, गजेंद्र यादव, शेख शहजाद और अजय उपाध्याय की अहम भूमिका रही। शहर में जुए और अन्य अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई को लेकर पुलिस की सख्ती का दावा लगातार किया जाता रहा है, लेकिन रिहायशी मकान के पीछे में जुए का फड़ संचालित होने की घटना कई सवाल भी खड़े करती है। आखिर ऐसे अड्डे कितने समय से संचालित हो रहे थे और क्या आसपास के लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी? फिलहाल पुलिस की दबिश में सात लोगों की गिरफ्तारी और नकदी की जब्ती हुई है। अब देखना होगा कि विवेचना के दौरान इस फड़ के संचालन से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा होता है या कार्रवाई केवल मौके पर पकड़े गए लोगों तक सीमित रह जाती है।

## खेत में पेड़ के नीचे मिला 70 वर्षीय वृद्ध का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव में खेत जाने के लिए घर से निकले 70 वर्षीय वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वृद्ध का शव पड़ोसी किसान के खेत में धान की फसल के बीच आंजन के पेड़ के नीचे बेसुध अवस्था में मिला। शुरुआत में मामला हत्या से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही थी लेकिन पुलिस एवं एफएसएल टीम की जांच में वृद्ध की मौत पेड़ से नीचे गिरने के कारण होना सामने आया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### सुबह खेत जाने निकले थे, शाम तक नहीं लौटे घर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक मंगल पंचेश्वर 70 वर्ष खेती-किसानी करते थे। उनके तीन बेटे हैं, जिनकी शादी हो चुकी है और सभी अलग-अलग रहते हैं। मंगल पंचेश्वर अपने छोटे बेटे शिवचरण के साथ रहते थे, जो इन दिनों मजदूरी के सिलसिले में बाहर गया हुआ है।

बताया गया कि शनिवार सुबह करीब 10 बजे मंगल पंचेश्वर साइकिल से अपने खेत में फैले पैरा को समेटने के लिए निकले थे। इसी दौरान उनका मंझला बेटा हरिशंकर भी मजदूरी के लिए घर से निकला था। शाम तक जब मंगल पंचेश्वर घर नहीं लौटे तो परिवार के लोगों ने सोचा कि वे गांव में कहीं बैठे होंगे, क्योंकि उन्हें अक्सर खेत से लौटते समय गांव में रुकने की आदत थी। शाम करीब 7 बजे हरिशंकर मजदूरी करके घर लौटा तो उसके बेटे सोनू पंचेश्वर ने बताया कि दादाजी सुबह खेत गए थे लेकिन अभी तक वापस नहीं आए हैं। इसके बाद हरिशंकर अपने परिवार के साथ उनकी तलाश में जुट गया। गांव में काफी खोजबीन के बाद जब उनका पता नहीं चला तो परिजन खेतों की ओर पहुंचे। वहां पड़ोसी कृषक किशोर बिसेने के खेत में धान की फसल के बीच आंजन के पेड़ के नीचे मंगल पंचेश्वर बेसुध हालत में पड़े मिले।

### पेड़ की शाखाएं काटते समय गिरने की आशंका

घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और वृद्ध को रामपायली के शासकीय अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआती स्थिति को देखते हुए वृद्ध की हत्या किए जाने की आशंका भी जताई जा रही थी। इसके बाद 8 नवंबर को रामपायली पुलिस एवं एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर पेड़ के नीचे मंगल पंचेश्वर की चप्पल और हँसिया मिली जबकि कुछ दूरी पर उनकी साइकिल खड़ी थी। वहीं आंजन के पेड़ की टूटी हुई शाखाएं भी आसपास पड़ी मिलीं। इन परिस्थितियों के आधार पर पुलिस ने संभावना जताई कि मंगल पंचेश्वर पेड़ की शाखाएं काट रहे होंगे और इसी दौरान पैर फिसलने से नीचे गिर गए होंगे, जिससे उनकी मौत हो गई।

### पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

8 नवंबर को रामपायली पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम करवाया और शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

## चने की फसल के नुकसान को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षआपस मे भिड़े, तीन घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम टेमनी में खेत से ट्रैक्टर ले जाने के दौरान चने की फसल को नुकसान पहुंचने की बात को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और हाथ-मुक्के चले, जिसमें दोनों पक्षों के तीन लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में कराया गया है। खैरलांजी पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर कुल पांच लोगों के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभम दमाहे अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का काम करते हैं। और उनके दादा उमेद दमाहे भी अपने परिवार के साथ खेती-शान करते हैं और दोनों के खेत आपस में लगे हुये हैं।ग्रानिवार की शाम करीब 4 बजे शुभम दमाहे अपने खेत से धान के बोझे ट्रैक्टर में भरकर घर ला रहे थे। इसी दौरान उनके छोटे दादा उमेद दमाहे भी खेत में मौजूद थे। बताया गया कि उमेद दमाहे के खेत में अधिक पानी भरा होने से ट्रैक्टर की ट्राली कीचड़ में फंसकर पलट गई। ट्रैक्टर को आगे-पीछे करने के दौरान उमेद दमाहे के खेत में लगी चने की फसल को नुकसान पहुंच गया।इसी बात को लेकर उमेद दमाहे ने शुभम दमाहे को गालियां देना शुरू कर दिया। शुभम ने दादा से गाली नहीं देने की बात कही और शांत होकर ट्रैक्टर में धान के बोझे लेकर घर चला गया।ग्राम करीब 6 बजे उमेद दमाहे अपने बेटे रंजीत दमाहे और सूर्यभान दमाहे के साथ चने की फसल के नुकसान को लेकर शुभम दमाहे को गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि तीनों ने शुभम के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई शुभम की पत्नी निकिता दमाहे के साथ भी अश्लील गालियां देकर हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई, जिससे निकिता के दाहिने पैर में चोटें आईं।इसके बाद विवाद और बढ़ गया और एक ही परिवार के दो पक्ष आमने-सामने हो गए। आरोप है कि शुभम दमाहे ने अपने पिता रमेश दमाहे के साथ मिलकर उमेद दमाहे को अश्लील गालियां देते हुए उभारी से वार कर दिया। उभारी का वार उमेद दमाहे के बाएं कंधे में लगने से वे घायल हो गए। दोनों पक्षों के बीच हो रही मारपीट को परिवार के अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्ष एक-दूसरे को जान से मार डालने की धमकी देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। इस मारपीट में उमेद दमाहे, शुभम दमाहे और उसकी पत्नी निकिता दमाहे चोटिल हुए हैं। जिनका इलाज खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में किया गया। खैरलांजी पुलिस ने उमेद दमाहे 61 वर्ष की रिपोर्ट पर रमेश दमाहे और उसके बेटे शुभम दमाहे तथा शुभम दमाहे 26 वर्ष की रिपोर्ट पर उमेद दमाहे, उसके बेटे रंजीत दमाहे और सूर्यभान दमाहे के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट करने और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## ग्राम गर्रा में होगा उत्तराखंड के राज्यपाल का भव्य नागरिक अभिनंदन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट।उत्तराखंड के नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेने के ग्राम गर्रा आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। 11 नवंबर को ग्राम पंचायत गर्रा परिसर में नागरिक अभिनंदन एवं राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल डॉ. बिसेने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) में चयनित अध्यर्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का भी सम्मान होगा।

आयोजन समिति एवं पंचार समाज जिला बालाघाट के विशाल बिसेने ने बताया कि राज्यपाल डॉ. बिसेने सुबह 11:30 बजे सिवनी स्थित अपने निज निवास से गर्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका निर्धारित मार्ग गोंगेऊआ, कटंगी एवं वारासिवनी होते हुए रहेगा और वे दोपहर 1 बजे सीधे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। गर्रा पंचायत परिसर में आगमन पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद राज्यपाल स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे तथा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ई-लाइब्रेरी का अवलोकन करेंगे। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम में शामिल होकर उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। गृह ग्राम में प्रदेश के एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर पहुंचने के बाद डॉ. बिसेने का यह आगमन स्थानीय नागरिकों और क्षेत्रवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है। आयोजन को यादगार बनाने के लिए समिति द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। विशाल बिसेने ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोपहर 12 बजे तक कार्यक्रम स्थल पहुंचने की अपील की है। समारोह को लेकर गर्रा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।

### दोपहर 12 बजे तक कार्यक्रम स्थल पहुंचने की अपील

आयोजन समिति एवं पंचार समाज जिला बालाघाट के विशाल बिसेने ने सभी आमंत्रित अतिथियों और नागरिकों से निर्धारित प्रोटोकॉल एवं समय का पालन करते हुए दोपहर 12 बजे तक कार्यक्रम स्थल गर्रा पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का ग्राम आगमन क्षेत्र के लिए गौरव का अवसर है और इस अवसर को गरिमापूर्ण बनाने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेने के आगमन और नागरिक अभिनंदन को लेकर गर्रा सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह बना हुआ है। अब 11 नवंबर को होने वाले इस आयोजन में क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान और राज्यपाल का नागरिक अभिनंदन मुख्य आकर्षण रहेगा। विशाल बिसेने ने उपस्थित रहने वाले सभी अतिथियों एवं नागरिकों से प्रोटोकॉल नियम अनुसार दोपहर 12 बजे तक कार्यक्रम स्थल पहुंचने की अपील की है।

## ट्रेन की चपेट में आने से 26 वर्षीय युवक गंभीर जिला अस्पताल में भर्ती

### दोस्तों के साथ घूमने निकला था युवक

### गड्डामोहल्ला-बोदा रोड नाले के पास हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के समीप बालाघाट-कटंगी रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक 26 वर्षीय युवक शेएव खान पिता नीशाद खान वार्ड नंबर 3 ताज नगर बालाघाट निवासी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। उसके साथ मौजूद दोस्तों ने तत्काल आंटो की मदद से उसे जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।



प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक सोहेब खान पेंटिंग का काम करता है। बताया गया कि 9 नवंबर की शाम करीब 5 बजे सोहेब अपने घर से घूमने-फिरने के लिए निकला था। घूमते हुए वह अपने दोस्तों के साथ गड्डामोहल्ला-बोदा रोड स्थित नाले की तरफ पहुंच गया। इसी दौरान कटंगी की ओर से बालाघाट आ रही ट्रेन की चपेट में सोहेब खान आ गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट लगने से वह घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। घटना के बाद उसके साथ मौजूद दोस्तों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बिना देर किए आंटो की व्यवस्था की और घायल सोहेब को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां उसका उपचार शुरू किया गया। हादसे की सूचना मिलने पर सोहेब के परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल युवक का अस्पताल में उपचार जारी है।

## ससुराल जाने के लिए घर से निकला युवक सड़क हादसे का शिकार

### यात्री बस और मोटरसाइकिल के बीच हुई भिढ़त में युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार की सुबह बालाघाट-बैहर मार्ग पर मोटरसाइकिल और एक यात्री बस के बीच हुई सीधी भिड़ंत में मोटरसाइकिल में सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।यह हादसा चिखलाझोड़ी और लौगुर के बीच आम गोलाई के पास हुआ। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की है।मंगलवार सुबह करीब 9 बजे स ?क हादसे का शिकार हुए युवक की शिनाख्त चिखलाझोड़ी निवासी 32 वर्षीय रोशन पिता सुदे लाल उइके के रूप में की गई है हालांकि यह हादसा किस यात्री बस से हुआ फिलहाल यह स्पष्ट नही हो पाया है जिसकी जांच पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।



### दीपावली की खुशियां मनाने नागपुर से घर आया था रोशन

प्राप्त जानकारी के अनुसार चिखलाझोड़ी निवासी रोशन उइके नागपुर स्थित एक प्लाई फेक्ट्री में काम करता था, जिसका एक बेटा भी है।बताया गया कि रोशन दीपावली पर्व की खुशियों में शामिल होने के लिए नागपुर से अपने घर चिखलाझोडी आया था।मंगलवार की सुबह वह थाना रुपझर बोदल बेहरा स्थित ससुराल जाने के लिए घर से निकला था।इससे पहले की वह ससुराल पहुचता ,मौत उस तक पहुच गई।जहां आम गोलाई के पास हुए सड़क हादसे में उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

### बालाघाट से सालेटेकरी जा रही यात्री बस के साथ हुई भिढ़त

प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशन मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 जेड 6339 से अपने ससुराल बोदल बेहरा जाने के लिए घर से निकला था।अभी वह आम गोलाई के पास पहुचा ही था कि बालाघाट से सालेटेकरी जा रही यात्री बस के साथ उसकी मोटरसाइकिल की सीधी भिढ़ंत हो गई।ठोस इतनी भयानक थी कि युवक मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया।जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।उधर मोटरसाइकिल सवार युवक की ठोस मारने के बाद बस चालक बस लेकर वहां से रवाना हो गया।

### मामले की जांच में जुटी पुलिस

हालांकि यह हादसा किस परिस्थिति में हुआ, इसकी वास्तविक वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है।उधर दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। इधर, 32 वर्षीय रोशन की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं गांव में शोक की लहर व्याप्त है

# आस-पास की खबरें

## लालबर्रा में 3 दिनों से लावारिस खड़ी संदिग्ध कार जप्त, पुलिस जांच में जुटी

**पद्मेश न्यूज. लालबर्रा।** नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड के सामने बालाघाट मार्ग स्थित होटल के सामने पिछले 3 दिनों से लावारिस हालत में



खड़ी एक संदिग्ध कार को पुलिस ने कब्जे में लेकर जप्ती की कार्यवाही की है। लगातार तीन दिनों तक वाहन का कोई दावेदार सामने न आने और क्षेत्र में संदेह फैलने के बाद पुलिस ने यह कदम उठाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा बस स्टैण्ड के सामने बालाघाट मार्ग स्थित शास्त्री मेडिकल के समीप स्थित हरशाद होटल के सामने एक कार बीते 3 दिनों से एक ही स्थान पर खड़ी थी। आसपास के दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों ने जब वाहन के चालक या मालिक की तलाश की तो कोई जानकारी नहीं मिल सकी। लावारिस अवस्था में खड़ी इस कार को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं और सुरक्षा को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी थी। वहीं गत तीन दिनों से एक ही स्थान पर लावारिस हालत में कार खड़ी रहने की जानकारी पुलिस की दी गई। इस मामले की सूचना पुलिस को दिये जाने पर लालबर्रा पुलिस टीम ने मैगलवार को मौके पर पहुँचकर स्थिति का मुआयना किया। आसपास के लोगों से पूछताछ और प्राथमिक जांच के बाद वाहन का कोई संतोषजनक सुराग न मिलने पर पुलिस ने कार को अपने कब्जे में लेते हुए जप्त कर लिया है जिसे थाने में खड़ा कर दिये है। वहीं पुलिस अब वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर और इंजन-चेसिस नंबर के आधार पर उसके वास्तविक मालिक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कार किसी अपराध से जुड़ी है या कहीं से चोरी कर यहां छोड़ी गई है। वही कार के नंबर के अनुसार मंडला जिले की कार बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वाहन मालिक की पहचान होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पायेगी।

# उमंग, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली का पर्व







## दीपों और आतिशबाजियों से जगमगाया क्षेत्र, माता लक्ष्मी की हुई विशेष पूजा

रिपोर्टर।
**पद्मेश न्यूज. लालबर्रा।**

**हिन्दू धर्मालंबियों का दीपों का उत्सव दीपावली का 5 दिवसीय पर्व धनतेरस पर्व के साथ प्रारंभ हो गया है और पर्व के तीसरे दिन कार्तिक अमावस्या के दिन खुशहाली, समृध्दि तथा अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व दीपावली लालबर्रा मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों क्षेत्र में 8 नवंबर को उमंग, उत्साह, धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर घरों व दुकानों में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश, माता लक्ष्मी जी, माता सरस्वती जी की शुभ मुहूर्त पर विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। साथ ही घर-घर दीप जले और विद्युत की साज स'जा से रोशनी की गई। साथ ही मकानों एवं दुकानों में जले दीपों से पूरा नगर मुख्यालय दीपों से जगमग नजर आया।**

### वहुंओर दीपोत्सव की रही धूम

दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा की तैयारियों में 8 नवंबर को प्रात:काल से ही बाजार में भारी भीड़-भाड़ रही। लोग माता लक्ष्मी-भगवान श्री गणेश-माता सरस्वती की प्रतिमायें, फोटो, दीया बत्ती, रूई, लाई बताशे, कमल, गेंदे के फूलों की माला, आम के पत्तों का तोरण, सजावट की सामग्री, पूजन सामग्री, नारियल, पटाखा एवं रंगोली आदि की खरीदी करते रहे। शाम होते ही नागरिकों ने अपने घरों में आम के पत्तों का तोरण, केले के पत्ते का बंदनवार, विविध रंगों की मनमोहक झालरें, लट्टू, आकाश दीप, सितारों की सजावट आदि सजाने-लगाने प्रारंभ कर दिये। जिसके पश्चात नये वस्त्र धारण कर घरों व दुकानों में पूजा मुहूर्त पर घर के बड़े-बुजुर्गों ने धन-वैभव की देवी माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की एवं आरती पश्चात मिठाई व प्रसाद का वितरण किया। साथ ही एक-दूसरे को दीपोत्सव पर्व की शुभकामनाएं दी और यह सिलसिला पूरी रात चलता रहा। वही लोगों ने एक दूसरे से मिलकर, फोन करके एवं वाटसअप-एसएमएस करके दीपावली पर्व की शुभकामनायें दी। साथ ही चहुंओर दीपोत्सव की धूम रही। वहीं लक्ष्मी पूजा के पश्चात चारों तरफ छोटे छोटे बच्चे और उनके परिवारजन अपने घरों के सामने तरह-तरह के पटाखों के साथ नजर आये। पर्व पर अपनी खुशियां जताते हुए एक ओर जहां छोटे बच्चों ने फुलझड़ियां जलाई। वहीं दूसरी ओर नवयुवकों ने बड़े पटाखे फोड़े और हवाई आतिशबाजियां को जिससे सारा आकाश जगमगा उठा। इस दौर से महिलायें भी अछूती नही रही उन्होंने भी अनारदानों एवं गोल फिरकियों से अपने आंगन व रंगोली की रौशन किया।

### रंगोली से सजे घर-आंगन, देव जगाने घर-घर पहुंचे अहिर

सुख समृध्दि का प्रतीक दीपावली पर्व पर खास आकर्षण होता है एवं घरों के आंगन में बिखेरे जाने वाले कलात्मक रंग अर्थात रंगोली। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व के तीसरे दिन लक्ष्मी पूजन के अवसर पर नगर की महिलाओं ने उत्साह से अपने घर के आंगन को सुन्दर-सुन्दर रंगोली से रंग दिया, रंगोली बनाने में युवती एवं महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी पूजा पर वर्षों से नगर में सुंदर एवं कलात्मक रंगोलियां उकेरी जाती है। इस मंगल अवसर पर युवतियों एवं महिलाओं ने अपनी काल्पनिक शक्ति के आधार पर मनोरम एवं रोचक रंगोलियों का प्रस्तुतिकरण किया जो नगर में चर्चा का विषय बना रहा। दीपावली पर्व के साथ ही अहीरों के नृत्य का सिलसिला प्रारंभ हो चुका है। दीपावली के दिन देव जगाने के लिए देर शाम अहीरों का जत्था प्रत्येक घरों में नाचते गाते हुए छहर लेकर पहुंचे, ऐ हई, ओ हऊ' जैसी आवाजें करते हुए बंडे पर मोरी(बनठुलसी) बांधे एवं पारंपरिक वेशभूषा धारण किये हुए अहीर मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार घर की शुध्दि एवं देवों की जागृति के लिए यह कार्य अहीरों के द्वारा किया जाता है जिसके बाद आने वाले ग्यारह दिनों तक दीपावली की खुशियां क्षेत्र में बिखरती नजर आयेगी।

# खमरिया में खिलाई गई गाय, मंडई का दौर हुआ शुरू

**पद्मेश न्यूज. खमरिया/लालबर्रा।** जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया में 10 नवंबर को दोपहर में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। वही गाय खिलावन के साथ ही मंडई



का दौर भी शुरू हो चुका है। दीपावली पर्व के पांचवे दिन खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित आखर चौक में खिल्या मुत्तिया देव की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गाय खिलावन की परंपरा का निर्वहन किया गया। आपको बता दे कि खमरिया क्षेत्र में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लक्ष्मीपूजन के दूसरे दिन 9 नवंबर को धार्मिक आस्थाओं के साथ गोवर्धन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सुबह हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा अपने-अपने मवेशियों को स्नान करवाकर रंग लगाये एवं नये दावा, खुड़ी व अन्य सामग्री पहनाकर सजाया गया। साथ ही युवती व महिलाओं के द्वारा आंगन में आकर्षक रंगोली उकेरी गई एवं गोबर से गोवर्धन भगवान बनाया गया जिसकी पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद मवेशियों का तिलक वंदन एवं पूजा अर्चना कर घरों में बने विभिन्न पकवानों का भोग लगाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दूसरे दिन 10 नवंबर को आखर चौक में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर ग्रामीणजन अपने मवेशियों को लेकर आखर चौक पहुंचे जहां अहिर, गोवारे, बिंझवार समाज के द्वारा गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। जिसके बाद ग्राम के नौनिहालों को रस्म निर्वहन हेतु उपयोग किये गये सूपे में लिटाकर भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद दिलवाया गया। गाय खिलावन के साथ ही मंडई का दौर भी खमरिया क्षेत्र में प्रारंभ हो चुका है।

# कुएं से मिला 56 वर्षीय व्यक्ति का शव, परिजनों में शोक की लहर

## धारावासी की घटना, पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

**पद्मेश न्यूज. लालबर्रा।** लालबर्रा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम धारावासी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां कुएं में डूबने से 56 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। वही मृतक की पहचान ग्राम धारावासी निवासी 56 वर्षीय सूरज नागेश्वर के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### शाम को घर से निकले थे सूरज

प्राप्त जानकारी के अनुसार धारावासी निवासी 56 वर्षीय सूरज नागेश्वर मजदूरी कार्य कर परिवार का पालन-पोषण करता था। सोमवार की शाम में सूरज घर से घूमने के लिए निकले थे। जब वे शाम 7 बजे तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों को उसकी चिंता हुई। उन्होंने आसपास और पूरे गांव में उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। जिसके बाद जब परिजन घर के सामने बने कुएं के पास पहुंचे और झांककर देखा तो कुएं के पानी में एक व्यक्ति का शव उतराता हुआ दिखाई दिया। पास जाकर देखने पर उसकी शिनाख्त सूरज नागेश्वर के रूप में हुई। वहीं कुएं में एक व्यक्ति की लाश मिलने की जानकारी लगते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद लालबर्रा पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की किन्तु रात हो जाने के कारण दूसरे दिन मंगलवार की सुबह पुलिस और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आये जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा



पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक सूरज नागेश्वर मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था, जिसके परिवार में पत्नि, तीन बेटे है, सोमवार की शाम में सूरज मकान के सामने स्थित कुएं के पास से गुजरते रहा होगा या फिर पानी के लिए गया तो तभी पैर अनियंत्रित होने से वे कुएं में गिर गया और पानी में डूबे रहने के कारण उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। फिलहाल लालबर्रा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### योजना का दिलवाया जायेगा लाभ - मनीष

दूरभाष पर चर्चा में धारावासी सरपंच प्रतिनिधि मनीष बडघरे ने बताया कि सूरज नागेश्वर मजदूरी कार्य करता था और सोमवार को वह घर पर ही था, शाम के समय घुमने निकला था, लेकिन शाम 7 बजे तक वह घर नही पहुंचा तो परिजनों को उसकी चिंता हुई, जिसके बाद ग्राम में पतासाजी की गई किन्तु कही कुछ पता नही चला। जिसके बाद उनके मकान के सामने स्थित कुएं के पास जाकर देखा गया तो वह कुएं के अंदर दिखाई दिया, जिसकी मौत हो चुकी थी, जिसकी सूचना पुलिस की दी गई। श्री बडघरे ने बताया कि कुएं में सूरज नागेश्वर कैसे गिरा पता नही, पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही मृतक परिवार का मुखिया था, जिसके परिवार की शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।

# अमोली और पनबिहरी में पारंपरिक श्रध्दा के साथ अदा की गई गाय खिलावन की रस्म

**पद्मेश न्यूज. लालबर्रा।** दिवाली पर्व के पांचवें दिन 10 नवंबर को ग्रामीण अंचलों में गोवंश के प्रति श्रध्दा और लोक संस्कृति का अनूठा पर्व 'गाय खिलावन' पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली, पनबिहरी, मानपुर, पांडरवानी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अहीर, गोवारे एवं बिंझवार समाज के तत्वाधान में देव जगाने के साथ रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हुए गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के कृषक और ग्रामीणजन अपने-अपने मवेशियों को लेकर गांव के मुख्य खिल्या मुतिया देव आखर चौक पर एकत्र हुए। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पारंपरिक विधियों के अनुसार 'आखर' बांधा गया। जिसके पश्चात अहीर एवं गोवारा समाज के बंधुओं ने पारंपरिक नृत्य व गायन के बीच विभिन्न व्यंजनों से तैयार भोज का भोग गौमाता को अर्पित किया, तत्पश्चात गाय के बछड़े की कंधे पर उठाकर परिक्रमा की गई तथा सूपे में लिटाकर गाय खिलाने की रस्म पूरी की गई।

### नौनिहालों को मिला भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद

गाय खिलावन की रस्म के इस क्रम में ग्राम के छोटे-छोटे नौनिहालों (बच्चों) को भी उसी सूपे में श्रध्दापूर्वक लिटाकर भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद दिलवाया गया। यादव समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपोत्सव पर्व के 5 वें दिन खिल्या मुतिया देव आखर चौक में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर ग्राम के कृषक बंधु अपने-अपने पशुओं को लेकर आखर चौक पहुंचे जहां अहीर, गोवारा, बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु द्वारा खिल्या मुतिया देव की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गाय के बछड़े को खिचड़ी खिलाकर सूपे में लिटाकर गाय खिलाने की रस्म



अदा की गई तत्पश्चात नौनिहाल बच्चों को सूपे में लिटाकर गोवर्धन भगवान का आशीर्वाद लिए एवं पशुधन, उन्नत फसल एवं कृषकों को सुख, समृध्दि की कामना की गई। चर्चा में पनबिहरी सरपंच विरेंद्र बनवाले ने बताया कि भारत देश में हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा दीपावली पर्व के 4 वें दिन गोवर्धन पर्व बड़े धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया एवं दूसरे दिन गाय खिलावन की रस्म अदा की जाती है। मंगलवार को छोटी पनबिहरी में खिल्या मुतिया देव की पूजा अर्चना कर गाय खिलाने की परंपरा का निर्वहन किया गया तत्पश्चात नौनिहाल बच्चों को सूपा पर लिटाकर उन्हे गोवर्धन भगवान का आशीर्वाद दिलवाया गया। इस अवसर पर अमोली, पनबिहरी, पांडरवानी में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सहित अहीर, गोवारे एवं बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### गया गोवर्धन पर्व

प्रतिवर्ष लक्ष्मीपूजन के दूसरे दिन गोवर्धन पर्व मनाया जाता था। इसी कड़ी में 9 नवंबर को सभी हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा धार्मिक आस्थाओं के साथ गोवर्धन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सुबह हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा अपने मवेशियों को स्नान करवाकर रंग लगाये एवं नये दावा, खुड़ी व अन्य सामग्री पहनाकर सजाया गया। साथ ही युवती एवं महिलाओं के द्वारा आंगन में आकर्षक रंगोली उकेरी गई एवं गोबर से गोवर्धन भगवान बनाया गया। जिसकी पूजा अर्चना की गई जिसके बाद मवेशियों का तिलक वंदन एवं पूजा अर्चना कर घरों में बने विभिन्न पकवानों का भोग लगाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किये।

### आस्थापूर्वक मनाया

# पानी की केन मांगने पर अग्निशमन यंत्र से हमला, पीड़ित लहुलुहान

**पद्मेश न्यूज. लालबर्रा।** नगर मुख्यालय के बीचों-बीच शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान में एक पटाखा दुकान पर पानी की कैन के लेन-देन को लेकर उपजे विवाद ने तूल पकड़ लिया। आरोप है कि पटाखा दुकान में बैठे युवक और उसके भाई ने मिनरल वाटर का काम करने वाले अमोली निवासी कुलदीप मानेश्वर एवं उसके छोटे भाई के साथ गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों और फायर एक्स्टिंग्विशर (अग्निशमन यंत्र) से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने पीड़ित कुलदीप मानेश्वर की रिपोर्ट पर दक्ष अग्रवाल, निशीकांत अग्रवाल के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी कुलदीप मानेश्वर जो कि मिनरल वाटर आर.ओ का काम करता है, 9 नवंबर की शाम करीब 6.30 बजे अपने छोटे भाई आर्यन मानेश्वर के साथ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में लगी दक्ष अग्रवाल की पटाखा दुकान पर गया था। प्रार्थी का आरोप है कि वह पिछले दो दिनों से दुकान पर पानी की केन दे रहा था, पानी की केन मांगने पर दक्ष भड़क गया और गंदी गाली-गलौज करने लगा, जिस पर उसने उसे गाली देने से मना किया तो उसके साथ दुर्व्यवहार करते हुए मारपीट करने लगा। इसी दौरान वहां निशीकांत अग्रवाल भी आ गया और उसने भी प्रार्थी के साथ मारपीट की। तभी प्रार्थी का छोटा भाई आर्यन बीच-बचाव करने आया तो आरोपियों ने पास में रखे फायर (अग्निशमन यंत्र) से उस पर हमला कर दिया। इस हमले से आर्यन की नाक में चोटें आई है। साथ ही आरोपियों ने प्रार्थी सहित उसके छोटे भाई को जान से मारने की धमकी दी है। वहीं घटना घटित होने के बाद प्रार्थी घाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी दक्ष अग्रवाल, निशीकांत अग्रवाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 296 (बी), 3 (5), 351 (2) के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की विवेचना में जुट गये है। वहीं पीडितों ने पुलिस प्रशासन से उनके साथ मारपीट करने वाले व्यक्तियों पर स रु ख क ार्य वा ही क र न की मांग की है।

**इनक ार**

**कहना है-**

लालबर्रा के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पटाखों की दुकानें लगी थी और अमोली निवासी कुलदीप मानेश्वर मिनरल वाटर आर.ओ. का काम करता है, जिसने पटाखे दुकानों में पानी की केन दिया है। जो सोमवार को शाम 6.30 बजे दक्ष अग्रवाल के दुकान में पानी की केन मांगने गया था, तभी उनके साथ दक्ष और निशीकांत अग्रवाल ने मारपीट की है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर मारपीट करने वाले दोनों युवकों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द किया है एवं मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

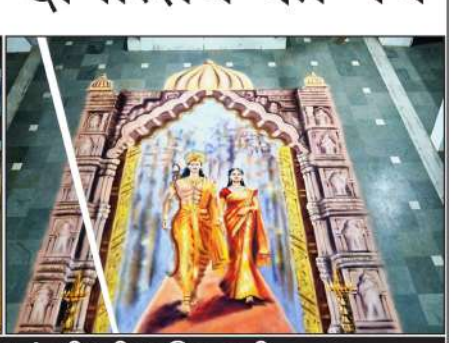
**सुश्री वैशाली उइके**
**प्रभारी थाना प्रभारी**
**थाना - लालबर्रा।**



# हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव का पर्व







## घर आंगन दीपों और आकर्षक रंगोलियों से हुए रोशन,देर रात तक गूंजती रही आतिशबाजी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

**हिन्दू धर्मावलंबियों का पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व धनतेरस के साथ प्रारंभ होकर पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में पर्व के तीसरे दिन रविवार को नगर सहित ग्रामीण अंचलों में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या की रात्रि में धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में विधि विधान के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर नगर का वातावरण पूरी तरह दीपोत्सव के रंग में रंगा नजर आया। लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।**

### घर-घर हुई मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना

दीपावली के अवसर पर नगर में सुबह से ही पर्व को लेकर उत्साह दिखाई देने लगा था। लोगों ने अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों की साफ सफाई कर आकर्षक सजावट की तथा पूजन की तैयारियां कीं। शाम होते ही घरों और दुकानों में दीपक एवं आकर्षक विद्युत झालरों से रोशनी की गई। इसके पश्चात शुभ मुहूर्त में विधि विधान के साथ मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख,समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। नगर के मुख्य मार्गों से लेकर गली मोहल्लों तक घरों और प्रतिष्ठानों में दीपों की जगमगाहट देखने को मिली। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित हर आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक दीपावली मनाई। पूजा अर्चना के बाद लोगों ने मिठाइयां बांटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया और पर्व की खुशियां साझा कीं।

### उत्साह के साथ हर वर्ग ने मनाया पर्व

दीपावली को लेकर नगर में विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने अपने घरों को आकर्षक विद्युत सजावट, दीपमालाओं और विभिन्न प्रकार की सजावटी सामग्री से सजाया। घरों के प्रवेश द्वारों पर तोरण लगाए गए तथा आंगन में आकर्षक रंगोलियां बनाकर पर्व की सुंदरता को और बढ़ाया गया। नगर के प्रत्येक वार्ड में अलग अलग अंदाज में दीपोत्सव की खुशियां मनाई गईं। धार्मिक आस्था के साथ साथ सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का भी सुंदर वातावरण देखने को मिला।

### बाजारों में रही रौनक, दुकानों पर उमड़ी भीड़

पांच दिवसीय दीपोत्सव के तीसरे दिन लक्ष्मी पूजन के अवसर पर नगर के बाजारों में भी अच्छी चहल पहल रही। कपड़ा, बर्तन, सराफा, मिठाई, मनिहारी एवं सजावटी सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। लोगों ने अपनी जरूरत और परंपरा के अनुसार खरीदारी की। वहीं वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम परिसर में लगाई गई पटाखा दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिली। बच्चों से लेकर युवाओं और परिवारों ने अपनी पसंद के पटाखों की खरीदारी की। बाजारों में देर शाम तक रौनक बनी रही।

### आकर्षक रंगोलियों ने मोहा मन, जैन भवन की रंगोली बनी आकर्षण

दीपावली पर्व पर घर आंगन में बनाई जाने वाली रंगोलियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर की महिलाओं एवं युवतियों ने अपने घरों के आंगन और प्रवेश द्वार पर विभिन्न रंगों से मनमोहक एवं कलात्मक रंगोलियां उकेरीं। रंगोली बनाने को लेकर महिलाओं और युवतियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कहीं पारंपरिक डिजाइन तो कहीं देवी.देवताओं एवं धार्मिक प्रसंगों पर आधारित रंगोलियां सजाई गईं। इस दौरान जैन भवन में तैयार की गई विशाल एवं आकर्षक रंगोली विशेष चर्चा का विषय रही। कलाकार के द्वारा कड़ी मेहनत और कलात्मक कौशल से तैयार इस रंगोली में अयोध्या नगरी के द्वार से निकलते भगवान श्रीराम एवं माता सीता का सुंदर चित्रण किया गया था। रंगों के बेहतरीन संयोजन और बारीक कलाकारी से सजी इस रंगोली को देखने के लिए लोगों में विशेष उत्सुकता रही। यह रंगोली नगरवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रही।

### देर रात तक होती रही आतिशबाजी

मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना के उपरांत नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। आसमान में रंग.बिरंगी रोशनी बिखेरते पटाखों और आतिशबाजी से पूरा वातावरण दीपावली के उल्लास में सराबोर नजर आया। गली मोहल्लों, चौक.चौराहों और खुले स्थानों पर बच्चों एवं युवाओं ने पटाखे जलाकर पर्व का आनंद लिया। वहीं युवाओं की टोलियां नगर के विभिन्न चौराहों पर आतिशबाजी करती दिखाई दीं। देर रात तक पटाखों की गूंज और आसमान में बिखरती रंगीन रोशनी ने दीपोत्सव की खुशियों को और भी खास बना दिया। इस प्रकार नगर सहित पूरे क्षेत्र में दीपावली का पर्व परंपरागत श्रद्धा,उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

## डोंगरमाली में 14 नवंबर को होगा आदर्श मंडई का आयोजन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक मंडई मेलों का सिलसिला प्रारंभ हो चुका है। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम डोंगरमाली में आदर्श मंडई समिति के तत्वावधान में आगामी 14 नवंबर 2026 को आदर्श मंडई का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समिति के द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। मंडई में क्षेत्रवासियों के मनोरंजन के लिए दो डंडार मंडलियों के बीच जोरदार मुकाबला आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजित कार्यक्रम में श्री जय बजरंग डंडार समिति भैंडारा एवं नवयुवक डंडार मंडल देवीटोला नवगांव.3 के कलाकार अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियां देंगे। दोनों मंडलियों के बीच डंडार की जंगी मुकाबला देखने को मिलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता लियाकत अली मुशा पटेल करेंगे, जबकि विशेष अतिथि ग्राम पंचायत डोंगरमाली सरपंच मनीज लिल्हारे उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है। मंडई समिति के अध्यक्ष सैफ अली खान पटेल एवं मंच प्रभारी हनेश भगत सहित समिति के पदाधिकारी और सदस्य ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पारंपरिक मंडई एवं डंडार मुकाबले का आनंद लेने और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

## खैरलांजी में दीपावली पर्व पर मनाया गया बैल जोड़ी पोला पर्व

**पद्मेश न्यूज। खैरलांजी।** दीपावली के पावन अवसर पर ग्राम खैरलांजी में पारंपरिक बैल जोड़ी पोला पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीण बुधराम बहेटवार के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा.अर्चना कर पोला पर्व की आरती निकाली गई। इसके बाद सजी धजी बैल जोड़ियों को ग्राम पंचायत खैरलांजी के समीप लाया गया जहां सभी बैल जोड़ियों की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात परंपरागत रूप से बैल जोड़ी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में परमानंद बहेटवार की बैल जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। प्रथम पुरस्कार के रूप में आयोजक बुधराम बहेटवार के द्वारा विजेता परमानंद बहेटवार को रेंजर साइकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे, बुधराम बहेटवार, राजकुमार नगपुरे,रमेश रनगीरे, मदनलाल बनोटे, मुकेश दमाहे, ईशु बहेटवार, सदन मचाडे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# श्रीराम मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा पर्व

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** नगर के प्राचीन एवं प्रसिद्ध श्रीराम मंदिर में 10 नवंबर को अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा पर्व श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। दीपावली के चौथे दिन आयोजित इस पारंपरिक धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान श्रीराम के दर्शन कर अन्नकूट रूपी महाप्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया। सुबह से देर शाम तक मंदिर परिसर में भक्तों की आवाजाही बनी रही और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। विदित है कि श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली के दूसरे दिन अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें नगर के सभी वर्गों के लोग बढ़.चढ़कर सहभागिता करते हैं। हजारों लोगों के एक साथ बैठकर भोजन रूपी महाप्रसाद ग्रहण करने की यह परंपरा सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सामूहिक सद्भाव का संदेश देती है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के माध्यम से और परस्पर सहयोग की मिसाल भी प्रस्तुत कर रहा है। आयोजन के संबंध में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम प्रभु एवं हनुमान की विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना के साथ किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया गया। इसके पश्चात भगवान की महाआरती संपन्न हुई और श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया। मंदिर परिसर में दिनभर प्रसाद वितरण का क्रम चलता रहा जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन के दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली अपने कार्यकर्ताओं के साथ भगवान श्रीराम के दर्शन करने मंदिर पहुंचे। सभी ने भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित रहे।



श्रीराम मंदिर ना केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है बल्कि सामाजिक एकता

# गाय खिलावन की परंपरा निभाकर गोवारी समाज ने की गोवर्धन पूजा

## डार जगाकर किया ग्राम भ्रमण, पारंपरिक नृत्य बना आकर्षण का केंद्र

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व के समापन के साथ ही क्षेत्र में पारंपरिक मंडई मेलों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ मनाए जाने वाले इन आयोजनों की शुरुआत गाय खिलावन की रस्म से होती है। इसी परंपरा के तहत 10 नवंबर को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गोवारी समाज के लोगों ने विधि विधान के साथ गाय खिलावन की रस्म अदा कर गोवर्धन पूजा की। इसके साथ ही क्षेत्र में मंडई मेलों के आयोजन का आगाज हो गया है। इस दौरान विभिन स्थानों पर समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति रिवाजों का निर्वहन करते हुए पूजा अर्चना की और एक दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

### डार जगाकर निभाई जाती है सदियों पुरानी परंपरा

दीपावली के पंचपर्व के समापन और गोवर्धन पूजा के बाद ग्वालवंशियों के द्वारा विशेष धार्मिक परंपरा के तहत डार जगाई जाती है। इसके लिए मोर पंखों से सुसज्जित एक विशेष डार तैयार की जाती है जिसे गमछे के सहारे ढाल का स्वरूप दिया जाता है। मान्यता के अनुसार रात्रि के चौथे पहर में ग्वालों की टोली अचानक गीवंश के सहन में पहुंचती है और विशेष प्रकार की आवाज लगाते हैं। इस आवाज से गीवंश अचानक उठ खड़ा होता है। इसी परंपरागत प्रक्रिया को डार जगाना कहा जाता है. डार जगाने के बाद ग्वालवंशियों की टोली ग्राम भ्रमण करते हुए निर्धारित देवस्थलों तक पहुंचती है जहां पूजा अर्चना के साथ गाय खिलावन की रस्म पूरी की जाती है।

### वारा माता मंदिर परिसर में विधि विधान से हुई गाय खिलावन

ग्राम पंचायत वारा स्थित माता मंदिर परिसर के खिल्ल्या मुल्या देव स्थल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप गाय खिलावन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत देवस्थल पर विशेष पूजा अर्चना और भगवान श्रीकृष्ण की आरती के साथ हुई। इसके बाद गोवारी समाज के लोगों ने पारंपरिक डार के साथ ग्राम भ्रमण किया और देवस्थल पहुंचकर विधि विधान से पूजा संपन्न की। समाज के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी पहले डार निकालकर ग्राम भ्रमण किया गया। इसके बाद खिल्ल्या मुल्या देव परिसर में देवताओं की पूजा अर्चना कर गाय को खिचड़ी खिलाकर भोग लगाया गया। गोवर्धन का स्वरूप तैयार कर उस पर गाय को चलवाते हुए गाय खिलावन की रस्म पूरी की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण जनप्रतिनिधि और समाज के बंधु उपस्थित रहे।

### गोवारी समाज सेवा समिति ने भी की पूजा अर्चना

नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित खिल्ल्या मुल्या देव स्थल पर गोवारी समाज सेवा समिति के सदस्यों ने भी सामूहिक रूप से गाय खिलावन की रस्म अदा की। इस अवसर पर समाज के लोग पारंपरिक रूप से सुसज्जित डार लेकर देवस्थल पहुंचे। यहां विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद गोवर पे गोवर्धन का स्वरूप तैयार किया गया। परंपरा के अनुसार गाय के द्वारा गोवर्धन के स्वरूप को रौंदने की रस्म पूरी की गई। इसके बाद बच्चों को गोबर पर लिटाकर उनका तिलक किया गया वहीं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का भी गोबर से तिलक शुभकामनाएं दी। समिति के सदस्यों ने बताया कि डार का पारंपरिक भ्रमण करवाने के बाद खिल्ल्या मुल्या देव की पूजा की गई और परिसर में गोवर्धन का स्वरूप बनाकर गाय खिलावन की रस्म निभाई गई। यह परंपरा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार जब इंद्रदेव ने अत्यधिक वर्षा की थी तब भगवान श्रीकृष्ण ने ग्रामीणों और गीवंश की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाया था। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा प्रचलित हुई जिसका समाज के द्वारा प्रतिवर्ष श्रद्धा के साथ निर्वहन किया जाता है।



### सिकंद्रा में भी निभाई गई गाय खिलावन की रस्म

ग्राम पंचायत सिकंद्रा में भी गोवारी समाज के द्वारा धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप गाय खिलावन का आयोजन किया गया। ग्राम के पटेल टोला स्थित आखर मैदान में खिल्ल्या मुठिया देव की विशेष पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ ग्राम भ्रमण किया गया। ग्राम भ्रमण के बाद समाज के सदस्य आखर मैदान पहुंचे जहां भगवान गोवर्धन का प्रतीकात्मक स्वरूप तैयार कर गाय खिलावन की रस्म पूरी की गई। इस दौरान गाय के बछड़े को गोवर्धन के प्रतीकात्मक स्वरूप पर चलवाने की परंपरा निभाई गई। पूजा अर्चना के बाद उपस्थित समाजजनों ने गोवर्धन के गोबर का तिलक लगाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। आयोजन में बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु, जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

### पारंपरिक नृत्य और शायरी ने बांधा समां

गाय खिलावन के आयोजनों के दौरान गोवारी समाज के ग्वालवंशियों का पारंपरिक नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा और मोर पंखों से सुसज्जित होकर बाजे गाजे के साथ नृत्य किया। इस दौरान पारंपरिक शायरी और लोकगीतों की प्रस्तुति ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। गाय खिलावन की रस्म के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई मेलों की गतिविधियां तेज हो जाती हैं। प्रत्येक गांव में मंडई आयोजन की अपनी अलग तिथि निर्धारित होती है जिसकी शुरुआत ग्राम प्रमुख की उपस्थिति में की जाती है।

## खैरलांजी में परंपरागत रूप से संपन्न हुई खिलामुठिया गोवर्धन पूजा

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** दीपावली पर्व के अवसर पर खैरलांजी में गोवारी समाज के द्वारा वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए पारंपरिक खिलामुठिया गोवर्धन पूजा एवं गायों को खिलाने का कार्यक्रम श्रद्धा भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न किया गया। इस आयोजन में समाजजनों ने अपनी धार्मिक आस्था के साथ साथ पूर्वजों से मिली सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा। कार्यक्रम में गोवारी समाज के सभी सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्ण के पोतांबर स्वरूप से प्रेरित होकर पीले वस्त्र धारण किए तथा गले में कौडियों की माला पहनकर पारंपरिक वेशभूषा में सहभागिता निभाई। आयोजन की शुरुआत राजेंद्र साहारे के निवास स्थान से पारंपरिक रूप से डार निकालकर की गई। इसके पश्चात खिलामुठिया पूजन किया गया और विधि विधान से गायों को खिलाने की रस्म पूरी की गई। इस दौरान ग्रामीणजनों ने भी अपने अपने गायों को गौठान के समीप लाकर इस धार्मिक परंपरा में सहभागिता निभाई। विशेष बात यह रही कि छोटे.छोटे बच्चों को भी खिलामुठिया के पास ले जाकर इस परंपरा से परिचित कराया गया। ताकि नई पीढ़ी अपनी संस्कृति, रीति रिवाज और पूर्वजों की विरासत को समझ सके। दीपावली के अवसर पर गोवर्धन पूजा का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व माना जाता है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा गोवर्धन पर्वत की पूजा और गौवंश के प्रति सम्मान का संदेश देता है। समाज के द्वारा निभाई जा रही यह परंपरा पशुधन के संरक्षण, सम्मान और ग्रामीण संस्कृति से जुड़ाव का प्रतीक है। इस संबंध में राजेंद्र साहारे ने बताया कि खिलामुठिया पूजा एवं गायों को खिलाने की परंपरा हमारे पूर्वजों के समय से निरंतर चली आ रही है। समाज के सभी लोग एकजुट होकर प्रतिवर्ष इस परंपरा का निर्वहन करते हैं और आने वाले समय में भी इसी तरह जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि गोवारी एकता संगठन खैरलांजी के माध्यम से समाज के लोगों ने एकजुट होकर इस पारंपरिक आयोजन को सफल बनाया। इस दौरान राजेंद्र साहारे, मनोहर राऊत, दिनेश राऊत, अतुल साहारे, राहुल राऊत, अरूप राऊत, कृष्ण चापाडे, मदन चापाडे, दद्दू कोहरे, नरेंद्र राऊत, जितेंद्र राऊत, मंगराया पप्पू राऊत सहित गोवारी समाज के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



# राम मंदिर की दहलीज पर अखिलेश की दस्तक

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या और श्रीराम मंदिर का मुद्दा एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी एवं सांसद डिंपल यादव के साथ 12 दिसंबर को अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन करने की घोषणा की है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह उनका पहला दर्शन होगा। इस घोषणा के साथ ही प्रदेश की राजनीति में एक नई बहस शुरू हो गई है कि आखिर अखिलेश यादव को अब अयोध्या की याद क्यों आई? अयोध्या केवल एक धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। वर्षों के संघर्ष और लंबे न्यायिक विवाद के बाद यहां भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहचान विश्व स्तर पर स्थापित हुई। देश-विदेश से श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर निर्माण ने भारतीय संस्कृति, आस्था और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान दी है। लेकिन इस ऐतिहासिक घटनाक्रम के बीच समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंदिर से दूरी लगातार राजनीतिक चर्चा का विषय बनी रही। भारतीय जनता पार्टी के नेता इस मुद्दे पर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी को घेरते रहे हैं। भाजपा का आरोप रहा है कि समाजवादी पार्टी ने अपने राजनीतिक समीकरणों के कारण राम मंदिर आंदोलन और हिंदुत्व के मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाने से परहेज किया। दूसरी ओर अखिलेश यादव भाजपा पर धर्म के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना रहा है कि धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है और राजनीति में इसका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इस पूरे विवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वर्ष 1990 की अयोध्या की घटना से जुड़ी है। उस समय उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान अयोध्या पहुंचे कारसेवकों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। इस घटना ने देश की राजनीति पर गहरा प्रभाव डाला। भाजपा और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े संगठन आज भी इस घटना को समाजवादी पार्टी के राजनीतिक इतिहास से जोड़कर उठाते हैं। मुलायम सिंह यादव के उस समय के फैसले को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद और आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के अवसर पर अखिलेश यादव की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि रामभक्तों और संतों पर लाठीचार्ज तथा कारसेवकों पर गोली चलाने वालों को अयोध्या आने से पहले रामभक्तों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम दयालु हैं और सभी को क्षमा कर देते हैं, लेकिन सत्ता का अहंकार समाप्त करने में भी देर नहीं लगाते। मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को समाजवादी पार्टी की ओर संकेत माना गया। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी इस यात्रा को धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत श्रद्धा से जोड़कर देख रही है। पार्टी की ओर से बताया गया है कि अखिलेश यादव परिवार के साथ पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन करेंगे और फिर रामलला के दरबार में पहुंचेंगे। अयोध्या के संतों से मुलाकात और उनका आशीर्वाद लेने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। अखिलेश यादव पहले भी कह चुके हैं कि वे इटावा में समाजवादी पार्टी की ओर से बनवाए जा रहे केदारेश्वर धाम के निर्माण के बाद राम मंदिर जाएंगे। अब उनकी यात्रा की तारीख घोषित होने के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में अखिलेश यादव की अयोध्या यात्रा को चुनावी परिस्थितियों से अलग करके देखना आसान नहीं है। प्रदेश में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार जारी है।

# एसबीआई-सेबी की रिपोर्ट ने बज़ट 2027 के लिए खोला नया आर्थिक द्वार!

वैश्विक स्तरपर भारत का शेयर बाजार इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां वैश्विक युद्ध, कच्चे तेल की महंगाई, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और पूंजीगत लाभ कर का बोझ एक साथ बाजार की दिशा तय कर रहे हैं। ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में फिर से पैसा लगाएंगे या नहीं, बल्कि यह भी है कि क्या भारत अपनी कर-व्यवस्था में ऐसा बदलाव कर सकता है, जिससे घरेलू निवेशकों का भरोसा मजबूत हो और वैश्विक पूंजी के लिए भारतीय बाजार अधिक आकर्षक बने। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि इस बहस के केंद्र में तीन महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं,12 अक्टूबर की एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट, 2 नवंबर को सामने आया सेबी का प्रस्ताव और वित्तमंत्री की निवेशकों की चिंताओं पर विचार करने की घोषणा। इन घटनाक्रमों ने आगामी 1 फरवरी 2027 के केंद्रीय बजट में एलटीसीजी कर सुधार की संभावनाओं को नई गति दी है।

साथियों बात अगर हम युद्ध, महंगा कच्चा तेल और भारतीय बाजार की दोहरी चुनौती को समझने समझें तो 3 नवंबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 104-107 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्लूटीआई का भाव लगभग 96-98 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री परिवहन की अनिश्चितता तथा पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल बाजार में जोखिम प्रीमियम बना हुआ है।भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगा कच्चा तेल केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों का प्रश्न नहीं है।इससे आयात बिल, चालू खाते का घाटा, रुपये की विनिमय दर,महंगाई और कंपनियों की उत्पादन लागत प्रभावित होती है।डॉलर के मुकाबले रुपये का 94.97 तक कमजोर होना भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाता है।वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच भारतीय शेयर बाजार पर दबाव के प्रमुख कारण हैं महंगा तेल, विदेशी पूंजी का बाहर जाना, रुपये की कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल और भारतीय शेयरों का तुलनात्मक मूल्यांकन। रिटर्स के अनुसार, 2026 में विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयरों में शुद्ध बिकवाली लगभग 31 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। वहीं, घरेलू बाजार के प्रदर्शन ने उभरते बाजारों के कई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कमजोर परिणाम दिए हैं। इस परिस्थिति में सरकार और बाजार नियामक के सामने चुनौती है कि वे निवेशकों का विश्वास लौटाएं, लेकिन ऐसा करते हुए राजकोषीय अनुशासन और घरेलू निवेशकों के हितों से समझौता न करें। साथियों बात अगर हम एलटीसीजी टैक्स-निवेश आकर्षित करने की नई रणनीति को समझने की करें तो भारत में सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों और इक्विटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों को सामान्यत: 12 महीने से अधिक रखने पर होने वाला लाभ दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ माना जाता है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार वित्त वर्ष में रू1.25 लाख तक के पात्र लाभ पर छूट है और इससे अधिक लाभ पर 12.5 प्रतिशत कर लगता है। एक वर्ष या उससे कम समय में बेचे गए पात्र शेयरों पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ की दर 20 प्रतिशत है।इसके अतिरिक्त सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स और लाभांश पर लागू कर भी निवेश की कुल लागत को प्रभावित करते हैं।विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की चिंता यह है कि भारत में निवेश करने पर कर और लेनदेन की लागत कई प्रतिस्पर्धी बाजारों की तुलना में अधिक हो सकती है। इसलिए, एलटीसीजी कर में राहत मिलने से निवेश का कर-पश्चात प्रतिफल बढ़ सकता है और भारतीय बाजार की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बेहतर हो सकती है।हालांकि, कर में राहत अपने आप विदेशी निवेश की गारंटी नहीं है। निवेशक कंपनियों की आय, आर्थिक विकास, रुपये की स्थिरता, बाजार मूल्यांकन और वैश्विक ब्याज दरों को भी ध्यान में रखते हैं। साथियों बात अगर हम एसबीआई रिसर्च की 12 अक्टूबर की रिपोर्ट- लंबी अवधि के निवेश को प्रोत्साहन एसबीआई रिसर्च ने 12 अक्टूबर 2026 की अपनी एकराप रिपोर्ट में इक्विटी पर एलटीसी ?ी कर समाप्त करने और निवेश की अवधि को दो से तीन वर्ष तक बढ़ाकर दीर्घकालिक पूंजी को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। रिपोर्ट का उद्देश्य अस्थिर विदेशी पूंजी को अधिक स्थायी निवेश में बदलना और बाजार में भरोसा मजबूत करना था। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, 2025 और 2026 में विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भारतीय बाजार और रुपये पर दबाव बढ़ाया है। रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि सरकार को केवल बाजार में पूंजी आने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जिनसे निवेशक लंबे समय तक बाजार में बने रहें।यह प्रस्ताव एक व्यापक आर्थिक विचार पर आधारित है- यदि दीर्घकालिक निवेश पर कर का बोझ कम किया जाए, तो निवेशक बार-बार खरीद-बिक्री करने के बजाय अधिक समय तक निवेश बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। साथियों बात अगर हम एसबीआई रिसर्च की पांच प्रमुख कर-सुधार सिफारिशों को समझने की करें तो एसबी आई रिसर्च की 2 नवंबर 2026 की एकराप रिपोर्ट ने पूंजीगत लाभ कर व्यवस्था में पांच प्रमुख सुधार सुझाए। ये सुझाव 12 अक्टूबर की एलटीसीजी समाप्त करने की मांग को अधिक विस्तृत कर-नीति ढांचे में आगे बढ़ाते हैं। एलटीसीजी छूट सीमा रू1.25 लाख से बढ़ाकर रू2 लाख करना-रिपोर्ट ने छूट सीमा को महंगाई से जोड़ने का सुझाव दिया, ताकि समय के साथ निवेशकों को वास्तविक राहत मिल सके।लंबी अवधि के निवेश पर कम कर- एक से दो वर्ष तक निवेश रखने पर 12.5 प्रतिशत कर जारी रखने, दो से तीन वर्ष तक रखने पर 5 प्रतिशत और तीन वर्ष से अधिक रखने पर शून्य एलटीसीजी कर का प्रस्ताव दिया गया।म्यूचुअल फंड में पुनर्निवेश पर कर स्थगन- यदि निवेशक एक पात्र इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालकर 90 दिनों के भीतर दूसरे पात्र इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करता है, तो एलटीसी ?ी कर को आनुपातिक रूप से स्थगित करने का सुझाव दिया गया।गया।एसटीटी में 50प्रतिशत वृद्धि- संभावित एलटीसीजी राजस्व हानि की भरपाई के लिए सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स बढ़ाने का सुझाव दिया गया। रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार इससे वित्तवर्ष 28 में लगभग ?45,000 करोड़ अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है।पूंजीगत लाभ कर की व्यापक समीक्षा- रिपोर्ट ने एलटीसी ?ी कर पूरी तरह समाप्त करने की संभावना पर भी विचार किया, ताकि बाजार में निवेश और कारोबार बढ़े तथा दीर्घकालिक पूंजी आकर्षित हो।रिपोर्ट में एसटीटी की प्रस्तावित वृद्धि के अंतर्गत इक्विटी डिलीवरी पर दर 0.10 प्रतिशत से 0.15 प्रतिशत फ्यूचर्स पर 0.05 प्रतिशत से 0.075प्रतिशत और ऑप्शंस पर 0.15 प्रतिशत से 0.225 प्रतिशत करने का सुझाव भी शामिल है। साथियों बात अगर हम क्या सरकार रू50,000 करोड़ का राजस्व छोड़ सकती है ?इसको समझने की करें तो यह इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय प्रश्न है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि एलटीसीजी कर पूरी तरह समाप्त करने से वित्तवर्ष28 में लगभग रू 40,000-50,000 करोड़ की राजस्व कमी हो सकती है, जो जीडीपी का लगभग 0.1-0.2 प्रतिशत है। रिपोर्ट का मत है कि सरकार अपने राजकोषीय ढांचे में इस कमी को समायोजित कर सकती है। इसके पीछे रिपोर्ट का तर्क है कि वित्त वर्ष 25 में एलटीसीजी से लगभग ?1.3 लाख करोड़ का संग्रह असाधारण रूप से मजबूत शेयर बाजार के कारण हुआ था। कमजोर बाजार प्रतिफल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच भविष्य में यह संग्रह काफी कम हो सकता है।लेकिन सरकार के सामने दूसरी तरफ भी चुनौतियां हैं। राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करना, बुनियादी ढांचे पर खर्च जारी रखना, सामाजिक योजनाओं का वित्तपोषण करना और ऊर्जा संकट के प्रभाव को कम करना आवश्यक है। इसलिए कर राहत का निर्णय केवल संभावित बाजार लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि राजस्व, समानता और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर करना होगा। साथियों बात अगर हम सेबी का 2 नवंबर का प्रस्ताव- को समझने की करें तो विदेशी निवेशकों को राहत, घरेलू निवेशकों को प्रोत्साहन रिटर्स की 2 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने सरकार को विदेशी इक्विटी निवेशकों के लिए एलटीसीजी कर समाप्त करने की सिफारिश की है।सेबी ने घरेलू म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी राहत देने का प्रस्ताव रखा है- यदि वे एक वर्ष से अधिक समय से रखी अपनी मौजूदा होल्डिंग बेचकर दूसरी योजना में निवेश करते हैं,तो उन्हें एलटीसीजी कर से छूट मिल सकती है। ये सिफारिशें गोपनीय, गैर-बाध्यकारी बजट-पूर्व प्रस्ताव हैं। इन्हें सरकार की अंतिम नीति या घोषित कर छूट नहीं समझना चाहिए। अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय और सरकार को लेना है।सेबी का तर्क है कि भारतीय इक्विटी में निवेश की लागत कम करने से विदेशी निवेशकों के लिए बाजार अधिक आकर्षक बन सकता है। घरेलू म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए पुनर्निवेश पर राहत से निवेश को बाजार में बनाए रखने और बेहतर योजनाओं में स्थानांतरित करने की सुविधा मिल सकती है। साथियों बात अगर हम वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बयान- राहत की संभावना, लेकिन कोई वादा नहीं इसको समझने की करें तो 2 नवंबर को मुंबई में फाइनेंसियल एक्सप्रेस लीडरशिप अवार्ड्स कार्यक्रम में वित्तमंत्री ने एलटीसीजी कर को लेकर निवेशकों की चिंताओं को स्वीकार किया।उन्होंने कहा कि सरकार इन चिंताओं पर विचार करेगी, लेकिन कर रियायतों को बाजार के प्रदर्शन का मुख्य आधार नहीं माना जाना चाहिए।वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि 2023-24 में कर ढांचा लगभग ऐसा ही था, फिर भी विदेशी निवेश का अच्छा प्रवाह आया था। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं, चुनौतियां बढ़ी हैं और विदेशी निवेशकों की शुद्ध बिकवाली के कारण चिंताएं अधिक मुखर हुई हैं।उन्होंने भारत की 7 प्रतिशत से अधिक आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए पूंजी और इक्विटी निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, विदेशी निवेशकों को राहत देते समय घरेलू निवेशकों के साथ समानता का प्रश्न भी उठाया।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

# उत्तर प्रदेश 2027-सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए। भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।




यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे ब ?ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है।भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर 'गेम चेंजर' बन सकती है। योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते-बिग ?ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के ब ?ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है। यदि यह रणनीति योगी की प्रशासनिक छवि और लोकप्रियता के साथ समन्वित होती है तो भाजपा विपक्ष की चुनौती को प्रभावी ढंग से रोक सकती है। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के बीच रणनीतिक प्राथमिकताओं में कोई असंतुलन दिखाई दिया तो इसका लाभ विपक्ष उठा सकता है। भाजपा के लिए सबसे बड़ी जरूरत यही है कि योगी को निर्विवाद चुनावी चेहरा रखते हुए अमित शाह की संगठनात्मक रणनीति को उनके नेतृत्व का पूरक बनाया जाए, प्रतिस्पर्धी नहीं। इसलिए 2027 में योगी की राजनीतिक मजबूती केवल सरकार की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अमित शाह की रणनीति और भाजपा के आंतरिक अनुशासन के बीच बनने वाले संतुलन से भी तय होगी। इसके लिये जरूरी है कि शाह एवं योगी के बीच संतुलन एवं सौहार्द का वातावरण बनना जरूरी है। 2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव अंतत: केवल हिंदू-मुस्लिम, भाजपा-सपा या योगी-अखिलेश की लड़ाई नहीं होगा। यह मतदाता के बदलते विवेक, विकास की वास्तविक अनुभूति, सामाजिक प्रतिनिधित्व और भविष्य की उम्मीदों की परीक्षा होगा। चुनाव की करवट अभी तय नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस बार उत्तर प्रदेश में मुकाबला पिछले चुनावों की तुलना में अधिक जटिल, बहुस्तरीय और दिलचस्प होने जा रहा है। यही जटिलता 2027 को भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव बनाएगी।

-ललित गर्ग

## स्नेह, त्याग और विश्वास की उजली परंपरा है भाई दूज

**- योगेश कुमार गोयल**

पंचदिवसीय दीपोत्सव धनतेरस से शुरू होता है और इसका समापन भाई दूज के साथ ही होता है। भाई दूज पर बहनें अपने भाई के माथे पर सौभाग्य का तिलक करती हैं और उनके लिए सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। हर साल यह पर्व कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि को और आमतौर पर दीवाली से ठीक दो दिन बाद ही मनाया जाता है लेकिन इस वर्ष भाई दूज की तारीख को लेकर काफी भ्रम की स्थिति बरकरार रही है। कोई 10 नवंबर तो कोई 11 नवंबर को भाई दूज बता रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे शुरू हुई है और इसका समापन 11 नवंबर को दोपहर 3 बजकर 53 मिनट पर होगा। पंचांग के अनुसार, 10 नवंबर को उदया तिथि नहीं मिल रही है, इसलिए भाई दूज का पर्व 11 नवंबर को ही मनाया जाएगा। भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए।

यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से 'भाई दूज' का पर्व मनाया जाने लगा।

भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी-एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अत: उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अत: रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी।

कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फैंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है।

जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरूष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे। सुहागरात पर नियत समय पर नाग-नागिन उसके भाई को डसने कमरे में पहुंच गए लेकिन उसने नाग-नागिन को मारने की सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी। आखिरकार उसने नाग-नागिन का काम तमाम कर ही दिया और उसके बाद वह निश्चिंत होकर सो गई।

सुबह होने पर सभी मेहमानों को विदा करने के बाद परिवार वालों ने सोचा कि अब इस बला को भी कुछ बचा-खुचा देकर यहां से चलता कर दिया जाए लेकिन नींद से जागने पर जब उसने पूरी घटना के बारे में सब को विस्तार से बताया कि किस प्रकार वह अपने बच्चे को पालने में ही सोता छोड़कर दौड़ी-दौड़ी भाई के प्राण बचाने के लिए उसके पीछे चली आई और सभी को नाग-नागिन के मृत शरीर दिखाए तो सभी की आंखों में आंसू आ गए और भाई के प्रति उसका असीम प्यार तथा समर्पण भाव देखकर उसके प्रति सभी का हृदय श्रद्धा से भर गया। भाई-भाभी तथा माता-पिता ने उसे ढ़ेर सारे उपहारों से लादकर बड़े मान-सम्मान के साथ खुशी-खुशी ससुराल विदा किया। भाई-बहन के बीच इसी प्रकार के पावन संबंध, प्रेमभाव तथा उनके दिलों में आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए ही 'भाई दूज' पर्व मनाया जाता है।

## रिकॉर्ड दूध उत्पादन के बावजूद घी के दाम बेकाबू, क्या है वजह?

**नई दिल्ली। एजेंसी।** रसोई का स्वाद बढ़ाने वाला घी अब जेब पर भारी पड़ रहा है। देश में दूध उत्पादन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बावजूद, घी के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। इस विरोधाभास के पीछे दूध में फैट की कमी और बाजार की बदलती मांग जैसे कई जटिल कारण जिम्मेदार हैं, जो त्यौहारों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक, हर जगह उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं। बाजार में घी की बढ़ती कीमतें अब उपभोक्ताओं के बजट को बिगाड़ रही हैं। अमूल जैसी प्रमुख डेयरी कंपनियां भी अपने घी और मक्खन के दाम बढ़ा चुकी हैं, जिससे त्योहारों पर मिठाइयां बनाने और रोजमर्रा के खाने में घी का इस्तेमाल महंगा हो गया है।

हैरानी की बात यह है कि देश में दूध का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद डेयरी कंपनियों को घी और मक्खन बनाने के लिए आवश्यक दूध में फैट (वसा) की कमी का सामना करना पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार भारत में दूध का उत्पादन 2016 में 165.1 मिलियन टन था, जो 2025 तक बढ़कर 216.5 मिलियन टन हो गया है। इस उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, कंपनियों को दूध में फैट की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पा रही है। दूध में दो मुख्य ठोस तत्व होते हैंड्ड फैट और एसएनएफ (नॉन-फैट सॉलिड)। घी और मक्खन के लिए फैट अत्यंत आवश्यक होता है, और इसी फैट की कमी कीमतों में उछाल का एक बड़ा कारण बन रही है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2026 के बीच डेयरी कंपनियों के स्तर पर मक्खन की औसत कीमत 348 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 537 रुपये प्रति किलो हो गई है, यानी इसमें लगभग 54.3 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसी अवधि में स्किम्ड मिल्क पाउडर की कीमत भी 250 रुपये से बढ़कर 295 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। इन कीमतों में वृद्धि के पीछे कई अन्य कारक भी जिम्मेदार हैं। 22 सितंबर 2025 से घी, मक्खन और पनीर पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई थी। जीएसटी कम होने से इन उत्पादों की मांग को भारी बढ़ावा मिला, जिससे दूध में मौजूद फैट की आवश्यकता और बढ़ गई। जीएसटी में कटौती के बाद हाई-फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी आई है। इसके अतिरिक्त, सितंबर 2024 में तिरुपति मंदिर के लड्डू विवाद के बाद मिलावटी घी बेचने वालों के खिलाफ एफएसएसएआई की कार्रवाई तेज हुई है, जिससे बाजार में शुद्ध और उच्च फैट वाले डेयरी उत्पादों की मांग में और वृद्धि हुई है। ये सभी कारक मिलकर घी और मक्खन की कीमतों में निरंतर बढ़ोतरी का कारण बन रहे हैं।

## एनबीएफसी ब्याज दरें और प्रोसेसिंग फीस बढ़ाने की कर रहा तैयारी

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अगर आपने नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) से कर्ज लिया है या भविष्य में लेने की योजना बना रहे हैं, तो आने वाले दिनों में आपकी जेब पर बोझ बढ़ सकता है। दरअसल, एनबीएफसी कंपनियां अब लोन की ब्याज दरों और प्रोसेसिंग फीस में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने क्रेडिट लिंक्ड इंश्योरेंस पॉलिसी बेचने पर मिलने वाले कमीशन को सीमित करने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एनबीएफसी की कमाई पर सीधा असर पड़ने वाला है। क्रेडिट लिंक्ड इंश्योरेंस वह बीमा पॉलिसी होती है जो किसी कर्ज के साथ जुड़ी होती है, जैसे होम लोन या पर्सनल लोन के साथ दिया जाने वाला बीमा। अभी तक एनबीएफसी कंपनियां इन पॉलिसियों को बेचकर अच्छा कमीशन कमाती थीं, लेकिन आईआरडीएआई के नए प्रस्ताव के बाद यह कमाई काफी कम हो जाएगी।

नियामक ने सिंगल प्रीमियम क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस पर 2 फीसदी, मल्टी ईयर क्रेडिट लाइफ पॉलिसी पर 2.5 फीसदी और क्रेडिट लिंक्ड हेल्थ इंश्योरेंस पर 5 फीसदी कमीशन की सीमा प्रस्तावित की है। अपनी आय में होने वाली इस कमी को पूरा करने के लिए, एनबीएफसी कंपनियां अब कर्ज की ब्याज दरों और प्रोसेसिंग फीस में बदलाव करने पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बजाज हाउसिंग फाइनेंस जैसी कंपनियां किफायती होम लोन सेगमेंट में प्रोसेसिंग फीस और मार्जिन बढ़ाकर नुकसान की भरपाई करने की सोच रही हैं। हालांकि, प्राइम होम लोन में इसकी पूरी भरपाई करना मुश्किल होगा। इसी तरह, होम फर्स्ट फाइनेंस जैसी अन्य कंपनियां भी लोन की कीमत और फीस में बदलाव करने और अधिक कमाई वाले लोन पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही हैं। यदि एनबीएफसी कंपनियां ब्याज दरें और प्रोसेसिंग फीस बढ़ाती हैं, तो इसका सीधा असर कर्जधारकों पर पड़ेगा। बढ़ी हुई ब्याज दरों से आपकी मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ जाएगी, जबकि प्रोसेसिंग फीस में बढ़ोतरी से लोन लेते समय आपको पहले से ज्यादा भुगतान करना होगा।

## अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ी

**मुंबई। एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि एक और साल के लिए बढ़ा दी है। यह विस्तार 24 नवंबर, 2026 से प्रभावी होगा, जिससे बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा। केंद्रीय बैंक ने खराब प्रशासनिक मानकों के चलते यह कदम उठाया है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि समीक्षा के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा है कि सार्वजनिक हित में बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ाना जरूरी है। गौरतलब है कि बैंक में खराब प्रशासनिक मानकों से जुड़ी गंभीर चिंताओं के कारण आरबीआई ने नवंबर, 2023 में उसके निदेशक मंडल को हटाकर प्रशासक नियुक्त किया था। यह तीसरी बार है जब निदेशक मंडल की बहाली को टाला गया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक प्रशासक के रूप में बने रहेंगे, जिन्हें मौजूदा सलाहकार समिति के सदस्य वेंकटेश हेगड़े, देवेंद्र कुमार और सुहास गोखले सहयोग देंगे।

## दिवाली पर ग्राहकों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर की ताबड़तोड़ खरीदारी

**नई दिल्ली। एजेंसी।** इस दिवाली पारंपरिक बाजारों की भीड़ से बचकर लोगों ने घर बैठे त्योहार की खरीदारी को प्राथमिकता दी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने इस साल दिवाली पर शानदार कारोबार दर्ज किया, जो ग्राहकों की अंतिम समय की जरूरतों को पूरा करने में सफल रहे। स्विगी इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मिठाइयों से लेकर सजावट के सामान तक की खूब बिक्री हुई, जिससे ऑनलाइन डिलीवरी का महत्व रोजमर्रा की जरूरतों से कहीं आगे निकल गया है। जेप्टो के आंकड़ों के अनुसार, इस दिवाली फेस्टिव हैम्पर के ऑर्डरों में पिछले साल के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई। ग्राहकों ने लगभग 4.68 लाख दीयों का ऑर्डर दिया, जबकि फूलों और मालाओं की मांग ढाई गुना बढ़ी। मिठाइयों में लड्डू ने ऑर्डर संख्या में बढ़त बनाई, वहीं कुल मात्रा के लिहाज से सोन पापड़ी सबसे आगे रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर भी खरीदारी में अच्छी तेजी दिखी, जहां पार्टी की तैयारी के सामान में सालाना आधार पर 162 फीसदी और स्नैक्स की मांग में 42 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मिठाइयों में काजू कतली



ग्राहकों की पहली पसंद बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि दिवाली की शाम डाइट कोक इंस्टामार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला गैर-किराने का उत्पाद रहा। सिर्फ मिठाई और सजावट ही नहीं, धनतेरस पर क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से लक्ष्मी-गणेश डिजाइन वाले चांदी और सोने के सिक्के भी खूब खरीदे गए, जिसमें मुंबई में 1.11 लाख रुपए का सबसे बड़ा फेस्टिव शॉपिंग ऑर्डर दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि त्योहारी खरीदारी का तरीका अब पूरी तरह बदल रहा है और क्विक कॉमर्स का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

## डीजीटीआर ने चार देशों से एल्यूमीनियम उत्पादों की डंपिंग की जांच शुरू की

**नई दिल्ली। एजेंसी।** वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड से आयातित एल्यूमीनियम उत्पादों की कथित डंपिंग के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को इन सस्ते आयातों से होने वाले नुकसान से बचाना है। आमतौर पर ऐसी जांच घरेलू उत्पादकों के आवेदन पर शुरू होती है, लेकिन उद्योगों के पास अक्सर आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता की कमी होती है। इसी वजह से डीजीटीआर ने स्वयं इस मामले को उठाया है। एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलेमाई), जो 228 निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है, के अभ्यावेदनों के आधार पर महानिदेशालय ने पाया कि डंपिंग के कारण आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। जांच के दायरे में खिड़कियों, दरवाजों, सौर ऊर्जा संयंत्रों की संरचनाओं, फर्नीचर और साइकिल के पुर्जों जैसे औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों में उपयोग होने वाले विभिन्न एल्यूमीनियम उत्पाद शामिल हैं। डीजीटीआर डंपिंग के अस्तित्व, उसकी मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का पता लगाएगा। यदि डंपिंग साबित होती है, तो महानिदेशालय घरेलू उद्योग को हुए नुकसान की भरपाई के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। इस पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत, देश अपने घरेलू उद्योगों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए ऐसे शुल्क लगा सकते हैं। भारत पहले भी चीन सहित विभिन्न देशों से आने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

## एनवीडिया सीईओ चीनी एफबीआई जांच के घेरे में, ट्रंप का मिला समर्थन

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग से जुड़ा विवाद गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि संघीय जांच एजेंसी एफबीआई हुआंग के एक कथित चीनी जासूस से संबंधों के मामले की जांच कर रही है। हालांकि, ट्रंप ने हुआंग का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें इस मामले में ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, जिससे इस हाई-प्रोफाइल मामले में नया मोड़ आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि एफबीआई एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के कथित चीनी जासूस से संबंधों के मामले की जांच कर रही है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने खुद हुआंग से फोन पर बात की है और उन्हें विश्वास है कि हुआंग इस मामले से बिना किसी बड़ी परेशानी के बाहर निकल आएंगे। उन्होंने हुआंग को एक सम्मानित व्यक्ति बताते हुए कहा कि हुआंग ने उनसे कहा कि उन्हें इस बात की बिल्कुल जानकारी नहीं थी कि जिस महिला के साथ उनके विवाहेतर संबंध थे, वह कथित तौर पर चीन के लिए जासूसी कर रही थी। ट्रंप ने हुआंग की बात पर भरोसा जताया है। दरअसल, जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला के साथ विवाहेतर संबंधों की खबर सामने आई थी। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया था कि वह संबंधित महिला चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी। हुआंग ने विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की है, लेकिन उन्होंने जासूसी गतिविधियों की जानकारी होने से इनकार किया है। एफबीआई के अलावा एनवीडिया ने भी मामले की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा है कि फिलहाल ऐसा मानने की कोई वजह नहीं है कि एनवीडिया की गोपनीय जानकारी या अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हुआ है, लेकिन संवेदनशील कारोबारी या तकनीकी जानकारी तक बाहरी पहुंच की जांच की जाएगी। हुआंग ने भी जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इस मामले पर अमेरिकी संसद की भी कड़ी नजर है, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने विस्तृत जांच में दिलचस्पी दिखाई है।




**मेष**- आज आपको यह समझने का अवसर मिलेगा कि हर परिस्थिति में धैर्य और संतुलन बनाए रखना ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा, लेकिन इसके साथ आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती हैं। मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, मगर उसका सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभकारी रह सकता है।

**वृषभ**- आज घर-परिवार में सुख, शांति और खुशियों का माहौल बना रह सकता है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। यदि पिछले कुछ समय से किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत के जरिए उसे दूर करने के लिए दिन अनुकूल है। ससुराल पक्ष से कोई उत्साहजनक खबर मिलने की संभावना भी है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रह सकता है।

**मिथुन**- आज पुराने और लंबे समय से अधूरे पड़े काम पूरे होने से मन को काफी राहत मिलेगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे जिम्मेदारियां निभाना कुछ आसान हो सकता है। हालांकि, काम का दबाव बीच-बीच में मानसिक थकान या तनाव दे सकता है। ऐसे में हर काम को एक साथ निपटाने के बजाय प्राथमिकता के अनुसार पूरा करें।

**कर्क**- आज मन में कुछ असमंजस और उलझनें बनी रह सकती हैं। कार्यक्षेत्र में भी ऐसी परिस्थितियां सामने आ सकती हैं, जिनमें आपको धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। हालांकि, घबराने के बजाय शांत मन से निर्णय लेंगे तो परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं। सरकारी कामकाज में किसी प्रक्रिया के कारण रुकावट आ सकती है, इसलिए जरूरी दस्तावेजों और औपचारिकताओं को लेकर जल्दबाजी न करें।

**सिंह**- आज आपका आत्मविश्वास और कार्यक्षमता दोनों लोगों के सामने उभरकर आएंगे। कार्यक्षेत्र में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और वरिष्ठ अधिकारी भी आपके काम से प्रभावित होकर प्रशंसा कर सकते हैं। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की संभावना है, जिससे मन में संतोष रहेगा। कारोबारियों के लिए भी दिन लाभकारी साबित हो सकता है।

**कन्या**- आज भाग्य का साथ मिलने से कई मामलों में आपको राहत और सफलता मिल सकती है। सेहत में सुधार महसूस होने से आप पहले की तुलना में अधिक ऊर्जावान रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा और मेहनत के अनुरूप सम्मान मिलने की संभावना है।

**तुला**- आज आपके जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। धन लाभ के अवसर सामने आएंगे और कामकाज भी पहले की तुलना में आसानी से आगे बढ़ सकता है। आपकी बातचीत करने की कला और लोगों को अपनी बात समझाने का तरीका आज विशेष रूप से काम आएगा।

**वृश्चिक**- आज आपको अपने कामों में सफलता के साथ मान-सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति को राहत मिल सकती है। दोस्तों और महिला सहकर्मियों का सहयोग आपके लिए उपयोगी साबित होगा और कार्यक्षेत्र के कुछ काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम जीवन में रोमांस और अपनापन बना रहेगा।

**धनु**- आज का दिन कुल मिलाकर अच्छा रह सकता है, लेकिन आपका गुस्सा किसी बनते हुए काम को बिगाड़ सकता है। इसलिए किसी भी परिस्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय थोड़ा रुककर सोचें। कार्यक्षेत्र में आपकी योजना बनाने की क्षमता और मेहनत आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी।

**मकर**- आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं, जिससे आपको राहत मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों का कार्यक्षेत्र में प्रभाव और रुतबा बढ़ सकता है। आपके काम की सराहना होने के साथ नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। पुराने अटके हुए धन की वापसी की संभावना भी बन रही है।

**कुंभ**- आज आपको अपनी आमदनी और खर्चों के बीच संतुलन बनाकर चलने की जरूरत होगी। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं से लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन कानूनी मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही न करें। जरूरी दस्तावेजों और प्रक्रियाओं को ध्यानपूर्वक पूरा करें। यात्रा के दौरान भी सतर्क रहना बेहतर होगा। किसी करीबी व्यक्ति के व्यवहार से मन थोड़ा उदास हो सकता है, लेकिन पुराने मित्र से मुलाकात होने पर आपका मूड बेहतर हो जाएगा।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए उत्साह, सकारात्मकता और आगे बढ़ने के नए अवसर लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र का माहौल अनुकूल रहेगा और आपके काम की सराहना होने से मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। किसी मित्र की मदद से कोई जरूरी काम पूरा होने की संभावना है। यदि आप नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो परिस्थितियां आपका साथ दे सकती हैं। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने के संकेत हैं, जिससे आर्थिक स्थिति को राहत मिलेगी।

### शब्दजाल - 8446

*शब्द जाल में ब शब्द से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वं | ज | गा | र | ग | व | ज | क | ब | ल | क |
| व | ब | व | लि | दा | न | का | मौ | स | ल | ह |
| ई | ह | व | वं | दा | न | व | ज | जा | व | म |
| का | ब | वं | र | दे | वी | व | ब | ल | श | ब |
| म | इ | दि | म | सं | व | र | श | र | ब | ल |
| हा | ता | नी | ई | र | द | क | फ | बा | श | ज |
| रा | बं | दि | श | द | क | स | सी | ग | प | व |
| जा | र | व | वं | व | ज | र | ब | न | प | वं |
| क | ब | ल | ज | न | ना | तै | ऐ | ज | प | जा |
| क | मी | ल | प | ब | या | स | म | ब | प | र |
| का | न | वं | ध | न | क | ना | रौ | ग | प | न |

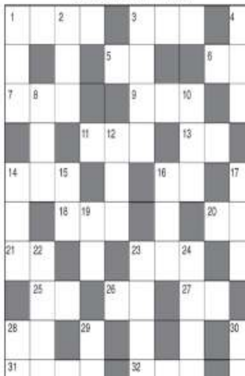
बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बदिशी, बंद दरवाजा, बंदाबाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा।

**शब्दजाल - 8445 का हल**



Jagrutidaur.com, Bangalore

### फिल्म वर्ग पहेली- 7380



**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ परियों ख़्वाबों या लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
६. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'दिन सारा गुज़ारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'खूनी' में फरदीन की नायिका?-२
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जाने है जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेखा की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लेकी दुपट्टा' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-२
२२. सनी, धर्मेन्द्र, बालासिन्हा की 'आज रातें मुस्कान ले' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राकेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कहा है जाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलवाले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है ज़िन्दगी में' गीत वाली फिल्म-२

**बायें से दायें:-**

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. दीप, काजोल की 'सैया दुनिया पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
८. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'आँखें गोली तू चली' गीत वाली फिल्म-२
९. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
१०. ऋषि, पंकी, नीतम की 'देखा जो तुझ आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं है तेरा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'सोने किनारा' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा मेरे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस झूटी दिल की' गीत वाली अजित, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, टीना, परवीन की 'ज़िंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेरा ये मेरा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'सयानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
२९. संजय दत्त, मनीषा की 'दो रब्बा ये क्या' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'स्वर्ग' में अनीता राज के साथ नायिका कौन है?-३

**फिल्म वर्ग पहेली- 7379**



Jagrutidaur.com, Bangalore

### दैनिक पंचांग

11 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



बुधवार 2026 वर्ष का 315 वा दिन। दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद। विक्रम संवत 2083 शक संवत 1948। मास कार्तिक पक्ष शुक्ल। तिथि द्वितीया 15.54 बजे को समाप्त। नक्षत्र अनुराधा 11.38 बजे को समाप्त। योग अतिगण्ड 03.41 बजे रात्र को समाप्त। करण कौलव 15.54 बजे तत्पश्चात तैतिल 04.59 बजे को समाप्त।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 06.54 से | 07.22 बजे तक | उद्वेग | 06.41 से | 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से | 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से | 08.44 बजे तक |
| काल | 09.15 से | 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से | 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से | 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से | 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से | 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से | 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से | 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से | 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से | 05.54 बजे तक |

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। e.Jagrutidaur.com, Bangalore

### प्रसंगतः स्वर्ग और नरक

एक युवक था। वह बंदूक और तलवार चलाना सीख रहा था। इसलिए वह यदा-कदा जंगल जाकर खरगोश, लोमड़ी और पक्षियों आदि का शिकार करता। शिकार करते-करते उसे यह घमंड हो गया कि उसके जैसा निशानेबाज कोई नहीं है और न उसके जैसा कोई तलवार चलाने वाला। आगे चलकर वह इतना घमंडी हो गया कि किसी बड़े के प्रति शिष्टाचार भी भूल गया। उसके गाँव के बाहर कुटिया में एक संत रहते थे। वह एक दिन उनके पास पहुँचा। न उन्हें प्रणाम किया और न ही अपना परिचय दिया। सीधे उनके सामने पड़े आसन पर बैठ गया और कहने लगा, 'लोग बेकार में स्वर्ग-नरक में विश्वास करते हैं?' संत ने उससे पूछा, 'तुम तलवार साथ में क्यों रखते हो?' उसने कहा, 'मुझे सेना में भर्ती होना है, कर्नल बनना है।' इस पर संत ने कहा, 'तुम्हारे जैसे लोग सेना में भर्ती किए जाते हैं? पहले अपनी शक्ल शीशे में जाकर देख लो।' यह सुनते ही युवक गुस्से में आ गया और उसने म्यान से तलवार निकाल ली। तब संत ने फिर कहा, 'वाह! तुम्हारी तलवार भी कैसी है? इससे तुम किसी भी बहादुर आदमी का सामना नहीं कर सकते, क्योंकि वीरों की तलवार की चमक कुछ और ही होती है।' फिर तो युवक गुस्से से आग-बबूला हो गया और संत को मारने के लिए झपटा। तब संत ने शांत स्वर से कहा, 'अब तुम्हारे लिए नरक का दरवाजा खुल गया।' यह सुनते ही युवक की अक्ल खुल गई और उसने तलवार म्यान में रख ली। अब वह सर झुककर संत के सामने खड़ा था और अपराधी जैसा भाव दिखा रहा था। इस पर संत ने कहा, 'अब तुम्हारे लिए स्वर्ग का दरवाजा खुल गया।'

### सूडोकू नवताल- 7689

★★★★☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 2 | | 4 | 1 | 7 | | |
| 1 | | | | | | 6 | | |
| 5 | 7 | 3 | 2 | | | | 4 | |
| | | | | 9 | 4 | 8 | | |
| 4 | | 7 | | | | 9 | | 6 |
| | | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | 3 | | | | 6 | 5 | 9 | 1 |
| | | 6 | | | | | | 7 |
| | | 9 | 1 | 8 | | 2 | | 4 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

**सूडोकू नवताल -7688 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 9 | 1 | 8 | 3 | 2 | 6 | 7 |
| 1 | 2 | 6 | 4 | 9 | 7 | 3 | 5 | 8 |
| 3 | 8 | 7 | 5 | 2 | 6 | 1 | 4 | 9 |
| 8 | 7 | 1 | 3 | 4 | 2 | 6 | 9 | 5 |
| 9 | 5 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 | 2 | 4 |
| 2 | 6 | 4 | 7 | 5 | 9 | 8 | 1 | 3 |
| 4 | 3 | 5 | 2 | 7 | 1 | 9 | 8 | 6 |
| 6 | 9 | 2 | 8 | 3 | 4 | 5 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 9 | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### शब्द पहेली - 8904



**बाएँ से दाएँ**

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होंठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, महावर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइन-3
27. परिमूल्य-3

**ऊपर से नीचे**

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

**शब्द पहेली -8903 का हल**



Jagrutidaur.com, Bangalore

# दीपों की रोशनी से जगमगाया लांजी, उत्साह और उमंग के साथ मनाया दीपावली पर्व








## घर-घर हुई माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना, आतिशबाजी और रोशनी से देर रात तक गुलजार रहे बाजार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

**अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दीपावली का पावन पर्व नगर सहित पूरे लांजी अंचल में हर्षोल्लास, उमंग और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। दीपों की जगमगाहट, रंग-बिरंगी विद्युत सजावट और आतिशबाजी से नगर का कोना-कोना रोशनी से नहा उठा। पर्व को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खास उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।**

प्रकाश और समृद्धि के इस महापर्व को लेकर लोगों में सुबह से ही उत्साह देखा गया। घर-घर में दीपावली की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई थीं। सुबह से ही घरों और आंगनों को साफ-सुथरा कर लीप-पोतकर रंगोली बनाई गई। रंग-बिरंगे रंगों से उकेरी गई रंगोलियों ने घरों की शोभा बढ़ा दी, वहीं दीपों की रोशनी ने रात को और भी मनमोहक बना दिया।

### सुबह से रही बाजारों में चहल-पहल

इस वर्ष दीपावली का पर्व सप्ताह के अंतिम दिन रविवार को होने के कारण सुबह से ही बाजारों में खासी चहल-पहल देखी गई। संयोग से इसी दिन लांजी का साप्ताहिक बाजार भी था, जिसके चलते देर रात तक नगर में रौनक बनी रही। लोगों ने जमकर खरीदारी की और अपने शुभचिंतकों, रिश्तेदारों व मित्रों को उपहार भेंट किए। पूजा सामग्री, मिठाई, सिंगाड़ा, चिरौंजी, बताशे और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी गई। दुकानदारों ने भी इस अवसर पर अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था, जिससे बाजार में उत्सव का माहौल और भी जीवंत हो गया।

### दीपों और आतिशबाजी से जगमगाया नगर

शाम ढलते ही घर-घर में दीपों की सजावट शुरू हो गई। लोगों ने अपने घरों, आंगनों और छतों को रंग-बिरंगी झालरों और दीपों से सजाया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी आतिशबाजी के रंग-बिरंगे प्रदर्शन में डूब गए। फुलझड़ियां, अनार, चकरी और रॉकेट की चमक ने रात के आकाश को रोशन कर दिया एवं देर रात तक आतिशबाजी का दौर चलता रहा।

### विधि-विधान से हुआ लक्ष्मी-गणेश पूजन

रात में घर-घर में विधि-विधान के साथ माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। परिवारजन एकत्रित होकर मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न किया और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद मिठाइयों और पकवानों का आदान-प्रदान हुआ। पड़ोसियों, रिश्तेदारों और दोस्तों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और मिठाइयां बांटकर खुशियां साझा कीं।

### बच्चों में रहा खास उत्साह

दीपावली के पर्व पर बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। पूजा के बाद बच्चों ने आतिशबाजी का जमकर आनंद लिया। उनकी हंसी-खुशी और उत्साह ने पर्व के माहौल को और भी रंगीन बना दिया। कई परिवारों ने इस अवसर पर नए कपड़े पहने और एक-दूसरे के घर जाकर मिलने-जुलने का सिलसिला भी देर रात तक चलता रहा।

### सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

दीपावली का यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी लोगों को जोड़ने का कार्य करता है। इस अवसर पर लोगों ने आपसी भाईचारे और प्रेम को बढ़ावा देते हुए एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटीं। नगर और क्षेत्र में शांति और उल्लास के साथ संपन्न हुए इस पर्व ने सभी के मन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

# आधी रात घर में लगी आग, गृहस्थी का सामान जलकर राख

## पांच लोगों की जान बची, बच्चों की कॉपी-किताबों से लेकर कपड़े, अनाज और नकदी तक सबकुछ खाक; पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मांगी आर्थिक मदद

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नगर के वार्ड क्रमांक 5 मंडईटेकरी में 8 नवंबर की रात करीब 11 बजे एक मकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते घर में रखा गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि समय रहते आसपास के लोगों ने घर में सो रहे पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस अग्निकांड में परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। अब पीड़ित परिवार ने प्रशासन से सहायता की गुहार लगाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी बाई उइके पति झनकराम उइके के मकान में रात के समय अचानक आग लग गई। घटना के वक्त उनके पति झनकराम उइके रोजी-रोटी के सिलसिले में हैदराबाद गए हुए थे। घर में लक्ष्मी बाई, उनकी बेटी काजल पति प्रकाश मरकाम, दो छोटे बच्चे शिवा और पीयू तथा बड़ी बेटी पिंकी पति गजेन्द्र पालेवार की बेटी तनुजा मौजूद थी। तनुजा अपनी नानी के पास रहकर सीआईए स्कूल में कक्षा तीसरी में पढ़ाई करती है। परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे, तभी अचानक मकान में आग भड़क उठी।





बताया गया कि रात में पीछे स्थित काली मंदिर में पूजा करने आए कुछ लोगों ने मकान से धुआं उठते देखा। उन्होंने तत्काल आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और घर में सो रहे लोगों को जगाकर सुरक्षित बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय आग काफी फैल चुकी थी। यदि थोड़ी और देर हो जाती तो घर के भीतर सो रहे लोगों की जान पर भी बन सकती थी। मोहल्लेवासियों की तत्परता से पांचों लोगों की सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

### फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू, तब तक सबकुछ हो चुका था राख

आग लगने की सूचना के बाद आसपास के लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। वहीं नगर परिषद की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक मकान में रखा गृहस्थी का लगभग पूरा सामान जल चुका था। घर में रखे कपड़े, अनाज, नगदी राशि, घरेलू उपयोग की सामग्री सहित बच्चों की कॉपी-किताबें भी आग की भेंट चढ़ गईं। परिवार के पास दैनिक जरूरतों का सामान तक नहीं बचा है।

### परिवार के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का संकट

इस घटना ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। घर का सारा सामान नष्ट होने से अब परिवार के सामने रहने, खाने-पीने और बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। पति के बाहर मजदूरी करने जाने के बीच परिवार पर आई इस विपत्ति ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पीड़ित लक्ष्मी बाई उइके ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कराकर आर्थिक सहायता एवं आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि परिवार दोबारा अपनी जिंदगी को पटरी पर ला सके।

# 11 केवी लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत, पिकअप से नीचे गिरा

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** ग्राम कारंजा में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय युवक की विद्युत करंट लगने से मौत हो गई। युवक लोहे की सरिया से भरी पिकअप पर चढ़ा था, तभी ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। करंट का झटका लगते ही वह पिकअप से नीचे गिर पड़ा। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे की पूरी घटना समीप स्थित विश्वकर्मा हार्डवेयर प्लाजा के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, घटना 10 नवंबर को दोपहर करीब 12:40 बजे ग्राम कारंजा में आमगांव मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के आगे विश्वकर्मा हार्डवेयर प्लाजा की है। दुकान संचालक मनीष बनोते ने बताया कि आमगांव स्थित लक्ष्मी आयरन से पिकअप वाहन में लोहे की सरिया लेकर मजदूर दुकान पहुंचे थे। मजदूर अपने साथियों के साथ वाहन से सरिया उतार रहे थे। इसी दौरान महाराष्ट्र के जामखाड़ी निवासी सोनू लर्केश्वर ब्राम्हणकर (35) पिकअप पर चढ़ा। तभी ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलसकर नीचे गिर गया।

घटना के बाद दुकान संचालक ने तत्परता दिखाते हुए युवक को तत्काल समीपस्थ आमगांव के निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर आमगांव पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर आवश्यक कार्रवाई की। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए लांजी पुलिस को सूचना भेजी गई।

### पहले भी झुके तार की शिकायत का दावा

इस हादसे के बाद विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। दुकान संचालक मनीष बनोते का कहना है कि दुकान के सामने से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन का तार काफी नीचे झुका हुआ था। इस संबंध में पूर्व में विद्युत विभाग के जेई को भी जानकारी देकर तार को दुरुस्त कराने की बात कही गई थी, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। यदि समय रहते विद्युत लाइन को ठीक कर दिया जाता तो संभवतः यह हादसा टल सकता था। अब सवाल यह है कि झुके हुए विद्युत तारों की शिकायत के बावजूद सुधार क्यों नहीं कराया गया और इस दर्दनाक हादसे के लिए जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

# सुरभि गौशाला कारंजा में गोवर्धन पूजा एवं गौमाता पूजन का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** दीपावली पर्व के दूसरे दिन 9 नवंबर को लांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कारंजा स्थित बालासाहेब देवरस न्यास द्वारा संचालित सुरभि गौशाला में गोवर्धन पूजा एवं गौमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के वृंदावन ग्रामों में आयोजित देशी नस्ल की गायों की दुग्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को शाल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अष्ट विनायक परिवार आमगांव द्वारा सुरभि गौशाला को पांच पंखे भी दान स्वरूप प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विधायक राजकुमार कर्हाडे, कलेक्टर आदित्य सिंह, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, जनपद पंचायत सदस्य भारती चुटे, बालासाहेब देवरस न्यास के ट्रस्टी विलास जुगादे एवं अनिल जोशी, न्यास के सचिव सचिन अग्रवाल, गौशाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मोरेश्वर फुंडे सहित अन्य पदाधिकारी, पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक डॉ. घनश्याम परते, पशु चिकित्सक डॉ. घोड़ेश्वर एवं बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित थे। अतिथियों ने विधि-विधान से गोवर्धन पूजा एवं गौमाता का पूजन किया। साथ ही गौमाता को रोटियां खिलाकर उनकी सेवा एवं संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गोवर्धन पूजा कार्यक्रम तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

### पशुपालन से ही खेती बनेगी लाभ का धंधा

इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्हाडे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान में मध्य प्रदेश देश में दुग्ध उत्पादन के मामले में तीसरे स्थान पर है और इसे पहले स्थान पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रदेश में देशी नस्ल की गायों के पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में वृंदावन ग्राम विकसित कर गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना शुरू की गई है। विधायक श्री कर्हाडे ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गौशालाओं में पशुओं के भरण-पोषण के लिए मिलने वाली अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दी है। पशुपालकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। पशुपालन से न केवल दूध उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विधायक श्री कर्हाडे ने कहा कि किसानों को कृषि के साथ पशुपालन भी अपनाना चाहिए। इससे खेती को लाभ का धंधा बनाने में मदद मिलेगी।



पर्याप्त जैविक खाद उपलब्ध हो सकती है। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। योजना के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के एक वृंदावन ग्राम में देशी नस्ल की गायों की दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 25 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। विजेताओं को पुरस्कार राशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से जमा कराई जा चुकी है। सम्मानित पशुपालकों में बैहर विधानसभा के वृंदावन ग्राम करौंदा से राधेश्याम रहांगडाले, योगेश गौतम एवं उद्देल सिंह, लांजी विधानसभा के वृंदावन ग्राम बापड़ी से राकेश बसेने, जागेश्वर पिंडोड़े एवं युवराज कठाने, परसवाड़ा विधानसभा के वृंदावन ग्राम बड़गांव से रामसिंह बट्टी, अशोक मेंगवी एवं हिम्मत सिंह उइके शामिल हैं। इसी प्रकार बालाघाट विधानसभा के वृंदावन ग्राम कुम्हारी से संतलाल उपवंशी, चंद्रभान रनगिरे एवं शिवलाल ठहारे, वारासिवनी विधानसभा के वृंदावन ग्राम आरेमा से सुनीता सुलकिया, ललित मस्करे एवं बेनीराम बसेने तथा कटंगी विधानसभा के वृंदावन ग्राम आगरबाड़ा से रिझालाल बिसेन, हुकुमचंद टेंभरे एवं राजाराम बिसेन को शाल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

### छह विधानसभा क्षेत्रों के 18 पशुपालक हुए सम्मानित

कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के वृंदावन ग्रामों में आयोजित दुग्ध

# चिखलामाली में दिन-रात की मंडई में उमड़ा जनसैलाब

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** ग्रामीण अंचलों में लोक संस्कृति और परंपराओं को सहेजने की परंपरा आज भी जीवंत है। इसी की झलक ग्राम चिखलामाली में 9 नवंबर को आयोजित दिन-रात की मंडई मेले में देखने को मिली। मंडई के अवसर पर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मेले का आनंद लिया। मंडई के तहत रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच के 25 कलाकारों ने 'गेंदा फूल' कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी। कलाकारों ने अपनी लोक कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। देर रात तक ग्रामीण कार्यक्रम का आनंद लेते रहे और पूरे आयोजन में उत्साह एवं उल्लास का माहौल बना रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजय अवसरे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस दौरान सरपंच कुमार पंछे, उपसरपंच सुभाष रहांगडाले, पूर्व सरपंच डॉ. गोरेलाल रहांगडाले, रमेश पटेल एवं महेश उइके प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के साथ आयोजन में सहभागिता की और मंडई जैसे पारंपरिक आयोजनों को ग्रामीण संस्कृति एवं सामाजिक एकजुटता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई मेला केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि आपसी मेल-मिलाप, सामाजिक समरसता और लोक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर भी होता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्राम चिखलामाली में आयोजित मंडई मेला पारंपरिक उल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

# साईं बाबा मंदिर स्थापना के 14 वर्ष पूर्ण होने पर बहेला में कल भव्य साईं पालकी शोभायात्रा

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** दीपावली पर्व के बाद अब क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों की रौनक बढ़ने लगी है। इसी कड़ी में ग्राम बहेला में साईं बाबा मंदिर स्थापना के 14 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 नवंबर, गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य श्री साईं पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर साईं भक्तों एवं ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 12 नवंबर को संध्या बेला में साईं मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात शाम 4 बजे से 6 बजे तक साईं बाबा की आकर्षक पालकी के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए भ्रमण करेगी। शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह ग्रामीण श्रद्धालुओं द्वारा साईं बाबा की पादुकाओं का पूजन कर पुष्प अर्पित किए जाएंगे तथा प्रसादी ग्रहण कर बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की जाएगी। साईं बाबा की भक्ति केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके उपदेश श्रद्धा, सबूरी, प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश देते हैं। यही कारण है कि साईं बाबा के प्रति लोगों की अटूट आस्था है और उनके धार्मिक आयोजनों में हर वर्ग के श्रद्धालु बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हैं। पालकी यात्रा के दौरान भी पूरा ग्राम साईंमय और भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा। पालकी भ्रमण के पश्चात साईं मंदिर में सामूहिक आरती की जाएगी। वहीं शाम 7 बजे से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण का आयोजन रखा गया है। इस धार्मिक आयोजन के आयोजक संजय पुन्ना वानखेड़े हैं। उन्होंने क्षेत्र के समस्त साईं भक्तों, धर्मप्रेमी नागरिकों एवं ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पालकी शोभायात्रा में सहभागिता करने, साईं बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा महाप्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।




लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

### 37 मोबाइल जब्त - स्थानीय अपराध शाखा की कार्रवाई

# मोबाइल दुकान में सेंधमारी करने वाली टोली का पर्दाफाश

पदमेश न्यूज़, गोंदिया. जिले की स्थानीय अपराध शाखा ने मोबाइल दुकान में सेंधमारी कर 37 एंड्रॉइड मोबाइल फोन चोरी करने वाली टोली का पर्दाफाश किया है. इस मामले में पुलिस ने तीन विधि संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लेकर उनके पास से चोरी किए गए सभी 37 मोबाइल फोन जब्त किए हैं. जब्त मोबाइल की कुल कीमत 5 लाख 25 हजार रु. बताई गई है.जानकारी के अनुसार, 7 नवंबर को गोरेगांव तहसील के मोहगांव बु. निवासी सोमेंद्र छगनलाल पटले (33) ने गोरेगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत के अनुसार, 6 नवंबर की रात 10 बजे से 7 नवंबर की सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनकी मोबाइल दुकान के शटर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और विभिन्न कंपनियों के 37 एंड्रॉइड मोबाइल फोन चोरी कर लिए. इस मामले में गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया था. घटना की गंभीरता को देखते हुए




पुलिस अधीक्षक गोंदिया गोरख भामरे के निर्देश पर स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई. 9 नवंबर को स्थानीय अपराध शाखा की टीम को गोरेगांव और डुग्गीपार थाना क्षेत्र में आरोपियों की तलाश कर रही थी. इसी दौरान तकनीकी जानकारी और मुखबिर से सूचना मिली कि मोबाइल दुकान में चोरी की वारदात सड़क अर्जुनी तहसील के महसवानी निवासी एक विधि संघर्षरत बालक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर की है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भंडारा जिले के साकोली तहसील अंतर्गत किन्ही/मोखे गांव पहुंचकर तीनों संदिग्ध विधि संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया. पूछताछ में उन्होंने गोरेगांव स्थित मोबाइल दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने की बात स्वीकार की. उन्होंने चोरी के मोबाइल स्कूल बैग में छिपाकर रखने की जानकारी दी. इसके बाद पुलिस ने पंचों की उपस्थिति में एक बालक के घर से स्कूल बैग में रखे विभिन्न कंपनियों के कुल 37 एंड्रॉइड मोबाइल हैंडसेट जब्त किए. इनकी कीमत 5 लाख 25 हजार रु. बताई गई है. जांच गोरेगांव पुलिस कर रही है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे तथा स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में की गई.

## मलपुरी में 12 नवंबर को दृश्यम खड़ी शायरी का भव्य मुकाबला

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दीपावली पर्व के अवसर पर मंडई नवयुवक मंडल, मलपुरी की ओर से गुरुवार, 12 नवंबर को दृश्यम खड़ी शायरी के भव्य मुकाबले का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम रात 8 बजे शारदा चौक, ठाणेगांव रोड, मलपुरी में आयोजित होगा.

कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक विजय रहांगडाले के हाथों होगा. सह-उद्घाटक के रूप में कृष्णा सभापति जितेंद्र रहांगडाले उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंदिया जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मदन पटले करेंगे, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में जिला परिषद के पूर्व सदस्य विजयकी राणे उपस्थित रहेंगे. इस अवसर पर मंच पूजन माधुरी रहांगडाले, रमेश टेंभरे, खुमेंद्र रहांगडाले तथा प्रीति रामटेके के हाथों किया जाएगा. सह-मंच पूजन बाई.टी. कटरे, जयप्रकाश पटले, थानसिंग रहांगडाले, राज सोनेवाने तथा खडकसिंगा जगने की उपस्थिति में होगा।

## बाड़ लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, छह लोग घायल

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव थाना क्षेत्र के जामखारी गांव में बाड़ लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया. देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया. इस घटना में दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हो गए. घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं. दोनों पक्षों की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, जामखारी निवासी फिर्यादी दिनेश मंगलदास मेश्राम (43) ने बताया कि आरोपी राधेलाल होलीराम गणवीर, मयूर राधेलाल गणवीर और मोहित राधेलाल गणवीर अपने परिवार की महिला के साथ बाड़ को लेकर विवाद कर रहे थे. दिनेश विवाद शांत कराने पहुंचे तो राधेलाल ने उसके साथ कहासुनी करते हुए सिर के बाईं ओर ईंट मारकर घायल कर दिया. बीच-बचाव करने पहुंचे दिनेश की पत्नी निशा (30) व निखिल अनिल मेश्राम (23) के सिर पर भी आरोपियों ने ईंट से हमला कर उन्हें घायल कर दिया. इसके बाद गालीगलौज करते हुए दोबारा मारपीट की धमकी दी गई.वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से जामखारी निवासी राधेलाल होलीराम गणवीर (60) ने बताया कि, वे अपने घर के पास बाड़ में लकड़ियां लगा रहे थे. इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली पुस्तकला मेश्राम ने बाड़ में लकड़ियां लगाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया. इसके बाद दिनेश मंगलदास मेश्राम व मंगलदास महादेव मेश्राम भी वहां पहुंचे और गालीगलौज करने लगे. दिनेश और मंगलदास ने राधेलाल के सिर के दाईं ओर ईंट फेंककर मारी, बीचबचाव करने पहुंची उनकी पत्नी ललिता (60) और बेटे मोहित (25) के साथ भी लात-घूंसों से मारपीट कर धमकी दी गई. दोनों पक्षों की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार गायधने कर रहे हैं.

## चाय दुकान से नकद व कुलर चोरी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत रोंढा निवासी फिर्यादी नारायण जयपाल शहारे (75) अपनी पानगांव तलाब के पास स्थित चाय की दुकान बंद कर घर गया था. इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने उनकी दुकान में रखे 15 हजार रु. नकद व 3 हजार रु. कीमत का एक कुलर चुरा लिया, फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार वानखेडे कर रहे हैं.

## घायल व्यक्ति की मौत

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दवनीवाडा थाने के तहत दवनीवाडा निवासी संतोष झोलालाल श्रीवास (44) की चक्कर आने से वह घर के पास गिर गया. इस दौरान उसके सिर व कमर में चोट लग गई. उसे उपचार के लिए शासकीय अस्पताल गोंदिया में ले जाया गया. जहां से उसे मेयो हॉस्पिटल नागपुर रेफर किया गया. वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी सहायक फौजदार अश्फाक सिद्धीकी की शिकायत पर दवनीवाडा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार गुलाबदास तुरकर कर रहे हैं.

## वन विभाग के चार कैमरा ट्रैप चोरी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। वन्यजीवों की गणना और निगरानी के लिए जंगल में लगाए गए वन विभाग के चार कैमरा ट्रैप अज्ञात चोरों ने चुरा लिए, चोरी गए कैमरों की कुल कीमत करीब 60 हजार रु. बताई गई है. घटना अर्जुनी मोरगांव वन परिक्षेत्र के महागांव व बोंडगांव-देवी बीट के जंगल क्षेत्र में सामने आई है. जानकारी के अनुसार, फिर्यादी वनरक्षक अमित भिवाजी शहारे (37) बताया कि अखिल भारतीय गणना 2026 के तहत वन परिक्षेत्र अर्जुनी मोरगांव में 9 अक्टूबर 2026 को कैमरा ट्रैप एक्सरसाइज फेज के लिए लगाए गए थे. महागांव बीट के खुटाई क्षेत्र तथा बोंडगांव/देवी बीट के खोटरा जंगल परिसर में लगाए गए चार कैमरे अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिए, फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार मेंढे कर रहे हैं.

## दो घरों के ताले तोड़कर 56 हजार का माल उड़ाया

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। डुग्गीपार थाना क्षेत्र के सौंदड़ गांव में अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के आभूषण और नकदी समेत कुल 56 हजार रु. का माल चोरी कर लिया. घटना शुक्रवार की रात की है, दोनों घरों के परिवार बाहर गए होने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया.जानकारी के अनुसार, रेलवे कॉलोनी, सौंदड़ निवासी लोकेशकुमार मुन्नीराम मौणा (36) अपने परिवार के साथ राजस्थान जाने के लिए गोंदिया गए थे. इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया. चोरों ने सोने का मंगलसूत्र, सोने का पेंडेंट, सोने के 10 मोती, चांदी की दो जोड़ी पायल, लक्ष्मी माता की मूर्ति वाला चांदी का सिक्का तथा 50, 100 और 500 रु. के नोटों में रखे 15 हजार रु. नकद चुरा लिए, इसके अलावा विजय पटेल के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया. उनके घर से सोने की कान की बालियां, सोने का पेंडेंट और लक्ष्मी माता की मूर्ति वाला चांदी का सिक्का चोरी कर लिया गया. दोनों घरों से चोरी गए सामान की कुल कीमत 56 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार जागेश्वर इडके कर रहे हैं.

## कार की टक्कर से मासूम की मौत, माता-पिता गंभीर

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी-साखरीटोला-आमगांव मार्ग पर तेलीटोला के मोड़ पर तेज रफ्तार कार ने दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी. इस भीषण हादसे में चार वर्षीय बालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना 8 नवंबर की शाम करीब 7.30 बजे की है. मृत बालक का नाम पाऊलदीना निवासी रेहान महेंद्र मौजे (4) बताया गया है. वहीं घायल माता-पिता महेंद्र भोजराज मौजे (27) और मेघा महेंद्र मौजे (24) का अस्पताल में उपचार जारी है.जानकारी के अनुसार, महेंद्र मौजे रविवार शाम अपनी पत्नी मेघा और बेटे रेहान के साथ दीपावली के लिए कपड़े खरीदने साखरीटोला आए थे. खरीदारी के बाद तीनों दोपहिया वाहन क्र. एमएच 35 - एल 4718 से अपने गांव पाऊलदीना लौट रहे थे. इसी दौरान तेलीटोला में डरदोली के बीच स्थित घुमावदार मोड़ पर नागपुर से आमगांव की ओर जा रही फिएट कार क्र. एमएच 41 - बीडब्ल्यू 1223 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. दुर्घटना में महेंद्र और मेघा गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि चार वर्षीय रेहान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. घटना के बाद मौके पर मौजूद नागरिकों ने तत्काल सालेकसा पुलिस को सूचना दी. जानकारी मिलते ही साखरीटोला पुलिस चौकी के कर्मचारी खडसे घटनास्थल पहुंचे और 108 एंबुलेंस बुलाकर घायलों को उपचार के लिए गोंदिया के अस्पताल पहुंचाया. बताया जा रहा है कि घायल मेघा दो माह की गर्भवती है. हादसे की खबर पाऊलदीना गांव पहुंचते ही शोक की लहर फैल गई. सालेकसा पुलिस कार चालक शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है. तेलीटोला के इस खतरनाक मोड़ पर पिछले 10 से 15 दिनों के भीतर तीन से चार सड़क हादसे हो चुके हैं. यह मोड़ वाहन चालकों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है, स्थानीय नागरिकों ने मोड़ का चौड़ीकरण करने की मांग की थी, लेकिन जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा है. मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है.

## पोवार जागृति संस्था के अध्यक्ष बने बोपचे

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। पोवार जागृति प्रगतिशील संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है. संस्था के अध्यक्ष पद पर अनुप बोपचे का चयन किया गया है, जबकि अोम पटले उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं. सचिव पद पर राज सोनेवाने, महासचिव पद पर स्वानंद पारधी, कोषाध्यक्ष पद पर ओम कटरे निर्वाचित हुए हैं. इसके अलावा कानूनी सलाहकार को जिम्मेदारी एड. माधुरी रहांगडाले को सौंपी गई है. कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में रामकृपाल कटरे, धर्मराज रिनाईत, तारेंद्र रहांगडाले, पामेश्र टेंभरे, वाई. टी. कटरे, श्रीचंद पटले व शशिकला ठाकरे का चयन किया गया है. पोवार समाज ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी है. उन्होंने संस्था द्वारा समाज हित में कार्यों को नई दिशा देने तथा समाज की एकता, विकास और प्रगति के लिए प्रभावी रूप से कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया है.

## कोरे चेक व स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर के लिए युवक से मारपीट

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। कोरे चेक और स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाते हुए एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है. आरोपियों ने युवक को इसी मामले में फंसाने की धमकी भी दी. इतना ही नहीं, उसके मोबाइल फोन में मौजूद जानकारी भी डिलीट कर दी. यह घटना रामनगर थाना क्षेत्र के कुशवा स्थित आयुर्वेदिक महाविद्यालय के सामने मंगलवार शाम 5 से 6 बजे के दौरान घटित हुई.जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी फिर्यादी संदीप संजय नशीने (36) अपने मित्र के साथ चाय पीकर घर लौट रहा था. इसी दौरान आरोपी शिवासकुंतल जायस्वाल ने उसे रोककर अपने वाहन पर बैठाया और दुर्गा पोहेवाला ले गया, वहां उसने अपने भाई शिवराम रमाकांत जायसवाल (32) को बुलाया. शिवराम ने संदीप से उसके भाई के पैसे नहीं लौटाने की बात कहते हुए दोगुनी रकम की मांग की और गालीगलौज की. इसके बाद संदीप को वाहन से मनोहर चौक ले जाया गया, जहां यादव स्टांप विक्रेता से स्टांप खरीदकर उसे तहसील कार्यालय ले जाया गया. वहां कोरे स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर करने के साथ ही कोरे चेक पर भी हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया. संदीप द्वारा हस्ताक्षर करने से इनकार करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की. साथ ही हस्ताक्षर नहीं करने पर जान से मारने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी. आरोप है कि इस दौरान उसके मोबाइल फोन में मौजूद डेटा भी नष्ट कर दिया गया. इस मामले में रामनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार राजू वनवे कर रहे हैं.

## रबी सीजन के सिंचाई पानी के किसानों का एल्गार

ईसापुर-इंटखेड़ा जल उपभोक्ता संस्था की बैठक में आंदोलन की रणनीति तय

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दीपावली के लक्ष्मी पूजन के दिन भी अर्जुनी मोरगांव तहसील के किसानों को रबी सीजन के सिंचाई पानी की चिंता सता रही है. इटियाडोह बांध के पानी पर निर्भर रबी फसलों के लिए बेहद सीमित सिंचाई लक्ष्य निर्धारित किए जाने से किसानों में नाराजगी है. इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा और आगे की रणनीति तय करने के लिए रविवार को वडेगांव रेलवे स्थित सुभाष खुने की राइस मिल में ईसापुर-इंटखेड़ा जल उपभोक्ता संस्था के अंतर्गत आने वाले किसानों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई.

अध्यक्षता धान उत्पादक किसान संगठन के अध्यक्ष ललित बालबुद्धे की प्रमुख उपस्थिति में हुई इस बैठक में राकेश पवार, सुभाष खुने सहित जलाशय क्षेत्र और लिफ्ट सिंचाई योजना का लाभ लेने वाले बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे. इटियाडोह बांध के रबी सिंचाई संबंधी 3 अक्टूबर 2026 के पत्र के अनुसार, अर्जुनी मोरगांव तहसील के लिए 3030 हेक्टेयर तथा वडसा तहसील के लिए 2020 हेक्टेयर सिंचाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. किसानों का कहना है कि इतनी कम सिंचाई क्षमता में किन किसानों को पानी दिया जाए और किन्हें वंचित रखा जाए, यह जल उपभोक्ता संस्थाओं के सामने बड़ी चुनौती बन गई है.

### कम से कम 9 हजार हेक्टेयर की मांग

बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद अर्जुनी मोरगांव तहसील के संपूर्ण रबी सीजन के लिए सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया. किसानों के अनुसार, पिछले रबी सीजन में 12,500 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का लाभ मिला था. इस वर्ष भी कम से कम 9 हजार हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सिंचाई का लक्ष्य निर्धारित करने की मांग की गई, ताकि जलाशय क्षेत्र और लिफ्ट सिंचाई क्षेत्र के सभी किसानों को राहत मिल सके. इस मांग को लेकर किसान संगठन के अध्यक्ष ललित बालबुद्धे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इटियाडोह सिंचाई प्रबंधन विभाग, अर्जुनी मोरगांव तथा गोंदिया के जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा. साथ ही तहसील को सूखाग्रस्त घोषित नहीं किए जाने के बावजूद जल भंडारण आरक्षित रखने के निर्णय और संबंधित शर्तों पर पुनर्विचार करने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी जाएगी.

## कपड़े की दुकान में भीषण आग

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। शहर के गणेशनगर में एलआईसी कार्यालय के बाजू स्थित आकाश रेडिमेड कपड़ों की दुकान में सोमवार, 9 नवंबर की रात करीब 8.30 बजे अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा लाखों रु. का कपड़ा जलकर खाक हो गया. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, शॉर्ट सर्किट से दुकान की दूसरी मंजिल पर आग लगने की आशंका जताई जा रही है.



जानकारी के अनुसार, गणेशनगर में एलआईसी कार्यालय के पास आकाश लालवानी की आकाश रेडिमेड नाम से थोक कपड़ों की दुकान है. दीपावली का त्योहार होने के कारण सोमवार को दुकान जल्दी बंद कर सेंचालक घर चले गए थे. इसी दौरान रात करीब 8.30 बजे शॉर्ट सर्किट से दुकान की दूसरी मंजिल पर आग लग गई. इससे वहां रखे कपड़ों में आग लग गई. कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया. दुकान से उठती आग की लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के नागरिकों ने तत्काल दुकान संचालक को सूचना दी. जानकारी मिलते ही आकाश लालवानी दुकान पहुंचे और दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया. करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन, तब तक दुकान में रखा लाखों रु. का कपड़ा जलकर राख हो चुका था. दीपावली के दूसरे दिन हुई इस घटना से व्यापारियों में चिंता का माहौल है.

## नवरगांव में धम्मचक्र अनुवर्तन दिवस समारोह कल

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। महाकारुणिक सिद्धार्थ बुद्ध विहार समिति, नवरगांव (कला) की ओर से बुधवार, 11 नवंबर को धम्मचक्र अनुवर्तन दिवस समारोह का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम आई रमाई सांस्कृतिक परिसर, नवरगांव (कला), तहसील व जिला गोंदिया में होगा. समिति की ओर से समारोह की तैयारियां की गई हैं और नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है. कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे पंचशील ध्वजारोहण और सामूहिक बुद्ध वंदना से होगी. शाम 6 बजे धम्म समारोह आयोजित किया जाएगा. समारोह का उद्घाटन गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल करेंगे। पंचायत समिति गोंदिया के सभापति मुनेशभाऊ रहांगडाले के हाथों दीप प्रज्वलन किया जाएगा. अध्यक्षता उद्योगपति संजयभाऊ शेंडे (दागोटोला) करेंगे. प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में बौद्ध सामूहिक विवाह समिति, गोंदिया के अध्यक्ष घनश्यामजी पानतावणे उपस्थित रहेंगे. प्रमुख अतिथियों में जिला परिषद सदस्य लक्ष्मीताई तरोने, ग्राम पंचायत नवरगांव कला के सरपंच कार्तिकभाऊ हेमने, सावन बहेकार, तोमेश्री कटरे और मीनाक्षी चारलिंगे सहित अन्य गणमान्य शामिल होंगे. रात 9 बजे सुप्रसिद्ध गायिका निशा खोंगडे (चंद्रपुर) की ओर से भीम-बुद्ध गीतों का निःशुल्क प्रबोधनात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा, इसके साथ ही सुप्रसिद्ध गायक विकास राजा (नागपुर) की विशेष प्रस्तुति भी होगी. समिति ने नागरिकों से धम्म समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है.

## मुरदोली गेट पर उमड़ा सैलानियों का सैलाब

### बाघ-तेंदुए के दीदार से रोमांचित हुए पर्यटक, वन्यजीव बने आकर्षण का केंद्र

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दीपावली की छुट्टियों के बीच नवेगांव-नागझिरा वन्यजीव अभयारण्य के मुरदोली गेट पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ने लगी है. बाहर से अपने घर लौटे नागरिक परिवार सहित जंगल सफारी का आनंद लेने बड़ी संख्या में मुरदोली पहुंच रहे हैं. पर्यटकों की बहुती संख्या से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां भी तेज हो गई हैं.

मुरदोली वन परिक्षेत्र इन दिनों वन्यजीवों की मौजूदगी के चलते पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है. क्षेत्र में स्थित बंड तालाब के समीप हाल ही में बाघ दिखाई दिया, वहीं 10 नवंबर की सुबह पर्यटकों को तेंदुए के भी दर्शन हुए. जंगल के बीच अचानक बाघ और तेंदुए दिखाई देने से



सफारी पर निकले पर्यटकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. मुरदोली क्षेत्र में केवल बाघ और तेंदुआ ही नहीं, बल्कि भालू, सांभर, चीतल, नीलगाय, बारहसिंगा सहित विभिन्न प्रजातियों के पक्षी भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. घने जंगल, हरियाली और प्राकृतिक वातावरण सफारी के रोमांच को और बढ़ा रहे हैं. मुरदोली गेट पर उमड़ रही भीड़ और लगातार हो रहे वन्यजीवों के दीदार ने इस पर्यटन क्षेत्र को इन दिनों खास गुलजार कर दिया है.

### जंगल सफारी का बढ़ा क्रेज

दीपावली के अवकाश के चलते परिवारों और प्रकृति प्रेमियों में जंगल सफारी को लेकर खासा उत्साह है. प्राकृतिक वातावरण के बीच वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक रहवास में देखने का अवसर पर्यटकों के लिए यादगार अनुभव बन रहा है. वन्यजीवों की लगातार हो रही मौजूदगी के चलते आने वाले दिनों में भी मुरदोली गेट पर पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है.

### सुबह-शाम सफारी का समय निर्धारित

वन विभाग द्वारा जंगल सफारी के लिए सुबह 5.30 बजे से 10.00 बजे तक तथा शाम 3.00 बजे से 6.30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है. पर्यटकों की बहुती भीड़ को देखते हुए वन विभाग द्वारा जंगल व वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ पर्यटन व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

## अब 16 नवंबर से शुरू होगी सरकारी धान खरीदी

### बीम पोर्टल में तकनीकी दिक्कत और नए बदलाव से प्रक्रिया में देरी; 23 हजार किसानों ने कराया पंजीयन

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। धान खरीदी के ऑनलाइन बीम पोर्टल में तकनीकी दिक्कत और नए बदलावों के कारण जिले में सरकारी धान खरीदी अब तक शुरू नहीं हो सकी है। फिलहाल पोर्टल में किए गए बदलावों को लेकर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रक्रिया अगले छह दिन तक चलेगी। ऐसे में जिला मार्केटिंग फेडरेशन के धान खरीदी केंद्रों पर 16 नवंबर से खरीदी शुरू होने की संभावना विभागीय अधिकारियों ने जताई है। किसानों को समर्थन मूल्य से कम दाम पर धान बेचने की नौबत न आए, इसके लिए शासन जिला मार्केटिंग फेडरेशन और आदिवासी विकास महामंडल के माध्यम से खरीदी केंद्रों पर धान खरीदता है। इस वर्ष शासन ने धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है। आमतौर पर हल्के धान की आवक अक्टूबर से शुरू होने के साथ ही सरकारी खरीदी भी प्रारंभ हो जाती है, लेकिन इस बार शासनादेश जारी होने में देरी और पोर्टल में बदलाव के चलते प्रक्रिया पिछड़ गई। खरीफ सीजन के पहले चरण में जिला मार्केटिंग फेडरेशन को 13 लाख क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है। जिले के 165 केंद्रों के माध्यम से खरीदी की जाएगी। पोर्टल में हुए बदलावों की जानकारी अधिकारियों और केंद्रों के कर्मचारियों को देने के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। आठ में से दो तहसीलों के कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, जबकि शेष छह तहसीलों में प्रशिक्षण की प्रक्रिया जारी है।

### 1.30 लाख किसानों का पंजीयन बाकी

सरकारी केंद्रों पर समर्थन मूल्य से धान बेचने के लिए किसानों की ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिले में अब तक 23 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जबकि करीब 1 लाख 30 हजार किसानों का पंजीयन होना बाकी है।

बीम पोर्टल में इस वर्ष नए बदलाव किए गए हैं। कर्मचारियों को इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी वजह से खरीदी में विलंब हुआ है। 16 नवंबर से धान खरीदी शुरू की जाएगी।

## सावरटोला में 19 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

### मुस्कान की मौत से गांव में शोक; प्रेम प्रसंग के पहलू से भी जांच कर रही पुलिस

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। सर्मापस्था सावरटोला गांव में सोमवार (9 नवंबर) की रात 9 से 10 बजे के बीच 19 वर्षीय युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मुस्कान दिलीप मेश्राम (19) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो सकता है। अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना के समय मुस्कान के परिवार के सदस्य पड़ोस में रहने वाले उसके बड़े पिता अरविंद मेश्राम के घर आयोजित भजन कार्यक्रम में गए थे। मुस्कान घर पर अकेली थी। इसी दौरान सौंदड़ निवासी एक युवक के साथ उसकी व्हॉट्सऐप पर बातचीत चल रही थी। परिजनों के मुताबिक, बातचीत के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। रात में सब्जी लेने घर पहुंचे रिश्तेदारों को मुस्कान के कमरे का दरवाजा बंद मिला। आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने परिवार को सूचना दी। मां और भाई घर पहुंचे। भाई ने खिड़की से देखा तो मुस्कान फांसी पर लटकी हुई थी। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और तत्काल ग्रामीण अस्पताल नवेगांवबांध पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मुस्कान का मोबाइल फोन पुलिस ने कब्जे में लिया है।

### आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने की मांग

मुस्कान लाखांद्दर के महाविद्यालय में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी और पढ़ाई में होनहार बताई जा रही है। उसका सौंदड़ निवासी रोहित दहिवले के साथ व्हॉट्सऐप पर संवाद होता था। परिजनों ने संबंधित युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने की मांग की है। पुलिस मोबाइल में हुई बातचीत की जांच और संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना से सावरटोला गांव में शोक व्याप्त है।

# आर्यवीर सहवाग के शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप में बनाये 7 विकेट पर 309 रन

मस्कट। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग के शानदार शतक से भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ मुकाबले में बनी हुई है। इस अहम मैच में आर्यवीर ने दबाव के बीच ही शतक लगाकर भारतीय टीम की टूर्नामेंट में उम्मीदों को बनाये रखा है। इस मैच में हार का मतलब टूर्नामेंट से बाहर होना है। ऐसे में आर्यवीर का शतक भारत के लिए अहम माना जा रहा है। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 309 रन बनाए। इसमें आर्यवीर सहवाग की 160 रनों की पारी का मुख्य योगदान रहा

इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर जीज पर उतरे आर्यवीर ने 131 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में इस बल्लेबाज ने 13 बेहतरीन चौके और 2 छक्के लगाये। टीम का पहला विकेट 62 रन पर गिरा जब कप्तान लक्ष्य राजेश रायचंदानी 17 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। ऐसे कठिन हालातों में भी आर्यवीर जमे रहे। उन्होंने विकेट हालातों के अनुरूप खेलते हुए अपनी पारी को आगे बढ़ाया, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर की ओर बढ़ सके।

यह मुकाबला अंडर-19 टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज का भारत के लिए तीसरा और अंतिम मैच है। शुरुआती दो मैचों में टीम इंडिया ने एक में जीत दर्ज की है, जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रदर्शन के साथ टीम 2 अंकोंके साथ अंक तालिका में दूसरे पायदान पर है। यूएई के पास भी 2 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते भारतीय टीम उनसे आगे है।



ग्रुप में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान ने पहले ही अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है, और अब दूसरे क्वालीफिकेशन स्पॉट के लिए भारत और यूएई के बीच कड़ी टक्कर है। इस निर्णायक मुकाबले को जीतने वाली टीम 4 प्वाइंट्स के साथ अगले राउंड में प्रवेश कर लेगी, जिससे इस मैच का महत्व और भी बढ़ जाता है।

टूर्नामेंट में आर्यवीर ने इससे पहले 06 नवंबर को नेपाल के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने नाबाद 70 रनों की शानदार पारी खेली थी। पाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच में वह सिर्फ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन यूएई के खिलाफ यह शतक यह साबित करता है कि वे बड़े मुकाबलों में दबाव को संभालने की क्षमता रखते हैं।

# अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज रहमान के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

## एक ही टेस्ट की दोनो पारियों में 150 से अधिक रन दिये

शारजाह। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट मैच में अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज जिया-उर-रहमान के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में रहमान ने अपनी गेंदबाजी के दौरान कुल 343 रन दिये और वह 149 साल के टेस्ट इतिहास के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन दिए हैं। 28 रहमान ने इस ऐतिहासिक मैच में कुल चार विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 170 रन देकर दो विकेट लिए, जिसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 173 रन देकर दो विकेट लिए। इस तरह, अफगानिस्तान के लिए अपना छठा टेस्ट मैच खेल रहे रहमान ने कुल 343 रन देकर सभी को हैरान कर दिया। गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट का पहला मैच 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ था तब से लेकर आज तक, किसी भी गेंदबाज ने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन नहीं दिए थे। . वहीं रहमान 343 रन देकर एक अनचाहे क्लब का हिस्सा बन गये हैं।



वहीं टेस्ट मैच की एक पारी में सबसे महंगे गेंदबाजी आंकड़ों का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज चक फ्लीटवुड-स्मिथ के नाम है, जिन्होंने अगस्त 1938 में द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में 87 ओवर फेंकते हुए 298 रन खर्च किए थे. इसके बाद अगस्त 1997 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ भारत के राजेश चौहान ने 78 ओवरों में 276 रन दिए थे. हालाँकि, इन व्यक्तिगत पारी के आंकड़ों से अलग, जिया-उर-रहमान का रिकॉर्ड दोनों पारियों में अत्यधिक रन देने का है, जो किसी के नाम नहीं है।

उन्होंने इस मैच में तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल भी किया। इस सूची में सबसे ऊपर वेस्टइंडीज के महान गेंदबाज टॉमी स्कॉट हैं, जिन्होंने 1930 में किंग्सटन में इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में रिकॉर्ड 374 रन दिए थे. दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के जेसन क्रेजा हैं, जिन्होंने 2008 में नागपुर में भारत के खिलाफ 358 रन लुटाए थे। कुल मिलाकर, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक केवल छह गेंदबाजों ने सात बार 300 से अधिक रन दिए हैं, जिसमें जिया-उर-रहमान का नाम भी शामिल हो गया है।

# टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने

## मुश्फिकुर रहीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने टेस्ट क्रिकेट में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट फॉर्मेट में 7000 रन पूरे करने वाले बांग्लादेश के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह ऐतिहासिक कारनामा वेस्टइंडीज के खिलाफ सिल्हट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में हासिल किया। इस पारी में सिर्फ 9 रन बनाते ही रहीम ने 7000 टेस्ट रनों का आंकड़ा छू लिया, जिससे उनका नाम बांग्लादेशी क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। सिल्हट टेस्ट में बांग्लादेश को चौथी पारी में 387 रनों का विशाल लक्ष्य मिला था। बांग्लादेश का दूसरा विकेट महज 40 रनों पर गिर गया, जिसके बाद मुश्फिकुर रहीम नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने आए और अपनी पारी के शुरुआती 9 रन बनाते ही इस ऐतिहासिक मील के पत्थर पर पहुंच गए। पहली पारी में वह 34 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में उनकी यह छोटी सी पारी उनके करियर का सबसे बड़ा क्षण बन गई।



यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुश्फिकुर रहीम के अलावा कोई भी अन्य बांग्लादेशी बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 6000 रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर मोमिनुल हक हैं, जिनके नाम 5293 रन हैं, जबकि तमीम इकबाल 5134 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यह आंकड़े रहीम की निरंतरता और टेस्ट क्रिकेट में उनके योगदान को खूबी दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, मुश्फिकुर रहीम बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज भी हैं। बतौर विकेटकीपर उन्होंने अब तक 3515 रन बनाए हैं, और इस सूची में भी वह सबसे आगे हैं। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने बतौर विकेटकीपर 2990 रन बनाए हैं। दूसरे टेस्ट मैच की बात करें तो, वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 356 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 386 रन बनाकर पहली पारी में 30 रनों की मामूली बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में कार्लेम हॉज के शानदार 142 रनों की बदौलत 398 रन बनाकर घोषित की, जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 387 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य मिला।

# आईपीएल 2027 ट्रेड विंडो में बड़ी अदला-बदली की चर्चा

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड डील) का दौर तेजी से चल रहा है। अब तक आठ ट्रेड डील की जा चुकी हैं, और कुछ बड़ी डीलों की घोषणा होना बाकी है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस से हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स जाएंगे, और उनकी जगह अर्शदीप सिंह पंजाब से मुंबई में आएंगे, हालांकि इस डील पर मुहर लग चुकी है, लेकिन अभी इसका औपचारिक एलान नहीं हुआ है। अब एक और बड़ी ट्रेड डील सामने आई है जिसकी चर्चा जोर-शोर से हो रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होंगे। वहीं, लखनऊ से निकोलस पूरन या जोश इंग्लिस राजस्थान रॉयल्स में आ सकते हैं। इस तरह, लखनऊ और राजस्थान के बीच तीन खिलाड़ियों की अदला-बदली होने की संभावना है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यशस्वी जायसवाल के साथ संदीप शर्मा और विग्नेश पुथूर भी लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो सकते हैं। इस ट्रेड डील के जरिए जोश इंग्लिस या निकोलस पूरन, प्रिंस यादव के साथ राजस्थान रॉयल्स में जा सकते हैं। कुछ दिन पहले राजस्थान और लखनऊ के बीच इस ट्रेड डील को लेकर शुरुआती चर्चा हुई थी। हालांकि, अभी तक दोनों ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है, जिससे यह अभी अटकलों का विषय बना हुआ है। लखनऊ और राजस्थान की इस ट्रेड डील के अलावा, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच भी एक संभावित डील चर्चा में है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि गुजरात टाइटंस ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के बदले फिनिशर आशुतोष शर्मा को लेने की डील दिल्ली कैपिटल्स को ऑफर की है।

# राहुल के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव को सही नहीं मानते दिग्गज

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम में हुए बदलाव को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। कुछ विशेषज्ञों ने टीम प्रबंधन के इस फैसले पर निराशा जताई है। वहीं अन्य दिग्गजों ने इसे एक सोची-समझी रणनीतिक चाल बताया है। यह बहस तब शुरू हुई जब भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 39 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। रही थी और इस नाजुक स्थिति में केएल राहुल से पहले ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया।

इस मैच में अक्षर विफल रहे थे। हालांकि उन्होंने पहले भी कठिन हालातों में मैं बल्लेबाजी संभाली थी पर इस बार वह न्यूजीलैंड के धारदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने बेबस दिखे। पिच की असमान उछाल और शॉर्ट-पिच गेंदों के सामने वह टिक नहीं पाये और 17 गेंदों में केवल सात रन ही बना पाये। वहीं गए, जब अक्षर के आउट होने के बाद राहुल क्रीज पर आए, तो पिच पर काफी सहज नजर आए, जहां दोनों टीमों के ज्यादातर बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी हो रही थी। राहुल के इस प्रदर्शन ने उन्हें बल्लेबाजी क्रम में इतना नीचे भेजने के फैसले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

कुछ पूर्व क्रिकेटरों और खेल



जानकारों ने टीम प्रबंधन के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि राहुल एक अनुभवी और स्थापित बल्लेबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए तीसरे और चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक बनाए हैं। ऐसे में उन्हें निचले क्रम में सीमित भेजन गलत था। ये उनकी क्षमता का उपयोग नहीं करना है। इन जानकारों का मानना है कि राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे जो दूसरे एकदिवसीय में कठिन हालातों में भी सहज दिख रहे थे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जब परिस्थितियां कठिन होती हैं तो अक्सर विराट कोहली और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी ही आगे आकर टीम को संभालते हैं। उन्होंने अक्षर की राहुल से ऊपर भेजने के फैसले के पीछे के तर्क को भी गलत बताया।

वहीं अन्य पूर्व कप्तानों और विशेषज्ञों की राय इस मामले में अलग थी। उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों की लय तोड़ने के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाजों से पहले बाएं हाथ के बल्लेबाज को भेजने के विचार का समर्थन किया है। इन जानकारों ने बताया है कि जब कोई बाएं हाथ का बल्लेबाज क्रीज पर आता है, तो गेंदबाजों को अपनी लाइन और लेंथ में बदलाव करना पड़ता है, जो वे दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए निर्धारित करते हैं। ऐसा करने की कोशिश में, उनकी लाइन दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए भी थोड़ी बदल सकती है, जिससे रन बनने के अधिक अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि इस रणनीतिक सोच में कुछ भी गलत नहीं था। ऐसे में अगर अक्षर रन बनाने में सफल रहते, तो इसे बेहतरीन कप्तानी कहा जाता।

## प्रधानमंत्री ने देश के 100वां ग्रैंडमास्टर बने अनुज को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 साल के अनुज श्रीवाडी को भारत का 100वां शतरंज ग्रैंडमास्ट बनने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने अनुज की इस उपलब्धि पर प्रशंसा करते सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक पूरा किया है। अब देश में 100 ग्रैंडमास्टर्स हो गये है। भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज को बधाई। यह कितनी शानदार उपलब्धि है। उन्होंने लिखा, भारत के लिए 100 ग्रैंडमास्टर्स तक पहुंचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जो हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ-साथ हमारे युवाओं में शतरंज के प्रति बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है। प्रधानमंत्री ने लिखा, देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाओं को उभरते हुए और वैश्विक स्टेज पर अपनी पहचान बनाते हुए देखना खास खुशी की बात है। उम्मीद है कि यह उपलब्धि और भी कई युवाओं को शतरंज में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

# वेस्टइंडीज-बांग्लादेश टेस्ट ड्रॉ होने से डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में आया बदलाव

सिलहट। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच खेले गये दूसरे और अंतिम टेस्ट के ड्रॉ होने से वेस्टइंडीज ने सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस परिणाम से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की अंकतालिका में भी बदलाव आया है। भारतीय टीम के स्थान में हालांकि कोई बदलाव नहीं आया है और वह चौथे स्थान पर ही बरकरार है।

इस ड्रॉ के कारण, डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में वेस्टइंडीज का प्रतिशत अंक (पीसीटी) 26.92 से बढ़कर 27.38 हो गया है, जिससे वह फिलहाल 9 टीमों की तालिका में आठवें स्थान पर है। कैरेबियन टीम इस सूची में श्रीलंका से थोड़ा पीछे है, जो 33.33 पीसीटी के साथ सातवें स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश के लिए यह ड्रॉ निराशाजनक रहा, क्योंकि उसका पीसीटी 47.62 पे घटकर 45.83 रह गया है। इस गिरावट ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को और भी झटका दिया है।

अंकतालिका में न्यूजीलैंड 72.22 पीसीटी के साथ नंबर एक बरकरार है। वहीं दक्षिण अफ्रीका 71.43, ऑस्ट्रेलिया 61.23 और भारत 51.51 अंक लेकर दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। वहीं अंतिम स्थान पर न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के पीछे पांचवें स्थान पर फिसल गयी है। भारतीय टीम इस चक्र में अब तक कुल 11 मैच खेल चुकी है, जिनमें उसने 5 जीत और चार हार दर्ज की हैं, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

# खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने पर हॉकी सीरीज खेलने न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के अवसर पर इसी माह दोनों ही टीमों के बीच एक सीरीज खेली जाएगी। दोनें टीमें तीन मैच खेलेंगी। इसके लिए हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी हॉकी स्टेडियम में दी गयी है। भारतीय टीम इस दौरे के तहत 15 से 23 नवंबर तक न्यूजीलैंड में ही रहेगी, इस दौरान सभी तीन मुकाबले ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह सीरीज भारतीय हॉकी के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इससे युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का एक अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम में अंडर-21 खिलाड़ियों के साथ-साथ भारत ए के कई उभरते खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। इससे आने वाले समय के लिए एक मजबूत बेंच स्ट्रेंथ भी तैयार होगी।

भारतीय टीम के कप्तान बने संजय ने पेरिस ओलंपिक में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और अब उन्हें युवा टीम की कमान सौंपी गयी है। उनकी कप्तानी में टीम न्यूजीलैंड की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य सिर्फ जीत हासिल करना ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अनुभव देना भी है। टीम में दो गोलकीपर, डिफेंडर, मिडफील्डर और फॉरवर्ड सहित विभिन्न विभागों के खिलाड़ी शामिल हैं, जो टीम की संतुलित और मजबूत बनाते हैं।

यह दौरा केवल एक खेल सीरीज से कहीं अधिक है; यह भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों की एक सदी पूरी होने का ऐतिहासिक अवसर है। साल 1926 में महान भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली किसी भी खेल में पहली भारतीय टीम बनी थी थी। अब, लगभग 100 साल बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड जा रही है।

सीरीज का पहला मैच 19 नवंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 21 नवंबर को सुबह 8:30 बजे और तीसरा व अंतिम मुकाबला 22 नवंबर को सुबह 6:30 बजे होगा। ये सभी मैच ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे, जिससे प्रशंसकों को रोमांचक और उच्च-स्तरीय हॉकी देखने का मौका मिलेगा। इस दौरे से भारतीय टीम के युवाखिलाड़ियों का कौशल निखारने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

गोलकीपर- मोहित एचएस, पवन

# महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए भारतीय टीम घोषित, सलीमा होंगी कप्तान

## सविता पूनिया की जगह बंसरी सोलंकी शामिल

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह मिडफील्डर सलीमा टेटे करेंगी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होगी।

सलीमा को पहली बार कप्तानी मिली है। वहीं सविता को टीम में भी जगह नहीं दी गयी है। सविता की जगह पर बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम को गोलकीपर के तौरपर रखा गया है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपनी खिताब का बचाव करने उतरेगी। भारतीय टीम ने साल 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीते हैं। अब उसका लक्ष्य खिताब की हैट्रिक लगाना रहेगा।



इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मेजबान भारतीय टीम के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया की टीमें भी खेलेंगी। ये टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा, जहाँ प्रत्येक टीम अन्य पाँच टीमों से एक बार भिड़ेगी। लीग स्टेज के अंत में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम के मुख्य कोच चीफ कोच शोर्ड मारिन ने कहा, यह एक ऐसा मौका है जब में अन्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर स्टेज पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देना चाहता हूँ। कुछ खिलाड़ियों को उनकी सामान्य पोजीशन से हटकर अन्य भूमिकाओं में आजमाने का भी विचार है, ताकि हम देख सकें कि वे अलग रोल में कैसा प्रदर्शन करते हैं। हम घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।

भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय महिला टीम का मुकाबला 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा। मुकाबले का सेमीफाइनल 27 नवंबर को और फाइनल 28 नवंबर को खेला जाएगा।

### टीम इस प्रकार है

गोलकीपर बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम

डिफेंडर निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू, लालथांतलुआंगी, पूजा साहू

मिडफील्डर रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका

फॉरवर्ड नवनीत कौर, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेमसियामी, मुमताज खान।

# न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के बाद टीम इंडिया में बड़े बदलाव

## अय्यर संभालेंगे कप्तानी और कोचिंग स्टाफ में भी फेरबदल

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे वनडे मैच के बाद टीम इंडिया में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जो आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। मंगलवार, 10 नवंबर को होने वाले इस मैच के बाद, श्रेयस अय्यर चौथे और पांचवें वनडे मैच के लिए भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग स्टाफ में भी रणनीतिक बदलाव किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, हेड कोच गौतम गंभीर और स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले चौथे और पांचवें वनडे मैच के लिए टीम के साथ मार्ट माउंगनुई जाएंगे। वहीं, बैटिंग कोच सीतांशु कोटक और तेज गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल वेलिंगटन में होने वाले प्री-सीरीज कैंप में टेस्ट स्क्वॉड के साथ जुड़ेंगे। यह बदलाव न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।

कोटक ने यह भी बताया कि भारत की वनडे टीम के तीन तेज गेंदबाज संभवतः गुरनूर बरार, आकिब नबी और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम की मदद के लिए नेट बॉलर और रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर न्यूजीलैंड में ही रुकेंगे। भारतीय टीम की इस योजना के तहत, कोटक और मॉर्ने मोर्केल और कुछ अन्य स्टाफ के साथ वेलिंगटन जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि योजनाएं लचीली हैं और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव भी हो सकता है। कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों की फिटनेस और अभ्यास पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे वे टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।

कोटक ने यह भी बताया कि भारत की वनडे टीम के तीन तेज गेंदबाज संभवतः गुरनूर बरार, आकिब नबी और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम की मदद के लिए नेट बॉलर और रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर न्यूजीलैंड में ही रुकेंगे। भारतीय टीम की इस योजना के तहत, कोटक और मॉर्ने मोर्केल और कुछ अन्य स्टाफ के साथ वेलिंगटन जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि योजनाएं लचीली हैं और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव भी हो सकता है। कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों की फिटनेस और अभ्यास पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे वे टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।

# आने वाले समय में फुटबॉल मुकाबलों में भी स्टेडियम भरे रहेंगे -जॉन अब्राहम

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने कहा है कि आने वाले समय में फुटबॉल स्टेडियम भी दर्शकों से भरे नजर आयेंगे। जॉन अब्राहम अभिनेता होने के साथ ही एक फुटबॉल टीम के भी मालिक हैं। जॉन का कहना है कि वह ये बात हवा में नहीं कहा रहे हैं। उनका मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जिस प्रकार दर्शकों की संख्या बढ़ी है। वह दिखाता है कि अब लोग फुटबॉल भी देखना चाहते हैं। इसलिए आने वाले समय में भारी संख्या में लोग लगे भी देखने पहुंचेंगे। उनके अनुसार देश में फुटबॉल को देखने और पसंद करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गौरतलब है कि आईएसएल सत्र के शुरुआती सप्ताह में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छी प्रतिक्रिया रही। जॉन अब्राहम के मुताबिक, पहले सप्ताह के शुरुआती पांच मैचों को यूट्यूब पर 6.5 करोड़ व्यूज मिले, जबकि 5.2 करोड़ दर्शकों तक इसकी पहुंच बनी। इन आंकड़ों को भारतीय फुटबॉल के लिए वह सकारात्मक संकेत मानते हैं। जॉन ने कहा कि वह लोग के सभी मुकाबले देख रहे हैं और उन्हें काफी मजा आ रहा है। उन्होंने यूरोप पर मिल रही दर्शक संख्या को रिकॉर्ड तोड़ने वाला बताया। जॉन के मुताबिक, भारत में फुटबॉल के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है और वह दिन दूर नहीं जब स्टेडियम पूरी तरह दर्शकों से भरे नजर आएंगे।जॉन ने आईएसएल में अपनी टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का मुकाबला देखा। इस मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने चर्चिल ब्रदर्स को 2-0 से हराया।

# जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रौशनी का पर्व दीपावली जिले भर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।रविवार को लक्ष्मी पूजा के दिन जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में दीपावली पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया, जहा लोगों ने अपने-अपने घरों के सामने एक से बढ़कर एक आकर्षक डिजाइनों को रंगोली उकेरी, तो वही सह परिवार माता लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा अर्चना की।इस पर्व विशेष पर घरो को दीपक और रंगबिरंगी लाईटिंग से रौशन किया गया।माता लक्ष्मी जी का पूजन कर बच्चों ,बड़ो ,युवाओं और बुजुर्गों सहित महिलाओं ने भी पटाखे फोड़कर इस पर्व को मनाया।आपको बताए कि कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर दीपावली पर्व मनाया जाता है यह पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व धनतेरस के दिन से शुरू हो जाता है जो भाई दूज तक चलता रहता है।



## पटाखों की आवाज से गूंज उठा शहर

रविवार को दीपावली पर्व के अवसर पर सुबह से ही लोगों द्वारा घर को सजाने का कार्य शुरू कर दिया गया। घर को साफ सुथरा कर बच्चों एवं महिलाओं द्वारा घर आंगन में आकर्षक रंगोलियां बनाई गई, वही नये वस्त्र धारण कर रात्रि में माता लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई। माता लक्ष्मी के पूजन के बाद पटाखे फोड़े गए। शाम से ही लोगों द्वारा अपने-अपने घरों में दीप जलाकर व आकर्षक लाइटिंग कर घर को रोशनी से जगमग कर दिया गया था। बच्चों द्वारा फुलझड़ियों एवं पटाखों का खूब लुत्फ उठाया गया। पटाखों की आवाज से पूरा शहर गूंज उठा, जहा शाम से ही पटाखे फोड़ने का क्रम शुरू हुआ जो देर रात्रि तक जारी रहा।

## खरीददारी को लेकर मार्केट में रही भारी भीड़

दीपावली पर्व के अवसर पर वैसे तो खरीददारी 1 सप्ताह पूर्व से शुरू कर दी गई थी लेकिन दो-तीन दिनों से शहर में काफी भीड़ देखी जा रही है।रविवार को दीपावली के दिन बाजार में भारी भीड़ रही।दोपहर से गुजरी मार्केट और मेन रोड में रात्रि 10 बजे तक लोगों का जमावड़ा रहा, जहा लोगों ने पूजन सामग्री, नए वस्त्र, पटाखा मिठाईयां आदि की जमकर खरीददारी की।वही मिठाइयो के सभी प्रतिष्ठानों में दीपावली पर्व पर जमकर भीड़ देखी गई।

## लोगों ने की सुख-समृद्धि कामना

दीपावली पर्व पर सारा शहर दीपों की रोशनी से सज गया था। हर तरफ दीपों के प्रकाश, आतिशबाजियों की गूंज सुनाई दे रही थी। शहर दुल्हन की तरह सजा था। सभी तरफ खुशियों का माहौल रहा।कई शुभातिशुभ संयोगों के बीच उत्साह और उल्लास के उजाले में मां लक्ष्मी हर घर में सुख-समृद्धि का आशीष लेकर आई। इस वर्ष भी दीवाली का पर्व पूरे सौहार्द और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।दीपावली की रात शहर के हर घर रोशनी से सजे थे। गेंदे के फूलों की माला और आम की पत्तियों की तोरन दरवाजे पर बांधकर लक्ष्मीजी के स्वागत की विशेष तैयारियां की गई थी। शाम व रात को शुभ मुहूर्त पर सभी व्यापारियों और घरों में लक्ष्मी-गणेश, वही खातों और कुबेर धन की विधिवत पूजा अर्चना की गई।

## देर रात तक छाई रही रौनके

रविवार को सुबह से सभी व्यापारियों और मिठाई की दुकानों को पूरे साज-सज्जा के साथ सजाया गया था। दिनभर लोगों की भीड़ देखी गई। पटाखा दुकान, मिष्ठान और कपड़ा दुकान में भारी भीड़ रही, लोग खूब खरीदी करते देखे गए। देर रात तक लोगों ने पूरे उल्लास के साथ पर्व मनाया।

## रंग बिरंगी रंगोली से सजा शहर

दीपावली के दिन महिलाओं और युवतियों में भी साज-सज्जा को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। सुबह से महिलाएं घर-आंगन में लीपा-पोती और सफाई में व्यस्त नजर आई। जिन्होंने एक से बढ़कर एक लक्ष्मीजी, साईंबाबा, कार्टून और विशेष प्रकार की रंगोलियां उकेर कर घर में चार चांद लगाया। इन्हें देखते ही लोग मंत्र मुग्ध हुए। रंगोली के माध्यम से युवक-युवतियों ने वर्तमान परिदृश्य को प्रदर्शित किया।

## बच्चों में दिखा खासा उत्साह

दीपावली के दिन बच्चों में नए कपड़े पहनने का काफी उत्साह देखा गया। बाजार में अपने माता-पिता के साथ बच्चों ने विभिन्न प्रकार की नई डिजाईन और आकर्षक कपड़ों की खरीदी की। शाम को सभी बच्चे नए कपड़ों में नजर आए। सभी ने लक्ष्मीजी के स्वरूप की पूजा अर्चना भी की। इसके बाद सभी बच्चों ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए मिठाईयां खाकर और पटाखे जलाकर दीवाली पर्व उत्साह पूर्वक मनाया। वहीं जागरूक युवाओं ने इको फ्रेंडली तरीके से दीप पर्व मनाया।

## जगह जगह तैनात रहा पुलिस अमला

दुकानों में लगने वाली भीड़ को देखते हुये प्रशासन द्वारा चौपहिया वाहनों के लिए मार्ग डायवर्ट कर दिया गया था, वही मेन रोड़ में चौपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया था। जिसके चलते आवागमन ज्यादा बाधित नही हुआ।प्रशासन द्वारा त्यौहार को देखते हुए मार्केट में अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी, ताकि यातायात बाधित न हो और किसी प्रकार की घटना न हो। हालांकि लोगों की अधिक भीड़ होने के चलते जगह-जगह जाम की स्थिति भी नजर आई।

# बहू को मायके भेजने की बात पर भड़का बेटा, पिता से की धक्का-मुक्की-छोटे भाई को बांस के डंडे से पीटा

## पिता की रिपोर्ट पर बड़े बेटे के खिलाफ अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पाला में बहू को मायके भेजने की बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। गुस्से में आए बड़े बेटे ने पहले अपने पिता के साथ धक्का-मुक्की की और फिर बीच-बचाव करने आए छोटे भाई को बांस के डंडे से पीटकर घायल कर दिया। घायल युवक दीपेश पिता टेकचंद बिलोने को किरनापुर के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किरनापुर पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर आरोपी बेटे के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टेकचंद बिलोने अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी कलावाई के अलावा दो बेटे दीपक और दीपेश हैं। बड़ा बेटा दीपक अपनी पत्नी के साथ अलग रहता है। 15 दिन पहले ही दीपक के यहां डिलीवरी में बेटा हुआ है।9 नवंबर की रात्रि करीब 8 बजे टेकचंद अपने बेटे दीपक बिलोने, दीपेश बिलोने और पत्नी कलावाई के साथ बैठकर खाना खा रहे थे। इसी दौरान टेकचंद ने दीपक से कहा कि बहू को घर में ही रखो, मायके मत भेजो। इसी बात को लेकर दीपक गुस्सा हो गया।

आरोप है कि दीपक ने अपने पिता टेकचंद से कहा कि तुम मेरे परिवार के बारे में बोलने वाले कौन होते हो कहकर वह अश्लील गालियां देने लगा। गालियां सुनने में बहुत बुरी लग रही थीं। इसी के साथ दीपक ने अपने पिता टेकचंद के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी।तभी छोटा भाई दीपेश बीच-बचाव करने आया तो दीपक ने उसे भी अश्लील गालियां देते हुए बाहर आंगन में निकाल लिया। आंगन में दीपक ने घर के सामने रखा बांस का डंडा उठाकर दीपेश को मारना शुरू कर दिया। जिससे दीपेश जमीन पर गिर गया। इसके बाद भी दीपक ने दीपेश को हाथ, लात और मुक्कों से मारपीट की और जान से मार डालने की धमकी दे दी।इस घटना में दीपेश को सीने, गले, पीठ और सिर में चोटें आई हैं।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची, जिससे घायल दीपेश को किरनापुर अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया।किरनापुर पुलिस ने टेकचंद बिलोने 49 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बेटे दीपक बिलोने के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट करने और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# आज जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा भाई दूज का पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भाईबहन के प्यार का प्रतीक भाई दूज का पर्व बुधवार को जिला मुख्यालय सहित तहसील व अन्य ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस पर्व के दौरान बहनें अपने भाइयों के माथे को टीके से सजाकर उनका मुंह मीठा कराएगी,वही उपहार स्वरूप बहने नारियल, रुमाल, सहित अन्य सामग्री भेंट करेंगी।तो वही भाई भी अपनी बहनों को स्नेह स्वरूप विभिन्न तोहफे भेंट करेंगे।इस विशेष पर्व पर भाइयो के माथे टीको से सजे दिखाई देंगे।वही दिन भर बहनों का अपने भाइयों के यहां टीका लगाने के लिए पहुंचने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। जहां भाई दूज के इस पर्व पर माथे पर टीका लगाते हुए बहने ने अपने भाइयों के उज्वल भविष्य, उनकी सलामती, और दीर्घायु की कामनाएं करेंगी। इस पर्व विशेष एक दिन पूर्व मंगलवार को सुबह से ही नगर की दुकानों पर खरीदारी करने के लिए महिलाओं और युवतियों का तांता लगा रहा। जहा मिठाइयों से लेकर आकर्षक तोहफों की जमकर खरीदारी की गई।वही इस पर्व विशेष को मनाने के लिए भाइयों ने भी बहनों के लिए कपड़े ज्वेलरी अन्य गिफ्ट आइटम सहित तरह-तरह के तोहफों की खरीदारियां की।

# गोवर्धन पूजा पर सर्व राजस्थानी समाज ने सजाया भक्ति और परंपरा का अनूठा रंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली के पावन पर्व के तीसरे दिन गोवर्धन पूजा के अवसर पर धर्म, आस्था और सामाजिक एकजुटता का अनुपम संगम देखने को मिला। जिला मुख्यालय सहित जिले भर में गोवर्धन पूजा की धूम रही। मंदिरों और विभिन्न धार्मिक स्थलों पर विशेष पूजन-अर्चन के आयोजन किए गए। इसी कड़ी में गुजरी बाजार के समीप सर्व राजस्थानी समाज द्वारा पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट आस्था और सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं को जीवंत करते इस आयोजन में समाज के महिला-पुरुषों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

## पूजा अर्चना के साथ हुई कार्यक्रम की शुरुवात



अन्नकूट महोत्सव की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस दौरान भगवान को 56 प्रकार के स्वादिष्ट पकवानों का छप्पन भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। सुबह से ही आयोजन स्थल पर धार्मिक उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। भगवान को छप्पन भोग अर्पित करने के बाद महिला मंडली द्वारा एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजनों की मधुर स्वर लहरियों से पूरा परिसर कृष्णमय हो गया और श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।

## सात दिनों तक भगवान ने नहीं किया था अन्न ग्रहण, तभी से छप्पन भोग की परंपरा- ज्योति शर्मा

छप्पन भोग की धार्मिक मान्यता के संबंध में सर्व राजस्थानी समाज की अध्यक्ष ज्योति जुगल शर्मा ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार जब भगवान श्रीकृष्ण ने बजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर धारण किया था, तब उन्होंने लगातार सात दिनों तक अन्न ग्रहण नहीं किया था। गोवर्धन पर्वत उठने के बाद माता यशोदा ने उनके लिए 56 प्रकार के व्यंजन तैयार कर भोग लगाया था। मान्यता है कि तभी से भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित करने की परंपरा चली आ रही है,जिसका आज भी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ निर्वहन करते हैं।

# पुरानी रंजिश पर दो युवको ने उप सरपंच से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बड़गांव में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने गांव के उप सरपंच के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया और जान से मार डालने की धमकी देकर मौके से भाग गए। मारपीट में घायल उप सरपंच ओमप्रकाश बिरनवार पिता राधेश्याम बिरनवार 31 वर्ष का इलाज किरनापुर के शासकीय अस्पताल में कराया गया है। किरनापुर पुलिस ने उप सरपंच की रिपोर्ट पर आमगांव निवासी दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश बिरनवार अपने गांव बड़गांव की ग्राम पंचायत के उप सरपंच हैं। उनकी आमगांव में रहने वाले अरुण पांचे और अतुल पांचे के साथ पूर्व से रंजिश चली आ रही थी।9 नवंबर की रात करीब 10 बजे ओमप्रकाश बिरनवार पंचायत के सामने खड़े होकर सतीश नगपुरे से बातचीत कर रहे थे। वहां पर अन्य बच्चे भी मौजूद थे। इसी दौरान अरुण पांचे 28 वर्ष और अतुल पांचे 26 वर्ष दोनों वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर उप सरपंच ओमप्रकाश बिरनवार को अश्लील गालियां देने लगे।ओमप्रकाश ने उन्हें गाली देने से मना किया तो दोनों आवेश में आ गए और उन्होंने ओमप्रकाश बिरनवार के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में ओमप्रकाश के सिर, नाक और होंठ में चोटें आईं और खून निकलने लगा। इसके बाद दोनों ओमप्रकाश को जान से मार डालने की धमकी देकर वहां से भाग गए।इस घटना को मौके पर मौजूद लोगों ने देखा और बीच-बचाव किया। इसके बाद ओमप्रकाश बिरनवार रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचे।किरनापुर पुलिस ने उनका अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा करवाया और ओमप्रकाश द्वारा की गई रिपोर्ट पर अरुण पांचे और अतुल पांचे के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट करने और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

# दीपावली के दूसरे दिन सड़कों से नदारद रहीं ज्यादातर बसें, यात्री दिनभर होते रहे परेशान

## बसों के पहिए थमे तो ऑटो चालकों की हुई चांदी, यात्रियों से वसूला मनमाना किराया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली का त्योहार जहां लोगों के लिए खुशियों, उत्साह और अपनों के साथ समय बिताने का अवसर लेकर आता है, वहीं दीपावली के दूसरे दिन सफर करने निकले यात्रियों के लिए यह दिन किसी परेशानी से कम नहीं रहा। त्योहार के दूसरे दिन जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न मार्गों पर ज्यादातर बसों के पहिए थमे रहे। बसों का संचालन प्रभावित होने से सुबह से ही बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की भीड़ अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए साधनों की तलाश करती नजर आई। किसी को घर पहुंचना था तो किसी को रिश्तेदारों के यहां जाना था, लेकिन बसें नहीं मिलने से लोगों की यात्रा अधर में लटक गई। घंटों इंतजार के बाद भी जब बसों का कोई भरोसा नहीं मिला तो यात्रियों के सामने दूसरे विकल्प तलाशने की मजबूरी खड़ी हो गई।



## कई यात्री सुबह से शाम तक हुए परेशान

बसें बंद रहने से हालात कुछ ऐसे रहे कि सुबह से बस स्टैंड पहुंचकर बसों का इंतजार करने वाले कई यात्री दोपहर और फिर शाम तक परेशान होते रहे। इनमें ऐसे भी लोग शामिल थे जिन्हें दीपावली की छुट्टियों के बाद अपने गांव और घर वापस लौटना था। कई यात्रियों को बसों के बंद रहने की जानकारी पहले से नहीं थी हालांकि वे सामान्य दिनों की तरह बस स्टैंड पहुंचे थे, लेकिन वहां बसों का संचालन नहीं होने की स्थिति देखकर उनकी परेशानी बढ़ गई। यात्रियों का कहना था कि यदि पहले से बसों के संचालन की स्थिति की जानकारी मिल जाती तो वे उसी हिसाब से अपनी यात्रा की व्यवस्था कर लेते। अचानक बसें नहीं मिलने से उनका पूरा दिन इंतजार और वैकल्पिक साधनों की तलाश में गुजर गया।

## बसें बंद, ऑटो चालकों की चांदी, यात्रियों की मजबूरी का उठाया फायदा

उधर बसों का संचालन ठप रहने का सीधा असर यात्रियों की जेब पर पड़ा। निर्गमित बस सेवा उपलब्ध नहीं होने से ऑटो और अन्य छोटे यात्री वाहनों की मांग अचानक बढ़ गई। इसका फायदा उठाते हुए कुछ ने अन्य निजी वाहनों में अधिक किराया देकर सफर पूरा किया। इस तरह किसी ने अपनी यात्रा टाल दी, किसी ने पूरी योजना बदल दी तो किसी ने आर्थिक नुकसान उठाकर अपनी मंजिल तक पहुंचने का रास्ता निकाला।

## ट्रेनों की लेटलतीफी ने भी यात्रियों की बढ़ाई मुश्किलें

बसों के संचालन में आई बाधा के बीच रेल यात्रियों को भी राहत नहीं मिल पाई। यात्रियों के अनुसार ट्रेनों के समय पर संचालित नहीं होने के कारण उन्हें अतिरिक्त इंतजार करना पड़ा। जिन यात्रियों ने बसों के विकल्प के रूप में रेल यात्रा की योजना बनाई थी, उन्हें भी ट्रेनों की लेटलतीफी से परेशानी का सामना करना पड़ा। एक ओर बसों की उपलब्धता नहीं थी तो दूसरी ओर ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ गईं। ऐसे में त्योहार के दूसरे दिन घर पहुंचने की उम्मीद लेकर निकले कई यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

## जहां ट्रेन नहीं जाती, वहां के यात्रियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा परेशानी उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के यात्रियों को हुई, जहां तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है और आवागमन के लिए बसें ही प्रमुख साधन हैं। ऐसे क्षेत्रों के लोगों के सामने बसों के बंद रहने से कोई दूसरा व्यावहारिक विकल्प नहीं बचा। सुबह से बस स्टैंड पर पहुंचकर बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों को शाम तक निराशा हाथ लगी। निजी वाहन या ऑटो से सफर करना हर किसी के लिए संभव नहीं था, क्योंकि अधिक किराया चुकाना आर्थिक रूप से कई परिवारों के लिए मुश्किल था। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले लोगों को अधिक परेशानी उठानी पड़ी।

## त्योहार पर यातायात व्यवस्था को लेकर उठे सवाल

दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ना स्वाभाविक है। ऐसे समय में बसों का संचालन प्रभावित होने से हजारों यात्रियों की यात्रा व्यवस्था पर असर पड़ना कई सवाल खड़े करता है। यात्रियों का कहना था कि त्योहार के दौरान परिवहन व्यवस्था को लेकर पहले से वैकल्पिक इंतजाम किए जाने चाहिए थे, ताकि लोगों को अपने घरों और गंतव्य तक पहुंचने के लिए भटकना न पड़े। कम से कम प्रमुख मार्गों पर सीमित संख्या में बसों का संचालन जारी रखा जाता तो यात्रियों को इतनी परेशानी नहीं उठानी पड़ती। वहीं बसें उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ऑटो चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूले जाने पर भी नियंत्रण की आवश्यकता महसूस की गई।

## बसों के अभाव में, घंटों सड़क पर रहना बनी मजबूरी

दीपावली के दूसरे दिन का यह नजारा बताता रहा कि त्योहारों के दौरान परिवहन व्यवस्था में थोड़ी सी भी अव्यवस्था आम यात्रियों के लिए कितनी बड़ी परेशानी बन सकती है। जिन लोगों ने अपनों के साथ त्योहार मनाकर घर लौटने की योजना बनाई थी, उन्हें बसों के अभाव में घंटों सड़क और बस स्टैंड पर इंतजार करना पड़ा। किसी ने घर लौटने का इरादा छोड़ दिया तो किसी ने अधिक किराया चुकाकर सफर किया। खुशियों के त्योहार के बीच यात्रियों को मिली इस परेशानी ने परिवहन व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए है।

# बिरसा मुंडा जयंती पर तीन दिन जनजातीय गौरव के आयोजन

भोपाल । भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मध्यप्रदेश में जनजातीय गौरव का संदेश देने के लिए सरकार तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजनों की तैयारी में जुट गई है। 14 से 16 नवंबर तक प्रदेश के अलग-अलग जनजातीय अंचलों में कार्यक्रम होंगे। इसकी शुरुआत जबलपुर से होगी, जबकि समापन खंडवा में किया जाएगा। बीच में धार और अलीराजपुर में सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। सरकार इन आयोजनों के जरिए जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और विकास की योजनाओं को एक साथ सामने रखने की तैयारी कर रही है। कार्यक्रमों की रूपरेखा और सरकार की भावी योजनाओं की जानकारी देने के लिए मंगलवार को दोपहर तीन बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी गई। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम शामिल थे।

# भोपाल की हवा बनी सेहत के लिए खतरा

भोपाल। दिवाली के बाद मध्यप्रदेश के कई शहरों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि अब सुबह की ताजी हवा में सैर करना भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भोपाल और उज्जैन में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार पहुंचने के बाद विशेषज्ञों ने लोगों को कुछ दिन तक मॉर्निंग वॉक से परहेज करने की सलाह दी है। खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है।

भोपाल के टीटी नगर मॉनिटरिंग स्टेशन पर एक्यूआई 404 और उज्जैन के रीजनल ऑफिस स्टेशन पर 411 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता के लिहाज से दोनों शहरों की स्थिति गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। इसके अलावा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, देवास, मंडीदीप और सिंगरौली में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है।

पर्यावरणविद् सुधाष सी. पांडे के मुताबिक, एक्यूआई जब 400 के पार पहुंच जाए तो सामान्य दिनचर्या में बदलाव करना जरूरी हो जाता है। अधिक प्रदूषण वाले इलाकों में अनावश्यक आवाजाही से बचना चाहिए। जरूरत पड़ने पर कम प्रदूषित रास्तों का इस्तेमाल करना बेहतर होगा। उन्होंने सुबह 8 बजे से पहले पार्कों और खुले स्थानों पर टहलने नहीं जाने की सलाह दी है। छह साल से छोटे बच्चों और 75 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों की फिलहाल घर के भीतर रहने की हिदायत दी गई है।

# कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में मृत मिला नर तेंदुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन बनमंडल अंतर्गत खापा बफर परिक्षेत्र की सरेखा बीट में वन गश्ती के दौरान एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में मिला। तेंदुए का शव 9 नवंबर 2026 को कक्ष क्रमांक 1131 में पाया गया। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। तेंदुए के शव का परीक्षण पशु चिकित्सा अधिकारी वैहर डॉ. सुनील गोयल एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी परसवाड़ा डॉ. नेहा आहके द्वारा किया गया। शव परीक्षण के दौरान तेंदुए की मृत्यु स्वाभाविक एवं प्राकृतिक कारणों से होना प्रतीत हुई। शव परीक्षण के बाद



निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार तेंदुए का विधिवत भस्मीकरण किया गया।

इस दौरान क्षेत्र संचालक, कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला, नायब तहसीलदार वैहर, प्रोजेक्ट ऑफिसर, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (इडब्ल्यूटी) के प्रतिनिधि, सहायक संचालक मलाजखंड, ग्राम पंचायत धनवार के सरपंच, ईको विकास समिति नारना के अध्यक्ष सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी आवश्यक औपचारिकताएं निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरी की गई।

बालाघाट
बुधवार 11 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

# बालाघाट एक्सप्रेस
## शहर । समाज । गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

### ध्वनि प्रदूषण से परेशान जनता, कार्रवाई पर उठे सवाल!

# डीजे और पटाखों के शोर पर रोक किसकी जिम्मेदारी?

**विधायक अनुभा मुंजारे के निवास पर पटाखे फोड़ने को लेकर एसडीएम की आपत्ति के बाद विवाद**

**विधायक ने पूछा दूसरे आयोजनों और डीजे के शोर पर प्रशासन क्यों मौन? त्योहारों के लिए ध्वनि नियंत्रण की एक समान गाइडलाइन बनाने की जरूरत**

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहर में ध्वनि प्रदूषण अब केवल असुविधा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य और सुकून से जुड़ी गंभीर समस्या बनता जा रहा है। कभी धार्मिक आयोजनों में देर रात तक बजने वाले डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का शोर तो कभी दीपावली पर फोड़े जाने वाले तेज आवाज के पटाखे, इन दोनों के कारण शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। त्योहार और उत्सव मनाने के नाम पर ध्वनि की सीमाएं लांघने का सिलसिला लगातार देखने को मिलता है। इसका असर सबसे ज्यादा नवजात बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर पड़ता है। कई परिवारों में हृदय रोग से पीड़ित मरीज नियमित दवाइयों के सहारे जीवन बिता रहे हैं, वहीं घरों में छोटे बच्चे और नवजात भी तेज आवाज से सहम जाते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि उत्सव मनाने की स्वतंत्रता के बीच उन लोगों के सुकून और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी कौन लेगा, जिन्हें इस शोर का खामियाजा भुगतना पड़ता है?



ध्वनि प्रदूषण को लेकर मंगलवार 10 नवंबर को उस समय और मामला और तेज हो गया , जब बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अपने सरकारी निवास पर दीपावली के अवसर पर पटाखे फोड़ने को लेकर प्रशासन की आपत्ति का मुद्दा उठाया। विधायक ने बताया कि 9 नवंबर की रात करीब 10:30 बजे उनके निवास पर उनके बेटे शांतनु और कुछ परिजन पटाखे फोड़ रहे थे। इसी दौरान एसडीएम बालाघाट ने अधिक आवाज वाले पटाखे फोड़े जाने पर आपत्ति जताते हुए उन्हें रोकने और कम ध्वनि वाले पटाखे इस्तेमाल करने की समझाइश दी। विधायक ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब अन्य त्योहारों और सरकारी बगलों में होने वाले आयोजनों में तेज आवाज में डीजे बजते हैं तथा कई स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण होता है, तब प्रशासन उस पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लगाता?, उन्होंने सवाल किया कि जब उनके निवास पर पटाखे फोड़ने को लेकर आपत्ति की जा रही है तो बाकी स्थानों पर भी एक समान कार्रवाई क्यों नहीं की जाती ?, वहीं इस पूरे मामले पर एसडीएम बालाघाट का कहना है कि विधायक निवास पर अधिक ध्वनि वाले पटाखे फोड़े जा रहे थे, जिस पर उन्हें कम आवाज वाले पटाखे फोड़ने की समझाइश दी गई थी। यानी प्रशासन की ओर से पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह रोक लगाने के बजाय तेज आवाज वाले पटाखों को लेकर आपत्ति जताने की बात कही गई है। दूसरी ओर विधायक ने इस कार्रवाई को लेकर अन्य आयोजनों में होने वाले ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा उठाया है। ऐसे में विवाद का केंद्र केवल एक निवास पर पटाखे फोड़ने की घटना नहीं, बल्कि शहर में ध्वनि नियंत्रण के नियमों के समान पालन का सवाल बन गया है। यदि तेज आवाज से लोगों को परेशानी होती है तो नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए, चाहे आयोजन किसी आम नागरिक का हो, जनप्रतिनिधि का हो या किसी प्रभावशाली व्यक्ति का।

### कॉलोनी में नवजात बच्चों को तेज आवाज से परेशानी की हुई थी शिकायत

सूत्रों के अनुसार सिविल लाइन कॉलोनी में नवजात बच्चों को तेज आवाज के पटाखों से परेशानी होने की शिकायत प्रशासन तक पहुंची थी। इसी शिकायत के आधार पर एसडीएम द्वारा विधायक निवास पर मौजूद कुछ युवकों को अधिक आवाज वाले पटाखे नहीं फोड़ने की समझाइश दिए जाने की जानकारी सामने आई है। नवजात बच्चों के लिए अचानक होने वाली तेज आवाज डर और बेचैनी का कारण बन सकती है। कई बार बच्चे तेज धमाके से चौंककर रोने लगते हैं और उनके माता-पिता को उन्हें संभालने में परेशानी होती है। इसी तरह बुजुर्गों और हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए भी तेज आवाज तनाव और असहजता बढ़ा सकती है।

### क्या अब प्रशासन ध्वनि प्रदूषण को गंभीर समस्या मानेगा

विडंबना यह है कि दीपावली पर पटाखों की आवाज को लेकर प्रशासन की सक्रियता पूरे जिले में क्यूं नही दिखा दे रही है, जबकि अन्य त्योहारों, जुलूसों, धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में देर रात तक बजने वाले डीजे तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर नियंत्रण को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। कई बार तेज आवाज के कारण रहवासी क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों के आराम और बीमार लोगों की दिनचर्या प्रभावित होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी त्योहारों और आयोजनों के दौरान ध्वनि की तीव्रता को लेकर शिकायतें सामने आती हैं। यदि प्रशासन ध्वनि प्रदूषण को गंभीर समस्या मानता है तो कार्रवाई केवल शिकायत मिलने या किसी एक स्थान पर निरीक्षण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी और उल्लंघन करने वालों पर समान कार्रवाई जरूरी है। अब जरूरत इस बात की है कि जिला प्रशासन समय समय पर होने वाली शांति समिति की बैठकों में ध्वनि प्रदूषण को भी प्रमुख मुद्दा बनाए। आगामी त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों को देखते हुए डीजे संचालकों, आयोजकों और पटाखा विक्रेताओं के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। ध्वनि की निर्धारित सीमा, समय संबंधी प्रतिबंध और संबंधित नियमों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाए, ताकि किसी को यह कहने का अवसर न मिले कि नियमों की जानकारी नहीं थी। साथ ही नियम तोड़ने वालों पर बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई होनी चाहिए। केवल किसी एक शिकायत पर समझाइश देना और बाकी स्थानों पर होने वाले शोर को नजरअंदाज करना इस समस्या का समाधान नहीं है।

## साइबर ठगी के 20 लाख रुपये वापस कराने में पुलिस को मिली सफलता

पदमेश न्यूज। बालाघाट। ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच बालाघाट पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए साइबर धोखाधड़ी के शिकार एक व्यक्ति को बड़ी आर्थिक राहत दिलाई है। अज्ञात साइबर ठगों ने वार्ड क्रमांक 20, राम गली निवासी संजय नेमा के साथ ऑनलाइन माध्यम से 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। शिकायत मिलते ही साइबर नोडल थाना बालाघाट ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) तथा संबंधित बैंक के नोडल अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया। पुलिस की सक्रियता और बैंकिंग स्तर पर की गई कार्रवाई के चलते ठगी की पूरी 20 लाख रुपये की राशि इफ्रिटास बैंक में होल्ड करा दी गई। इसके बाद आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया पूरी कर संपूर्ण रकम पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराई गई।

संजय नेमा ने अपने साथ हुई 20 लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। इतनी बड़ी रकम की ठगी से पीड़ित को आर्थिक नुकसान की आशंका थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए साइबर नोडल थाना ने बिना देर किए मामले को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज किया और संदिग्ध लेन-देन की जानकारी संबंधित बैंक तक पहुंचाई। इसके बाद पुलिस ने एनसीआरपी पोर्टल और अधिकृत ई-मेल के माध्यम से इफ्रिटास बैंक के नोडल अधिकारियों से संपर्क स्थापित किया। ठगी की रकम जिस बैंकिंग खाते में पहुंची थी, उसे होल्ड कराने के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस और बैंक अधिकारियों के बीच लगातार समन्वय का परिणाम रहा कि 20 लाख रुपये की पूरी राशि समय रहते होल्ड करा ली गई। इसके बाद बैंकिंग प्रक्रिया पूरी होने पर यह रकम पीड़ित संजय नेमा के खाते में वापस करा दी गई। साइबर ठगी के मामलों में जहां कई बार पीड़ित अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं, वहीं इस प्रकरण में पूरी रकम वापस मिलना बड़ी राहत माना जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि ऑनलाइन लेन-देन करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी, एटीएम या अन्य वित्तीय विवरण साझा न करें। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध कॉल पर भरोसा करने या जल्दबाजी में ऑनलाइन भुगतान करने से बचें। यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी होती है तो वह बिना समय गंवाए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे, पुलिस के अनुसार साइबर ठगी के मामलों में शुरुआती समय यानी गोल्डन ऑवर बेहद महत्वपूर्ण होता है। ठगी होने के तुरंत बाद शिकायत दर्ज कराने से संबंधित बैंक खाते में रकम को होल्ड कराने और पीड़ित तक वापस पहुंचाने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में ठगी का पता चलने के बाद शिकायत करने में देरी करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। बालाघाट पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि समय पर सूचना और पुलिस-बैंक के बीच प्रभावी समन्वय से साइबर ठगी की रकम बचाई जा सकती है।

## गोंदिया रोड पर दो मोटरसाइकिल में भिड़ंत- दो युवक घायल



पदमेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रोड स्थित नवेगांव पेट्रोल पंप के सामने सोमवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में दोनों मोटरसाइकिलों पर सवार दो युवक घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। दोनों घायल जिनमें मनोज पिता अर्जुन नगपुरे 29वर्ष ग्राम खुरसीडी थाना ग्रामीण तथा आकाश पिता दिलीप डोंगरे 25 वर्ष ग्राम कोसमी थाना ग्रामीण निवासी है दोनों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार। मनोज नगपुरे खेती-किसानी का कार्य करते हैं जबकि आकाश डोंगरे मजदूरी करता है।बताया गया है कि 9 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे मनोज नगपुरे अपने एक रिश्तेदार के साथ मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदार के लिए खाना लेकर जा रहे थे। वहीं आकाश डोंगरे मोटरसाइकिल से नवेगांव पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने जा रहे थे। इसी दौरान गोंदिया रोड पर पेट्रोल पंप के सामने दोनों मोटरसाइकिलों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में मनोज और आकाश घायल हो गए। जबकि उनके साथ मौजूद अन्य लोगों को कोई चोट नहीं आई।घटना के बाद दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज करने के बाद मामले को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित ग्रामीण नवेगांव थाना पुलिस को भेज दी है।

## रूपझर पुलिस ने दो गुमशुदा महिलाओं को खोजकर परिजनों को सौंपा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए दो अलग-अलग मामलों में लंबे समय से लापता दो महिलाओं को खोजकर सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से दोनों परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहला मामला 27 अगस्त 2021 का है। ग्राम छोटीघोंदी निवासी लक्ष्मण टेकाम ने थाना रूपझर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी पुत्री अंजनी टेकाम बिना बताए घर से कहीं चली गई है। शिकायत पर पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 28/21 दर्ज कर मामले को जांच में लिया था। लगातार पतासाजी और तलाश के प्रयासों के बाद पुलिस ने 8 नवंबर 2026 को अंजनी टेकाम को दस्तयाब कर सकुशल



परिजनों के सुपुर्द कर दिया।वहीं दूसरा मामला 29 जुलाई 2024 का है। ग्राम किनरदा निवासी रंजन मरकाम ने अपनी पत्नी वर्षा मरकाम के बिना बताए घर से चले जाने की रिपोर्ट थाना रूपझर में दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में गुम इंसान क्रमांक 25/24 कायम कर जांच शुरू की थी। लगातार तलाश और पतासाजी के बाद पुलिस ने 8 नवंबर 2026 को वर्षा मरकाम को भी सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया।

### पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका

दोनों गुमशुदा महिलाओं की तलाश कर उन्हें सकुशल दस्तयाब करने की पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेतु, सहायक उपनिरीक्षक जयदयाल पटले, प्रधान आरक्षक 941 द्वारिकानारायण दुबे, प्रधान आरक्षक 944 सुरैब अली, प्रधान आरक्षक 347 शिवचाल दरियाम तथा विशेष सहयोगी दस्ता की करुणा मरावी एवं यशोदा पन्दे का सराहनीय योगदान रहा।रूपझर पुलिस की इस कार्रवाई से दोनों परिवारों को राहत मिली है।

## खोड़सिवनी रोड पर तेज रफ्तार ऑटो पलटा : एक दर्जन से अधिक लोग घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत हट्टा और खोड़सिवनी के बीच रविवार को तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ऑटो में सवार एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक वर्षीय बालक सहित पांच लोगों को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।जहां दो घायलों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। वहीं तीन महिलाओं को मामूली चोटें आई। उपचार कराने के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खोड़सिवनी निवासी कंचन मर्सकोले खेती-किसानी का कार्य करते हैं। 8 नवंबर को कंचन अपनी पत्नी बर्सती के साथअपना इलाज कराने के लिए सालेटेका आए थे। वहीं अन्य लोग वर्धा में भजदूरी करने के बाद दीपावली का त्योहार मनाने अपने गांव खोड़सिवनी लौट रहे थे। वे सभी ट्रेन से गोंदिया पहुंचे और वहां से ग्राम सालेटेका आए थे।बताया गया कि शाम करीब 4 बजे सभी लोग सालेटेका से ऑटो में सवार होकर अपने गांव खोड़सिवनी के लिए रवाना हुए। ऑटो में करीब एक दर्जन से अधिक



लोग सवार थे। इसी दौरान हट्टा और खोड़सिवनी के बीच तेज रफ्तार ऑटो चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और ऑटो में सवार लोग घायल हो गए।दुर्घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए हट्टा अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। इनमें एक वर्षीय आरजू, पिता नेहरू खरे और कंचन पिता सीताराम मर्सकोले 40 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं यशोदा पति जय किशोर पांचे 30 वर्ष, आरती पति नेहरू खरे 29 वर्ष एवं बर्सती पति कंचन मर्सकोले 35 वर्ष को मामूली चोटें आई। जिनका जिला अस्पताल में उपचार किया गया। सभी घायल ग्राम खोड़सिवनी निवासी हैं घटना के संबंध में जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला घटनास्थल से संबंधित हट्टा थाना पुलिस को भेज दिया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## मक्का का अवैध परिवहन करते पकड़ाया ट्रक, मंडी के उड़नदस्ते ने की कार्रवाई, 91 हजार रूपए वसुला जुर्माना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बिना मंडी शुल्क जमा किए, मक्का का परिवहन मामले में जानकारी के बाद रविवार को कृषि उपज मंडी गोंगलई के उड़नदस्ते ने एक ट्रक को पकड़ा। जिसमें मक्का भरा हुआ था। मंडी सचिव उत्तमप्रसाद नादोनिया ने बताया कि फर्म ओम ट्रेडर्स खरसाए सिवनी से मक्का ट्रक के माध्यम से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव ले जाया जा रहा था। जिसके पास कृषि उपज परिवहन को लेकर कोई मंडी का कोई अनुज्ञा पत्र नहीं था। चालक से अनुज्ञा पत्र मांगे जाने पर उसके पास अनुज्ञा पत्र नहीं होने से नियमानुसार वाहन को पकड़ा गया। जिसमें बिना अनुज्ञा पत्र के कृषि उपज परिवहन होने पर अवैध परिवहन का प्रकरण तैयार कर अधिसूचित कृषि उपज परिवहन करते पाए जाने पर म. प्र. मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (6) में निहित प्रावधानों के अंतर्गत 91 हजार 130 रूपए जुर्माना कार्रवाई की गइ है। उन्होंने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि बिना मंडी अनुज्ञा के कृषि उपज का परिवहन किया जा रहा है। जिसके बाद उड़नदस्ता दल ने सिवनी से आ रहे वाहन क्रमांक सीजी 08 बीए 1220 को रोका। जिसमें करीब 349.30 क्विंटल मक्का, फर्म ओम ट्रेडर्स खरसाए सिवनी से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के लिए परिवहन किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान मंडी निरीक्षक भानेश्वर तुरकर, भीमेंद्र चौधरी, प्रकाश सोनवाने, उपनिरीक्षक पवन इनवाती सहित अन्य मंडी कर्मचारी उपस्थित रहे।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पदमेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट